वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2020-21

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT
(A Central University Established by an Act of Parliament)

Construction of Academic Building at CUO campus in progress

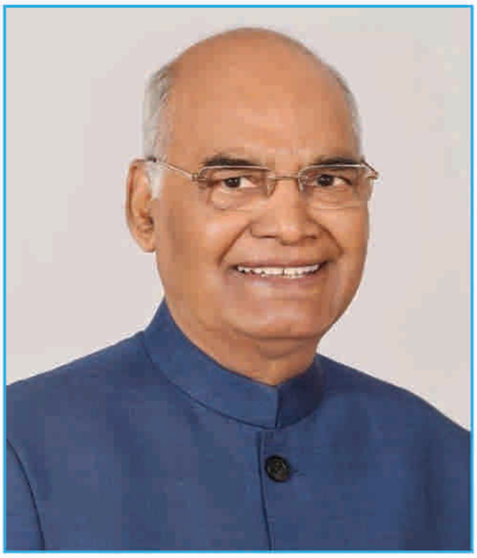

महामहिम श्री राम नाथ कोविंद

भारत के माननीय राष्ट्रपति

His Excellency Shri Ram Nath Kovind

Hon’ble President of India

परिदर्शक

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

VISITOR

Central University of Odisha, Koraput

प्रो. पी.वी. कृष्णाभट्ट

कुलाधिपति

Prof. P.V. Krishna Bhatta

CHANCELLOR

प्रो. शरत कुमार पलिता

कुलपति (प्रभारी)

Prof. Sharat Kumar Palita

VICE-CHANCELLOR I/c

HOMAGE

स्वर्गीय प्रो. आई रामब्राहम्म

(1954-2021)

कुलपति सीयूओ

(08 सितंबर 2019-28 जुलाई 2021तक)

प्रो.आई रामब्रहम्म, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति और राजनीति विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त वरिष्ठ संकाय का निधन 28 जुलाई 2021 को हो गया। वह राजनीति विज्ञान के एक प्रसिद्ध विद्वान थे, उनके पास 30 से अधिक वर्षों का शिक्षण अनुभव था और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं, उन्होंने 20 से अधिक विद्वानों का पर्यवेक्षण किया है और कई शोध परियोजनाओं को पूरा किया है।

प्रो.रामब्रहम्म ने शिक्षा नीति, ई- गवर्नेंस,ई-पाठशाला पहल आदि पर ध्यान देने के साथ शासन,ग्रामीण विकास, उच्च शिक्षा और सार्वजनिक नीति के क्षेत्रों में काम किया। वह लोक प्रशासन के लिए ई-पीजी पाठशाला और एमओओसीएस के राष्ट्रीय समन्वयक थे।

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय,कोरापुट में कुलपति के रूप में अपने छोटे कार्यकाल के दौरान प्रशासन और परीक्षा प्रणाली में सुधार लाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। मृदुभाषी व्यक्ति प्रो.रामब्रहम्म को आने वाले समय में एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद और सक्षम प्रशासक के रूप में याद किया जाएगा।

सीयूओ परिवार ने कुलपति को भावभीनी श्रद्धांजलि दी ....

अनुक्रम

क्रमांक	विषय	पृष्ठ सं.
1	प्रस्तावना	i)
2	कुलपति की ओर से	ii)
3	एक नजर सीयूओ पर	1
4	विश्वविद्यालय के विद्यापीठों एवं विभागों की गतिविधियाँ	14
5	संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ	33
6	अनुसंधान गतिविधियाँ	56
7	छात्र नामांकन	57
8	अवसंरचनात्मक सुविधाएँ	61
9	भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पहल : सीयूओ का पर्यवेक्षण	66
10	विश्वविद्यालय के कार्यक्रम	70
11	नई नियुक्तियाँ	79
12	पुरस्कार और उपलब्धियां	82
13	वैधानिक तथा गैर वैधानिक समितियाँ	83
14	परिसर पर दृष्टि	87
15	समाचारपत्रों में सीयूओ	89

वार्षिक प्रतिवेदन 2020 -21

सलाहकार

प्रो. शरत कुमार पलिता
कुलपति प्रभारी

संपादकीय समिति

अध्यक्ष

प्रो. असित कुमार दास
कुलसचिव

संयोजक

डॉ. प्रदोष कुमार रथ
सहा. प्रोफेसर और
विभाग प्रभारी, डीजेएमसी

समन्वय

डॉ. फगुनाथ भोई
जनसंपर्क अधिकारी

सदस्य

डॉ . बी. के. श्रीनिवास
सहायक प्राध्यापक, मानव विज्ञान विभाग

डॉ. सौरव गुप्ता
सहायक प्राध्यापक ,
डीजीएमसी

श्री संजीत कुमार दास
सहा. प्रोफेसर और
विभाग प्रभारी, डीईएलएल

डॉ. रामेंद्र कुमार पाढ़ी ,
सहायक प्राध्यापक
,विभागाध्यक्ष प्रभारी, शिक्षा विभाग

डॉ. मिनती साहू
सहायक प्राध्यापक एवं
विभागाध्यक्ष प्रभारी , डीई

प्रस्तावना

महामारी के नाम पर अभी संकट का समय है। 2020 के सुरुआत से हम कोविड 19 महामारी और वायरस के साथ ही जी रहे हैं।यह सीयूओ समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति लेकर आया क्यूंकि विश्वविद्यालय ने अपने गतिशील प्रो. आई. रामाब्रह्मम को खो दिया जिन्होंने 27 जुलाई 2021 को अंतिम सांस ली। उन्होंने विश्वविद्यालय के लिए कई लक्ष्यों को प्राप्त करने का सपना देखा ,लेकिन यह साकार नहीं हो सका। लेकिन सीयूओ समुदाय ने ऐसे कठिन समय का सामना करने के बावजूद इस विचार के साथ 'काम जारी रहना चाहिए' वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपना प्रयास जारी रखा हैं। ।

वार्षिक प्रतिवेदन 2020-2021 ऐसे प्रयासों में से एक है , जिसे उपर वर्णित बाधाओं के बावजूद समय पर पूरा किया जा सका है। विश्वविद्यालय हमेशा अपने बेंचमार्क में सुधार करने का प्रयास करता है और ऐसा करने में भी सफल होता है, जिसका मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करना है। राज्य के आदिवासी बहुल क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्रदान करने के अलावा विश्वविद्यालय ने सामुदायिक सेवा के लिए अपने आस पास के पाँच गावों को गोद लेकर अपनी एक अलग पहचान बनाई है , जो 'क्षेत्र के लिए, राष्ट्र के लिए' की दृष्टि का केंद्र बिन्दु है। विश्वविद्यालय में आधारभूत विज्ञान, जीव विज्ञान, समाज विज्ञान और व्यवसाय प्रबंधन और मानविकी के क्षेत्रांतर्गत स्नातक,स्नातकोत्तर एम। फिल और पीएच. डी के कार्य चल रहे हैं। कई वर्षों से विश्वविद्यालय के छात्रअच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हो रहे हैं, अच्छे पदों पर कार्यस्त और राष्ट्र निर्माण में सफलतापूर्वक योग्य सिद्ध हो रहे हैं। कुछ छात्र देश के प्रतिष्ठित शोध संस्थान में शोध कर रहे हैं।

इस अवधि में पूर्व कुलपति प्रो. आई. रामाब्रह्मम के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की कई उपलब्धियां देखि गई। विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय बिरादरी के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ाने के लिए कई शैक्षणिक प्रवाचनों एवं संवादों का आयोजन किया। इस अवधि में विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियाँ अतिथि प्राध्यापक के रूप में शामिल हियाऊर गुणवत्तापूर्ण संकाय सदस्यों के रुप में शामिल हुई। महामारी की चुनौतियों के बावजूद , संकाय सदस्यों ने पूरे सत्र मे ऑनलाइन मोड के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के अपने प्रयास जारी रखे। महत्वपूर्ण रूप से विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक ऑनलाइन होम बेस्ड ओपन बुक परीक्षा (एच. बी. ओ. बी. ई)आयोजित की, जो ऐसा करने वाला भारत का अग्रणी विश्वविद्यालय बन गया और विभिन्न कोनों से बड़ी प्रसंस व प्राप्त की। छात्रों को कोविड 19 के कारण मनोवैज्ञानिक बोझ से बाहर निकलने में मदद करने के लिय विश्वविद्यालय ने एक पहल 'भरोसा' की सुरुआत की। यह लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहा और यहाँ तक की केंद्र में प्रशंसा भी प्राप्त की। न केवल छात्र , बल्कि अपनी आजीविका के लिय संघर्ष कर रहे मजदूरों ने भी सीयूओ और भरोसा से परामर्श किया।

विश्वविद्यालय ने ओड़िशा और आसपास के राज्यों पश्चिम बंगाल,छत्तीसगढ़ और आनद्रप्रदेश के महत्वपूर्ण स्थानों में फैले 12 केंद्रों में प्रवेश परीक्षा आयोजित की। सहायक सेवाओं के रूप में विस्वविद्यालय डे स्कॉलर्स के लिए परिवहन सुविधा प्रदान करने के लिए सीमाओं और बसों के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित छात्रावास प्रदान करता है। विशाल विश्वविद्यालय परिसर अत्याधुनिक स्मार्ट क्लास रूम, डिजिटल लाइब्रेरी, इंटरनेट सुविधा के साथ कंप्युटर लैब और 30000 से अधिक शीर्षकों और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं, समाचारपत्रों और पत्रिकाओं के साथ एक केन्द्रीय पुस्तकालय से सुसज्जित है। परिसर में एक आरामदायक कैंटीन छात्रों और कर्मचारियों के पाक आवश्यकताओं का खयाल रखती है। अंतिम सत्र के छात्रों को प्लेस्मेंट सुविधा प्रदान की गई है जिसके कारण उन्हे अच्छी तरह से रखा गया हैं। सिमेस्टर सिस्टम लागू है और च्वाइस बेस्ड सिस्टम विकसित किया जा रहा है। एक अत्याधुनिक गेस्ट हाउस पहले ही चालू किया जा चुका है;एक सुन्दर पार्क अनेवाले समय में और अधिक के वादे के साथ परिसर के आकर्षण को बढ़ता है।

वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21 के दौरान सीयूओ की शैक्षणिक,छात्र केंद्रित सहायता प्रणाली और प्रशासनिक तंत्र का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह अपने संकाय सदस्यों की उपलब्धि पर प्रकाश डालता है जो हमेशा ज्ञान की दिशा में योगदान करने का प्रयास करते हैं जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ाता है। विश्वविद्यालय दूरदर्शी कुलपति के गतिशील नेतृत्व में दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ आगे बरध रहा है,जिनके समग्र पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन तथा सलाह ने वार्षिक प्रतिवेदन समिति को समय पर प्रतिवेदन संकलित करने में मदद की है।

हम इस वार्षिक प्रतिवेदन में संकलित जानकारी और डाटा प्रदान करने के लिए संकाय सदस्यों,विभागाध्यक्षों और प्रशासनिक प्रमुखों को भी धन्यवाद देते हैं। हम वार्षिक प्रतिवेदन समिति के उन सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस वार्षिक प्रतिवेदन को वर्तमान स्वरूप में आकार देने के लिए अथक प्रयास किया हैं।

वार्षिक प्रतिवेदन समिति 2020-21

कुलपति की ओर से

कोरापुट में 2009 में स्थापित ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार प्रगति की है और अपने सार्थक अस्तित्व के 12वें वर्ष को पूरा करने वाला है। वर्ष 2020-21 युवा विश्वविद्यालय के लिए चुनौतियों और अवसरों से भरा वर्ष था जो संस्थागत विकास के साथ-साथ शैक्षणिक प्रगति के साथ आगे बढ़ने की इच्छा रखता है। चुनौतियों ने हमें प्रतिरोधकक्षमतापूर्ण बना दिया है और अकादमिक जुड़ाव और पहुंच से बाहर तक पहुंचने के लिए नए रास्ते खोले हैं।

हालांकि वर्ष की शुरुआत कोविड-19 महामारी से हुई थी, सीयूओ ने सभी हितधारकों की बचाव, सुरक्षा और भलाई के लिए सभी संभव कोविड प्रोटोकॉल को अपनाया। डिजिटल बुनियादी ढांचे में एक बड़ा बदलाव आया, जिससे शिक्षाविदों के साथ-साथ आधिकारिक व्यवसाय के लेन-देन में मदद मिली। हालांकि,कोविड के कारण, यूजीसी/एमएचआरडी और राज्य सरकार के निर्देशानुसार, विश्वविद्यालय लॉक डाउन के अधीन था, कक्षाएं निलंबित थीं, छात्रों को परिसर छोड़ना पड़ा, कक्षाओं का भौतिक मोड वर्चुअल मोड में बदल गया, शिक्षक और छात्र दोनों इस अवसर पर पहुंचे और ऑनलाइन कक्षाएं 'नई सामान्य' हो गईं और पाठ्यक्रम समय पर पूरे हो गए।सीयूओ पेन और पेपर मोड में एचबीओबीई (होम बेस्ड ओपन बुक एग्ज़ामिनेशन) शुरू करने वाले देश के कुछ विश्वविद्यालयों में से एक बन गया। केंद्रीय पुस्तकालय ने अपने सभी ई-संसाधनों के लिए संकाय, शोधार्थियों और छात्रों को रिमोट एक्सेस सुविधा के माध्यम से ऑनलाइन सुविधाएं भी प्रदान की हैं। साहित्यिक चोरी मुक्त शोध वातावरण के लिए टर्निटिन-आई थेंटीकेट सॉफ्टवेयर विश्वविद्यालय द्वारा खरीदा गया और उपयोग में लाया गया। कोरोना के समय में ये छोटी उपलब्धियां नहीं थीं।

प्रवेश के लिए, सीयूओ ने सीयूसेट में हिस्सा लिया और अखिल भारतीय छात्रों के साथ सार्क देशों के छात्रों का भी प्रतिनिधित्व पाया। विभिन्न कार्यक्रमों में छात्रों का प्रवेश एक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से आयोजित किया गया था, जिसका श्रेय शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के पूरे दिल से दिया जाता है। कोविड-19 के दौरान एक द्रष्टव्य कार्य, छात्रों और अन्य जरूरतमंदों के लिए विशेषज्ञों द्वारा मुफ्त मनोवैज्ञानिक परामर्श के लिए 'भरोसा' नाम की एक हेल्पलाइन शुरू करना था।इसका शुभारंभ तत्कालीन शिक्षा मंत्री डॉ.रमेश पोखरियाल 'निशंक' के द्वारा किया गया।

सत्र के दौरान दो अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियां थीं: एमओओसी (विशाल ऑनलाइन ओपन कोर्स) की शुरुआत और प्रांत तथा प्रांत के बाहर के अधिकारियों और कामकाजी पेशेवरों के लिए एमबीए (कार्यकारी) कार्यक्रम की शुरुआत। आपसी शैक्षणिक और संस्थागत संबंधों को बढ़ावा देने और बढ़ाने के लिए उड़ीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ), कोरापुट और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), सुनबेड़ा के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) को और दो साल के लिए बढ़ा दिया गया।

विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में जी+3 अकादमिक ब्लॉक और 93 स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण की शुरुआत के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा मिला। प्रोफेसरों और विजिटिंग प्रोफेसरों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक वर्कस्टेशन बनाया गया था। पूरे परिसर में वाई-फाई सुविधा का विस्तार किया गया।

12 वां स्थापना दिवस व्याख्यान भारत सरकार के प्रधान आर्थिक सलाहकार डॉ. संजीव सान्याल द्वारा दिया गया , जिन्होंने भारत में समृद्ध शैक्षिक अवसरों पर बात की और छात्रों के लिए व्यावहारिक जीवन शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक' और माननीय केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस एवं इस्पात मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा तीन स्थायी भवनों की आधारशिला रखी गई।

सत्र 2020-21 के दौरान होने वाली गतिविधियों में हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती, भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 129 वीं जयंती, गालवान घाटी के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना शामिल है। विश्व पर्यावरण दिवस, छठा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के निधन पर शोक और 'राष्ट्रीय एकता दिवस', 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह', 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस', 'संविधान दिवस' और 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' वर्ष 2020 के उल्लेखनीय कार्यक्रम थे।

शैक्षणिक सत्र में सीयूओ द्वारा आयोजित बड़ी संख्या में ऑनलाइन सेमिनार, विशेष व्याख्यान और कार्यशालाएं देखी गईं। उनमें से उल्लेखनीय हैं 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता पर परिप्रेक्ष्य', 'भारतीय संवैधानिक गतिशीलता: समानता और न्याय सुनिश्चित करने के सात दशक', 'भारतीय उच्च शिक्षा में महिलाएं: चुनौतियां और अवसर', 'मैं शिक्षा में बदलाव कैसे करूं',जैव विविधता - पर्यावरण - स्वास्थ्य', 'व्यापार और भारत की विदेश नीति के बीच कोविड-19' और कोविड-19 पर विशेष व्याख्यान- 'कोविड-19- ग्लोबल लॉकडाउन और पर्यावरण संरक्षण', 'शैक्षणिक समुदायों के लिए खुले शैक्षिक संसाधन और अनुसंधान विज़ुअलाइज़ेशन उपकरण ', 'कोविड 19 के दौरान लोक सेवा प्रसारक की भूमिका' और 'सार्वजनिक नीति, प्रबंधन और कौशल विकास: सामाजिक परिवर्तन के लिए एक त्रय'।

एमएचआरडी के एक प्रमुख कार्यक्रम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम (ईबीएसबी)' के तहत, सीयूओ ने 'ओडिसी में ओडिशा के दार्शनिक आयामों' पर एक ऑनलाइन वार्ता का आयोजन किया जिसमें पद्म विभूषण डॉ सोनल मानसिंह, संसद सदस्य (राज्य सभा) और संस्थापक- अध्यक्ष, शास्त्रीय नृत्य केंद्र, नई दिल्ली ने व्याख्यान दिया।

मैं इस विश्वविद्यालय को समर्थन देने के लिए शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी, केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न शाखाओं और जिला प्रशासन से प्राप्त समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। मैं प्रशासनिक और शैक्षणिक मामलों में मार्गदर्शन के लिए विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद और अकादमिक परिषद का आभारी हूं। मैं इस युवा विश्वविद्यालय को शिक्षा के मंदिर के रूप में विकसित करने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए विश्वविद्यालय की समर्पित टीम, शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। मैं छात्रों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों और विश्वविद्यालय के विकास में उनके योगदान के लिए बधाई देता हूं।

मुझे विश्वास है कि सीयूओ आने वाले समय में सर्वांगीण प्रगति और समृद्धि हासिल करेगा।

सभी को शुभकामनाएं !

(प्रो. शरत कुमार पलिता)
कुलपति (प्रभारी)

पदधारक सूची

कुलाधिपति

नाम	अवधि
प्रो. के. श्रीनाथ रेड्डी अध्यक्ष ,पुब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई)	31.08.2012 से 30.08.2017तक
प्रो. पी.वी. कृष्ण भट्ट अध्यक्ष, सेंटर फॉर एजुकेशनल एंड सोशल स्टडीस (सीईएसएस)	11.07.2018 से अब तक

कुलपति

नाम	अवधि
प्रो. सुरभी बनर्जी	28.02.2009 - 27.02.2014
प्रो. मोहम्मद मियां (अतिरिक्त प्रभार)	01.04.2014 - 13.05.2015
प्रो. तलत अहमद (अतिरिक्त प्रभार)	15.05.2015 - 06.08.2015
प्रो. सच्चिदानंद मोहांती	07.08.2015 - 28.02.2019
प्रो. शरत कुमार पलिता (प्रभारी)	01.03.2019 -05.12.2019
प्रो. आई. रामाब्रह्मम	06.12.2019 -28.07.2021 निधन- 28.07.2021को
प्रो.शरत कुमार पलिता (प्रभारी)	24.07.2021 से अब तक

पारदर्शिता

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी मामलों में जीएफआर नियमों, केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्दों और गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक नजर सीयूओ पर

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय वर्ष २००९मे संसद के अधिनियम द्वारा ओड़िशा के कोरापुट में स्थापित की गई थी |विस्वविद्यालय मानविकी,भाषा,सामाजिक विज्ञान और मौलिक तथा अनुप्रयुक्त विज्ञान में अग्रिम ज्ञान के प्रसार के लिए प्रयास करता है|इसका लक्ष्य अधिगम प्रक्रिया,अन्तःविषयक अनुसन्धान को बढ़ावा देना और लोगों के सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधर और उनके शैक्षणिक,बौद्धिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिए विशेष ध्यान दिया जाना है|विश्वविद्यालय कोरापुट जिले के सुनाबेढ़ा में अवस्थित है|मुख्य परिसर सुनाबेढ़ा स्थित 430.37 एकड़ जमीनपर अवस्थित है|ओड़िशा सरकार ने सी यू ओ को यह जमीन प्रदान किया है,और यह जमीन विश्वविद्यालय के नाम पर पंजीकृत हो चूका है|

विश्वविद्यालय की दूरदृष्टी: सहयोग/शैक्षणिक समझौता/भारत व विदेश के प्रमुख अनुसन्धान संस्थान,विश्वविद्यालय एवं उद्योग के साथ साझेदारी | आज के सन्दर्भ में यूनिस्को दस्तावेज में यथा परिकल्पित एक नए अर्थ एवं नए आकार पर लिए गए क्रॉस बॉर्डर शिक्षा|

- यूनेस्को दस्तावेज में बताये गए क्रॉस बॉर्डर शिक्षा को अज के सन्दर्भ में नए अर्थ में लेना और नया रूप प्रदान करना
- निमंत्रण से प्रख्यात अतिथि संकायों का प्रवेश
- एक आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना(IQAC)

विश्वविद्यालय के लक्ष्य:

- सभीके लिए उत्कृष्ट शिक्षा,ताकि हम राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी को मजबूत कर पाएंगे।
- दूर दराज तक पहुचने के लिए समावेशी शिक्षण का प्रसार।
- स्वदेशी एवं वैश्विक परिदृश्य का एक स्वस्थ सहजीवन का पक्ष समर्थक।
- उच्च शिक्षा की एक मजबूत आधारित संपूर्ण वैश्विक नजरिया बनाये रखना।
- स्वयं के लिए एक स्थान बनाना।

तदनुसार विश्वविद्यालय ने पहले से ही तैयारी कर ली है :

- विश्वविद्यालय-उद्योग संपर्क के लिए नीति की रूपरेखा।
- विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों के साथ antarrastriya अंतर्राष्ट्रीय संपर्क हेतु नीति की रूपरेखा।
- प्रशासन,शिक्षण एवं अध्ययन के सभी स्तरों पर 'गुणवत्ता की संस्कृति'की शिक्षा के लिए नीतिगत संरचना।

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का उद्देश्य

- अध्ययन की ऐसी शाखाओं मे यथोचित शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएं प्रदान कर आधुनिक ज्ञान का प्रसार करना।
- अपने शैक्षिक कार्यकर्मों मे मानविकी,समाजविज्ञान,एवं प्रोद्योगिकी मे संकलित पाठ्यकर्मों के लिए विशेष प्रावधान प्रस्तुत करना।
- शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया एवं अंततविषयक अध्ययन एवं अनुसंधान में नवोन्मेष को प्रोत्साहित करने के लिए उचित उपाय प्रस्तुत करना,
- देश के विकास के लिए मानव-शक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना,
- विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के हेतु उद्योगों के साथ संपर्क स्थापित करना,
- लोगों के आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति मे सुधार एवं कल्याण,उनके बौद्धिक,शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु विशेष ध्यान देना।

शैक्षणिक प्रोफाइल

वर्तमान समय में विश्वविद्यालय तीन वर्षीय और दो वर्षीय परास्नातक कार्यक्रम,पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर्स कार्यक्रम,दो वर्षीय मास्टर्स कार्यकर्म और अनुसंधान कार्यक्रम(एम.फिल और पी-एच.डी)प्रदान करता है। परास्नातक कार्यक्रम मे शामिल हैं कंप्युटर अनुप्रयोग मे स्नातक(तीन वर्षय)और दो वर्षीय परास्नातक प्रशिक्षण कार्यक्रम,शिक्षा में स्नातक,जबकि गणित विज्ञान मे पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर्स कार्यक्रम,नृविज्ञान, जैवविविधता एवं मास्टर्स कार्यक्रम । नृविज्ञान,जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण,जनसंचार एवं पत्राचार,ओड़िया,और समाज विज्ञान,अर्थशास्त्र,शिक्षा और सांख्यिकी में एम.फिल तथा पी-एच.डी.अनुसंधान कार्यक्रम चलता है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक तथा अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता किया है। सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।

शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए दस स्नातकोत्तर कार्यक्रम,एक पाँच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम(पाँच वर्षीय),एक स्नातक पाठ्यक्रम(तीन वर्षीय)एवं बी.एड.पाठ्यक्रम के लिए कक्षाएं चलाई जा रहीं हैं।इन विषयों में शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए 417 विद्यार्थी दाखिला लिया है।

विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रक्रिया चॉइच बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के साथ सिमेस्टर पैटर्न पर आधारित है।

शैक्षणिक कैलेण्डर का केंद्रों/विभागों एवं निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार संपादित सभी शिक्षण-अध्ययन गतिविधियों द्वारा सख्ती से अनुसरण किया जाता है।

इस वर्ष विश्वविद्यालय ने तीन वैधानिक अधिकारी जैसे उपकुलपति,वित्त अधिकारी और परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति की।

विश्वविद्यालय ने 07 नए कार्यक्रम जैसे :भौतिकी , रसायन विज्ञान ,वनस्पति विज्ञान , प्राणी विज्ञान ,राजनीति विज्ञान मनोविज्ञान और सार्वजनिक नीति केंद्र मे पी जी सुरू करने की योजना बनाई। कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र के दौरान शुरू हो गया है , जिसमे नए प्रवेशकों के लिय प्रथम श्रेणी शुरू हो गई है।

भरोसा: कोविड 19 महामारी के संकट के समय में संकट में फंसे छात्र समुदाय को राहत देने के ऐतिहासिक और पहले प्रयास में,ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने भरोसा और इसका हेल्पलाइन नंबर 08046801010 का सुभारंभ किया। केन्द्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने हेल्पलाइन शुरू की जिसका उद्देश्य ओड़िशा के सभी विश्वविद्यालय के छात्रों को संज्ञानात्मक भावनात्मक पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना है।

एमओयू: विश्वविद्यालय ने उद्योग –अकादमिय इंटेरफेस को बनाए रखने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) सुनबेडा के साथ समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया।

विश्वविद्यालय ने वर्ष 2020-21 के लिए एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की, जिसमें विश्वविद्यालय के साथ-साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय , यूजीसी भी शामिल है।

एचबीओबीई: कोविड 19 महामारी के दौरान ऑनलाइन पढ़ाए गए छात्रों के मूल्यांकन को आगे बढ़ाने के लिए ,सीयूओ यूजीसी के आदेश के अनुसार गृह आधारित ओपन बुक परीक्षा (एचबीओबीई) को सफलतापूर्वक लागू करने वाले देश के पहले विश्वविद्यालयों में से एक था। इस प्रक्रिया में 100% छात्र एचबीओबीई में उपस्थित हुए और सफलतापूर्वक सेमेस्टर को पास किया।

सीयूसेट : विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए 12 अन्य विश्वविद्यालयों (केन्द्रीय और राज्य) के साथ केन्द्रीय विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा में (सीयूसीईट) में भाग लिया। इस प्रक्रिया में विश्वविद्यालय को पूरे देश में आवेदकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और जहां तक प्रवेश का संबंध था, प्रवेश का अखिल भारतीय दृष्टिकोण था।

कोविड 19 प्रबंधन : वर्ष 2020के मध्य मार्च के दौरान कोविड 19 महामारी के फैलने के बाद, विश्वविद्यालय ने इस मुद्दे पर तुरंत कारवाई की। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने महामारी से लड़ने के लिय सभी आवश्यक कदम उठाए, जिसमें कक्षाओं को निलंबित करना, छात्रावास खाली करना विश्वविद्यालय के संचालन के लिए कार्यबल को काम करना/प्रबंधित करना और उसके लिय आवश्यक सभी एहतियाती उपाय करना शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने समय-समय पर जारी राज्य और केंद्र सरकार के सभी निर्णय लेने वाले अधिकारियों के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए ऐसा किया।

नया ईसी और पीसी : इस अवधि के दौरान कार्यकारी परिषद(ईईसी) और वित्त समिति(एफसी) के नए निकायों का गठन किया गया था क्योंकि मौजूद निकाय ने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया था।

एनआरआईएफ रैंकिंग : ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क(एनआरआईएफ) 2021 में भाग लिया।

संगरचनात्मक प्रगति : विश्वविद्यालय के मद्देनजर हमने सुनबेडा , कोरापुट स्थित हमारे मुख्य कैंपस के विकास में कई बाधाओ एवं चुनौतियों का सामना किया है। कैंपस मे संगरचनात्मक विकास की पूर्ति के लिए बुनियादी ढांचे एवं अन्य सुविधाओं में सुधार लाने के प्रयास के चलते विश्वविद्यालय ने कैमपस को कार्यक्रम करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को तैयार करने में सक्षम पाया। स्थाई शैक्षणिक भवन एवं कर्मचारी क्वार्टर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

मानव संसाधन : विश्वविद्यालय वर्तमान में अनुभवी संकाय सदस्य और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों से सुसज्जित हैं। विश्वविद्यालय में प्रमुख विषयों में अतिथि प्रवक्ता भी हैं और अपने छात्रों को अतिरिक्त अनुभव प्रदान करने के लिए प्राख्यात अतिथि प्राध्यापक भी हैं।

विश्वविद्यालय का केन्द्रीय पुस्तकालय : वर्तमान पुस्तकालय पिछले कई वर्षों में तेजी से प्रगति की है। हालांकि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय अपने शिक्षक एवं छात्र सामुड़े को कुछ विशेष मूल्यवर्धक सेवा प्रदान करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया है। अब तक केन्द्रीय पुस्तकालय में 39400 पुस्तकों का संग्रह हैं,9000 से अधिक ई-पत्रिकाएं,ई-शोध सिंधु(उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संसाधन)संदर्भ पुस्तकें,सेरियल्स,सोध ग्रंथ और डिसर्टैशन तथा पत्रिकाओं के पुराने संस्करण आदि खरीदी है।

वैधानिक समितियों की बैठकें

कार्यकारी परिषद :	कार्यकारी परिषद की 31वीं बैठक 11 अगस्त 2020 को आयोजित की गई।
	कार्यकारी परिषद की 32वीं बैठक 23 नवंबर 2020 को आयोजित की गई।
	कार्यकारी परिषद की 33वीं बैठक 27 फ़रवरी 2021 को आयोजित की गई।
शैक्षणिक परिषद:	शैक्षणिक परिषद की 18 वीं बैठक 27 मई 2020 को आयोजित की गई।
वित्त समिति :	वित्त समिति की 23 वीं बैठक 10 अगस्त 2020 को आयोजित की गई।
	वित्त समिति की 24 वीं बैठक 26 फ़रवरी 2021 को आयोजित की गई।
भवन निर्माण समिति :	भवन निर्माण समिति की 27वीं बैठक 29 जुलाई 2020 को आयोजित की गई।

विश्वविद्यालय का मानव संसाधन

विश्वविद्यालय का मानव संसाधन : वर्ष 2020-21 के दौरान विश्वविद्यालय की प्रगति एवं शैक्षिक विभागों में वृद्धि के साथ कई शिक्षण एवं गैर शिक्षण कर्मचारी गण ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ,कोरापुट की सेवा मे शामिल हुए हैं। विश्वविद्यालय के नियमित और प्रतिबंधित कर्मचारियों की अद्यतन सूची निम्नवत है;

विश्वविद्यालय के सांगठनिक पदों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	प्रो.आई रामब्रह्मम	कुलपति
2.	प्रो. क्षिति भूषण दास	उप कुलपति (relieved on 24.07.21)
3.	प्रो. असित कुमार दास	अधिष्ठाता
4.	श्री के कोसला राव	वित्त अधिकारी
5	डॉ. राम शंकर	परीक्षा नियंत्रक

नियमित शैक्षणिक कर्मचारी

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग	विद्यापीठ
1	प्रो शरत कुमार पलिता .	प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ
2	प्रो सरोज पाणिग्रही .	प्राध्यापक (कार्य मुक्त हुए 26.02.2021 को)	गणित	मौलिक विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ
3	डॉ जयंत कुमार नायक .	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी	मानव विज्ञान	समाज विज्ञान विद्यापीठ
4	डॉ कोटक .श्रीनिवास बी .	सहायक प्राध्यापक	मानव विज्ञान	वही
5	डॉ काकोली बनर्जी .	सहायक प्राध्यापक	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ
6	डॉ देवव्रत पांडा .	सहायक प्राध्यापक	वही	वही
7	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा	सहायक प्राध्यापक	अर्थशास्त्र	समाज विज्ञान विद्यापीठ
8	डॉ मिनती साहू .	सहायक प्राध्यापक	अर्थशास्त्र	वही
9	श्री विश्वजीत भोई .	सहायक प्राध्यापक	अर्थशास्त्र	वही
10	डॉ रमेन्द्र कुमार पढ़ी .	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी	शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
11	श्री संजीत कुमार दास	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य	भाषा विद्यापीठ
12	डॉ प्रदोष कुमार रथ .	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी	पत्रकारिता एवं जनसंचार	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
13	डॉ सौरव गुप्ता .	सहायक प्राध्यापक	वही	-वही
14	डॉ ज्योतिष्क दत्ता .	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी	गणित	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
15	डॉ आलोक बराल .	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी	ओडिआ भाषा तथा साहित्य	भाषा विद्यापीठ
16	डॉ प्रदोष कुमार स्वाइं .	सहायक प्राध्यापक	वही	वही

17	डॉ कपिल खेमेन्दु .	सहायक प्राध्यापक	समाजशास्त्र	समाज विज्ञान विद्यापीठ
18	डॉ महेश कुमार पांडा .	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष प्रभारी	सांख्यिकी	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

व्याख्याता (संविदा)

क्रमांक	नाम	विभाग	विद्यापीठ
1	डॉ. मीरा स्वांइ	मानव विज्ञान	समाज विज्ञान
2	डॉ. प्रितिश बेहेरा	वाणिज्य प्रबंधन	वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ
3	श्री. सुभाष चंद्र पट्टनायक	वाणिज्य प्रबंधन	वही
4	श्री. सुशांत कुमार	कंप्युटर विज्ञान	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
5	श्री. पतितपावन रथ	वही	वही
6	श्री. संदीप कुमार साहू	वही	वही
7	डॉ. सर्वेश्वर बारिक	वही	वही
8	श्री. के. वेंकट एन राव	**शिक्षा**	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
9	श्री. अक्षय कुमार भोई	**वही**	वही
10	श्री. पी डब्लू बनर्जी	**वही**	वही
11	डॉ. मयूरी मिश्रा	**हिन्दी**	भाषा
12	डॉ. शताब्दी बेहेरा	हिन्दी	भाषा (27.05.2020 को छोड़ दिया)
13	डॉ. सौम्य रंजन दाश	वही	भाषा
14	सुश्री. सोनी पाढ़ी	पत्रकारिता एवं जनसंचार	शिक्षा एवं शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
15	सुश्री तलत जे बेगम	वही	वही
16	श्री सुजीत कुमार मोहंती	वही	वही
17	श्री रमेश चंद्र मति	गणित	मौलिक तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
18	श्री दीपक राऊत	वही	वही
19	डॉ. आनंद विश्वास	वही	वही
20	डॉ. रुद्राणी मोहंती	ओडिआ भाषा तथा साहित्य	भाषा
21	डॉ. गणेश प्रसाद साहू	वही	वही
22	डॉ. बीरेंद्र कुमार साडंगी	संस्कृत	भाषा
23	डॉ. आदित्य कुमार केशरी	समाजशास्त्र	समाज विज्ञान
24	डॉ. नूपुर पटटनाइक	वही	वही
25	डॉ. बिजय चंद्र महाराणा	वही	वही
26	श्री सुमन दास	सांख्यिकी	अनुप्रयुक्त विज्ञान

अतिथि प्रवक्ता

क्रमांक	नाम	विभाग	क्रमांक	नाम	विभाग
1	डॉ उमा शंकर पाढ़ी .	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग	13	सुश्री पबीशा चट्टोपाध्याय	व्यवसाय प्रबंधन विभाग

2	डॉ रानी सिंह .	हिन्दी विभाग	14	श्री यादव देवी प्रसाद बेहेरा	व्यवसाय प्रबंधन विभाग
3	श्री पुरंदर विश्वाल	हिन्दी विभाग	15	श्री श्रीनिवास राव के	व्यवसाय प्रबंधन विभाग
4	श्री श्रीनिवास सवाई	संस्कृत विभाग t	16	सुश्री लोचन शर्मा	मानव विज्ञान विभाग
5	श्री पी राज कुमार .जी .	शिक्षा विभाग	17	डॉ अंजली दाश .	अर्थशास्त्र विभाग
6	डॉ शुभेन्दु मोहन श्रीचंदन मिश्र .	गणित विभाग	18	डॉ राम बाबू एम .	मानव विज्ञान विभाग
7	श्री सिद्धांत बेहेरा .	कंप्युटर विज्ञान विभाग	19	सुश्री रचना	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग)16.10.2020को छोड़ा)
8	सुश्री साथी लक्षी गोत्तपु	कंप्युटर विज्ञान विभाग	20	डॉ बांसहेलकीकर यशपाल .	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग
9	डॉ मानस कुमार मालिक .	समाजशास्त्र विभाग	21	सुश्री स्वागतिका भोई	शिक्षा विभाग
10	डॉ प्रदीप चंद्र आचार्य .	संस्कृत विभाग	22	डॉ अभिषेक भौमिक .	मानव विज्ञान विभाग
11	डॉ जयप्रकाश साहू .	संस्कृत विभाग	23	प्रो वीरेश रचप्पा बाडीगर .	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग
12	डॉ चक्रपाणि पोखरेल .	संस्कृत विभाग t			

अतिथि प्राध्यापक

क्रमांक	नाम	विभाग
1	प्रो. ई. राजा राव	अंग्रेजी विभाग
2	प्रो. कृष्ण चंद्र प्रधान	ओडिआ विभाग
3	प्रो. हेमराज मीणा	हिन्दी विभाग i (31.05.2020 को कार्य मुक्त हुए)
4	प्रो. आर. वी. के. शास्त्री	संस्कृत विभाग
5	प्रो. दुर्गा प्रसाद	समाजशास्त्र विभाग
6	प्रो. बी. सी. बारिक	समाजशास्त्र विभाग (31.05.2020 को कार्य मुक्त हुए)
7	प्रो. भागवत पात्र	अर्थशास्त्र विभाग
8	प्रो. प्रमोद कुमार जेना	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
9	प्रो. अक्षय राऊत	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
10	प्रो. पी.एस अवधानी	कंप्युटर विज्ञान विभाग
11	प्रो. कामेश्वर राव	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग
12	प्रो. सबीता पी पटनैक	शिक्षा विभाग (31.05.2020 को कार्य मुक्त हुए)

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	श्री के. वी. उमा महेश्वर राव	सयुक्त अधिष्ठाता (कार्य मुक्त हुए 26.10.2021)	प्रशासन
2.	श्री के. कोसला राव	सयुक्त अधिष्ठाता (मुक्त हुए 18.01.2021)	अकादमिक एवं वित्त

3.	श्री सुधाकर पट्टनाईक	ओआईसी	अनुरक्षण
4.	श्री मदन मोहन पात्र	ओएसडी	प्रशासन
5.	श्री बिजय नंदन प्रधान	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	केन्द्रीय पुस्तकालय
6.	डॉ. फगुनाथ भोई	जनसंपर्क अधिकारी	जनसंपर्क
7.	श्री मानस के दास	सहायक अधिष्ठाता	वित्त
8.	श्री पदमलोचन सवाई	सहायक अभियंता	अभियांत्रिकी
9.	श्री बरदा प्रसाद राऊतराय	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन
10.	श्री संजीव पपनेजा	तकनीकी सहायक	कंप्युटर प्रयोगशाला
11.	श्री रुद्र नारायण	पेशेवर सहायक	पुस्तकालय
12.	श्री शिवराम पात्र	सहायक	अकादमिक
13.	श्री मानस सी पांडा	सहायक	अकादमिक
14.	श्री जितेंद्र कुमार पांडा	यू. डी. सी.	प्रशासनिक
15.	श्री अजित प्रसाद पात्र	यू. डी. सी.	वित्त
16.	श्री अजय कुमार महापात्र	प्रयोगशाला सहायक	मानव विज्ञान विभाग
17.	श्री मुकुंद खिल्ला	पुस्तकालय सहायक	पुस्तकालय
18.	श्री प्रमोद के पांडा	एल. डी. सी.	वित्त
19.	श्री तुषार कान्त दास	एल . डी. सी	अस्थाई कार्यालय भूबनेश्वर
20.	श्री मिलन राउल	कार्यालय सहायक	अकादमिक
21.	सुश्री प्रीति के रथ	एल. डी. सी.	प्रशासनिक
22.	श्री पी. पी. क्षेत्रीय	जेपीए	अनुरक्षण
23.	श्री भगवान नाहक	परामर्शदाता (01.06.2020को छोड़ा)	प्रशासनिक
24.	श्री अनुज कुमार सिंह	परामर्शदाता (IT)	पुस्तकालय
25.	प्रो. बी. बी. मिश्र	अकादमिक परामर्शदाता	भर्ती
26.	श्री आशीष कुमार रॉय	अकादमिक परामर्शदाता	अकादमिक
27.	डॉ. सौमेन्द्र कुमार मोहंती	अकादमिक परामर्शदाता	अकादमिक
28.	डॉ. गुजजु उमामहेश्वरराव	अकादमिक परामर्शदाता	अकादमिक
29.	श्री अरुण कुमार त्रिपाठी	अकादमिक परामर्शदाता	अकादमिक
30.	सुश्री मधूस्मिता दास	अकादमिक परामर्शदाता	वित्त
31.	श्री सिताप्रज्ञान पाणिग्रही	संपदा अधिकारी	प्रशासन

भरोसा : सीयूओ हेल्पलाइन - 08046801010

कोविड-19 महामारी एक अभूतपूर्व वैश्विक संकट है। इसके परिणामस्वरूप एक असामान्य संकट पैदा हो गया है जो न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ और दैनिक जीवन को प्रभावित करता है बल्कि हमारे मानसिक स्वास्थ को भी प्रभावित करता है। संक्रमण की शृंखला को तोड़ने और वायरस के प्रसार को धीमा करने के लिए ,देश में लोकडाउन करने का निर्णय वैज्ञानिक और संचरण को कम करने का सबसे अच्छा उपाय था। महामारी ने लोगों के जीवन के मनोसामाजिक कारकों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। यह प्रभाव चिंता, आशंका, घबराहट,असहायता की भावना, अज्ञात के डर के कारण निराशा और अनिश्चितता के रूप में प्रकट होता है। यह अवसाद, तर्कहीन सोच, विचलित व्यवहार, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, पारस्परिक संघर्ष और कई मनोसामाजिक परिणामों को जन्म देता है, और छात्र समुदाय तथा घर से दूर प्रवासी मजदूरों के कई नकारात्मक मनोसामाजिक परिणामों को जन्म देता है,संभावित नौकरी छूटना, पुरानी बीमारियों से पीड़ित रोगियों को अस्पतालों आदि तक पहुचने के लिए अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता होती है।

जहां सरकार लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सुनीश्चित करने के लिए सर्वोत्तम संभव तरीके से पहुंची, वहीं छात्रों और अन्य जरूरतमंदों की मनोसामाजिक स्थिति को वैज्ञानिक तरीके से संबोधित करने की आवश्यकता थी। इस संबंध में, इस तरह के पहले कदम में , ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने छात्रों और अन्य जरूरतमंदों के लिए विशेषज्ञों द्वारा मुफ़्त मनोवैज्ञानिक परामर्श के लिए **'भरोसा'** नामक एक हेल्पलाइन की स्थापना की। यह पहल सीयूओ द्वारा दो फ्रंटलाइन संगठनों असोसिएशन ऑफ हेल्थ साइकोलॉजिस्ट (एएचपी)और सपोर्ट फॉर द इमोशनल रिहैबिलिटेशन ऑफ वायरस विकिटम्स (एसईआरवी) के सहयोग से की गई है। सहयोगी 'भरोसा' पहल के हिस्से के रूप में, पहचाने गए संकाय सदस्यों और पीएच.डी. ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के विद्वानों को परामर्श के छह बुनियादी मॉड्यूल में एएचपी के सदस्यों की एक टीम द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। स्वयंसेवकों की टीम (15 संख्या) में विश्वविद्यालय की कोर टीम और एएचपी के सात पेशेवर शामिल हैं जो ओड़िआ भाषा से परिचित हैं। सीयूओ हेल्पलाइन 'भरोसा' के पायलट को श्री मधुसुदन मिश्रा, जिला कलेक्टर और मेजिस्ट्रेट, कोरापुट द्वारा 5 मई ,2020 को प्रो. आई. रामाब्रह्मम कुलपति की उपस्थिति में लॉन्च किया गया था।

विश्वविद्यालय ने 11 मई 2020 को अपनी हेल्पलाइन के औपचारिक दोपहर के भोजन के लिए 'भरोसा' के आभासी उद्घाटन समारोह का आयोजन किया। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने हेल्पलाइन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ. अरुण कुमार साहू, माननीय मंत्री,उच्च शिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार, श्री अमित खरे, आईएएस, सचिव, उच्च शिक्षा, एमएचआरडी प्रो. डीपी सिंह,अध्यक्ष यूजीसी, श्री सास्वात भी उपस्थित थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई रामब्रह्मम ने की।

मिशन 'भरोसा' की खोज मे टीम ने अपनी हेल्प लाइन के माध्यम से छात्रों और अन्य लोगों को इस संकट के अवधि के दौरान मानसिक स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना जारी रखा। परामर्श सेवाएं ओडिआ,हिन्दी,अंग्रेजी,तेलुगु भाषाओं में प्रदान की जा रही हैं। यह सेवा पूरे ओड़िशा के लोगों के लिए समर्पित थी और भारत के किसी भी हिस्से से कोई भी जरूरतमंद इस सेवा का उपयोग कर सकते हैं। लॉकडाउन के कार छात्र अपने शिक्षकों और सहपाठियों से मिल नहीं सकें,जिनके साथ वे भावात्मक लगाव साझा करते। हेल्पलाइन को ओड़िशा भर के छात्रों और देश के विभिन्न हिस्सों से भी कॉल आए,जो परीक्षाओं से चिंतित हैं,परीक्षा की तारीखों के बारे में अनिश्चितता के साथ साथ यात्रा के मामले में लॉकडाउन में आसानी होती है,और परीक्षा तुरंत शुरू होती है,परीक्षा की घोषणा,भविष्य के करियर,प्लेसमेन्ट के बारे में आदि। साथ ही हेल्पलाइन पर देश भर में तनाव मे फसे कामगारों,मजदूरों और अन्य व्यक्तियों की अच्छी संख्या में फोन आए और जो परिवार के साथ अलग अलग जगहों पर फंसे हुए थे और काम के लिए वहाँ गए थे तथा अपनी कंपनी से वापस आना चाहते थे।संगठन बंद हो रहा था और रुक रुक कर खुल रहा था वे अपने काम के बारे में अनिश्चित थे। उनमें से कुछ ने यह भी उल्लेख किया कि वे पहले से ही सरकार द्वारा संचालित एक आश्रय मे थे और वे वाहनों की प्रतीक्षा कर रहे थे।'भरोसा' के सलाहकार सक्रिय रूप से सुनने और बुनियादी सहानुभूति का प्रदर्शन करते थे। क्लाइंट के प्रश्नों को काउंसिलर द्वारा संबोधित किया जाता है जो विभिन्न परामर्श कौशल,दृष्टिकोण और स्थिति के बारे में ज्ञान प्रदान करता है। कोविड 19 अवधि के दौरान और बाद में 'भरोसा' अपनी सेवाएं जारी रखेगा ताकि छात्र और अन्य जरूरतमंद खुश रहें और अपनी चिंताओं को साझा कर सकें।

'भरोसा' टीम जिसने महामारी के दौरान छात्रों को दूर-परामर्श सुविधा प्रदान की

क्रमांक	ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय,कोरापुट से संपर्क व्यक्ति	क्रमांक	एएचपी,हैदराबाद से संपर्क व्यक्ति
01	डॉ. रमेंद्र पाढ़ी	01	डॉ. मीरा पाढ़ी
02	डॉ. सौरव गुप्ता	02	डॉ. दुर्गेश नंदिनी
03	डॉ. मिनती साहू	03	श्री संपीत मोहंती
04	डॉ. बी. के. श्रीनिवास	04	डॉ. प्रभाकर दुआरी
05	श्री विश्वजीत भोई	05	सुश्री मनीष मिश्रा
06	सुश्री करिश्मा राणा	06	श्री अभिक नायक
07	श्री संतोष जेना	07	सुश्री अनन्या मोहंती
08	श्री ऋषि पंडित साहू		

सीयूओ में मूक्स कार्यक्रम

मूक्स बड़े पैमाने पर मुक्त ऑन लाइन पाठ्यक्रमों के लिए कतिबद्ध:

- **बड़े पैमाने पर क्योंकि नामांकन असीमित है और सैकड़ों हजारों मे चल सकते हैं।**
- **मुक्त है क्योंकि कोई भी नामांकन कर सकता है-यानि कोई प्रवेश प्रक्रिया नहीं है।**
- **ऑनलाइन है क्योंकि वे इंटरनेट के माध्यम से वितरित किए जाते हैं।**
- **पाठ्यक्रम क्योंकि इनका लक्ष्य किसी विशिष्ठ विषय को पढ़ना है।**

स्वयं आधारित ऑनलाइन क्रेडिट कोर्स की अनुसूची को हर साल जनवरी और जुलाई के महीने में शुरू होने वाली पारंपरिक शिक्षा सत्र के साथ संरेखित किया गया था।आगामी सत्र के लिए स्वयं आधारित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की सूची जनवरी सत्र के लिए एक नवंबर से पहले और जुलाई सत्र के लिए एक जून से पहले विश्वविद्यालय के वेबसाईट पर अधिसूचित की गई थी।सीयूओ ने छात्रों को पंजीकरण से लेकर ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा करने तक मार्गदर्शन करने के लिए एक संकाय सदस्य को एक फेसिलिटेटर के रूप में नामित किया है।

वर्ष 2020-21 की महामारी के स्थिति के दौरान,स्वयं प्लेटफॉर्म के तहत मूक्स पाठ्यक्रमों की शुरुआत विश्वविद्यालय के सभी चौदह विभागों में अध्ययन बोर्ड के परामर्श से की गई थी। एजेंडा मद संख्या 18/02/12 के अनुसार 27 मई 2020 को आयोजित अपनी 18वीं बैठक मे इसे अकडमिल परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया था। सभी विभागाध्यक्षों ,श्री एन गोपा कुमार(संयुक्त सचिव),श्री एन प्रमेश्वरम (सलाहकार एमएचआरडी)और श्री के अभिषेक (वैज्ञानिक सी,इंफ्लिबनेट,यूजीसी)के साथ एक आभासी बैठक आयोजित की गई।विश्वविद्यालय मे पाठ्यक्रमों को अंतिम रूप देने के लिए,सभी विभागों के लिए स्वयं प्लेटफॉर्म में कम से कम डॉ पाठ्यक्रमों को चुना गया था। स्वयं मे पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में से केवल अध्ययन सामग्री को चुना गया था। सभी विभागों के लिए पाठ्यक्रम को उनके संबंधित पाठ्यक्रम में वैकल्पित पाठ्यक्रम के रूप में चुना गया था। शीतकालीन सत्र (जुलाई-दिसम्बर 2020) के लिए परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आयोजित की गई थी,और छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया,और वे अंतिम अंक पत्र में परिलक्षित हुआ। शीतकालीन सत्र में (जुलाई-दिसम्बर 2020) लगभग पचास पाठ्यक्रमों को चुना गया था। मानसून सत्र की परीक्षाएं एन टी ए प्लेटफॉर्म पर ही आयोजित की गई थी। डॉ. काकोली बनर्जी सहायक प्राध्यापक,जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग,वर्तमान में मूक्स कार्यक्रम के लिए सीयूओ के समन्वयक हैं।

कार्यकारी एमबीए का सुभारंभ

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय,कोरापुट नें व्यवसाय प्रबंधन विभाग के तत्वावधान में 21 जनवरी 2021 को बहुप्रतीक्षित एमबीए (कार्यकारी)कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए अकादमिक गौरव की अपनी टोपी में एक और पंख जोड़ा। माननीय पूर्व कुलपति स्वर्गीय आई रामाब्रहम्म द्वारा परिकल्पित और प्रबुद्ध प्रमुख सदस्यों की एक संचालन समिति द्वारा निर्देशित श्री आशीष कुमार रॉय,हिंदुस्तान ऐरोनोटिक्स लिमिटेड के एक पूर्व महाप्रबंधक ने एक अकादमिक सलाहकार के रूप में एकीकृत प्रभाव का नेतृत्व किया।

इस कार्यक्रम से भविष्य में प्रबंधकीय पदों पर कार्य करने के इच्छुक कार्यकारी अधिकारियों/पेशेवरों के लिए एक अच्छा मंच प्रदान करने की उम्मीद है। यह 2 साल का कार्यक्रम विशेष रूप से काम करने वाले अधिकारियों / पेशेवरों की जरूरतों को सहीं मात्रा में पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। उपलब्ध सीटों की संख्या 40 है एवं शुल्क सहज वहनीय है।पाठ्यक्रम को उद्धोग और अकादमिक दोनों के विशेषज्ञों से इनपुट लेकर तैयार किया गया है ताकि मानव संसाधन प्रबंधन, विपणन प्रबंधन आदि जैसे कार्यात्मक विशेषज्ञता के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सिद्धांत और व्यवहार का अच्छा मिश्रण हो। कार्यक्रम में छात्रों को प्रबंधन सिध्दांतों की बारिक-बारिक मूल सिद्धांतों में एक अच्छी अंतर्दृष्टि विकसित करने की संभावना है जो उन्हें भविष्य की प्रबंधकीय चुनौतियों को सफलतापूर्वक लेने के लिए एक अच्छी स्थिति में खाद्य करेंगी। अनुभवी शिक्षाविद और उधोग विशेषज्ञ, अपने जीवन के अनुभवों के माध्यम से इन अधिकारियों/ पेशेवरों को सलाह देते हैं कि वे उनमें बहुत जरूरी कायापलट लाकर उन्हें सफल प्रबंधकों के रूप में ढालें।

कोविड -19 के रोकथाम के उपाय

वर्ष 2020 की शुरुआत के दौरान दुनिया ने एक विनाशकारी महामारी कोविड 19 देखी। यूजीसी, केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा जारी सलाहकार निर्देशों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने नोवेल कोरोना वायरस (कोविड 19) के प्रसार को रोकने के लिए एहतियाती उपाय किए हैं। .

'क्या करें और क्या न करें' के दिशा-निर्देशों के साथ कोविड 19 के लक्षणों के बारे में जागरूक करने के लिए 29 जनवरी 2020 को पहली स्वास्थ्य सलाह जारी की गई। स्थिति की निगरानी और एहतियाती उपाय करने के लिए एक समिति का गठन किया गया और विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. फगुनाथ भोई को कोविड-19 के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

कोविड -19 प्रोटोकॉल प्रबंधन और सतर्कता टीम समिति:

1. प्रो. असित कुमार दास, कुलसचिव
2. श्री. के. कोसल राव, वित्त अधिकारी, सदस्य
3. डॉ. कपिला खेमुंडू, विभागाध्यक्ष प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग, सदस्
4. श्री. संजीत कुमार दास, विभागाध्यक्ष प्रभारी, अंग्रेजी विभाग, सदस्य
5. डॉ. सौरभ गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, विभाग, सदस्य
6. डॉ, मिनाती साहू, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, सदस्य
7. डॉ. फगुनाथ भोई, पीआरओ, सदस्य
8. श्री. मानस दास, उप. रजिस्ट्रार प्रभारी, सदस्य
9. सुरक्षा पर्यवेक्षक, सदस्य

16 मार्च, 2020 तक कक्षाओं को निलंबित कर दिया गया और छात्रों एवं शोधार्थियों ने छात्रावास खाली कर दिया। प्रशासन ने समय-समय पर लॉकडाउन अवधि की गतिविधियों की नियमित रूप से समीक्षा की। 30 मार्च 2020 को सभी टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को घर से काम करने की सलाह दी गई। हालांकि, वे हर समय टेलीफोन और संचार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर उपलब्ध होने चाहिए। काम की किसी भी अत्यावश्यकता के मामले में, यदि उन्हें बुलाया जाता है, तो उन्हें कार्यालय में उपस्थित होना चाहिए। ऑनलाइन कक्षाएं जारी रखी गई हैं।

विश्वविद्यालय ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर आवश्यक एहतियाती उपाय अधिसूचित किए हैं। स्वास्थ्य और विषय विशेषज्ञों को बुलाकर विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के लिए कोविड 19 पर कई वेबिनार आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय परिसर में पोस्टर व बैनर प्रदर्शित किए गए। मई 2020 को विश्वविद्यालय न्यूनतम कर्मचारियों के साथ इसे नियमित रूप से शुरू करता है। थर्मल स्कैनर, हैंड सैनिटाइजर डिस्पेंसर और हैंड वॉश मशीन जैसे आपातकालीन उपकरण खरीदे गए और विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थानों पर रखे गए।

गृह –आधारित खुली किताब परीक्षा (एचबीओबीई)

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने टर्मिनल सेमेस्टर के छात्रों के लिए होम-आधारित ओपन बुक फाइनल परीक्षा (एचबीओबीई) सफलतापूर्वक आयोजित की, जो कोविड-19 के कारण अपने-अपने घरों में बंद थे। एचबीओबीई का पहला चरण 6 से 11 जुलाई 2020 तक टर्मिनल सेमेस्टर के छात्रों के लिए ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था और इसे 100% उपस्थिति के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया गया था। पहले चरण में मानव विज्ञान, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पत्रकारिता और जनसंचार, उड़िया भाषा और साहित्य, हिंदी और संस्कृत नामक छह विभागों ने थ्योरी, प्रैक्टिकल परीक्षा, निबंध प्रस्तुति और मौखिक परीक्षा सहित परीक्षाएं आयोजित कीं, छात्रों ने भी इस अंतिम परीक्षा को लेने में गहरी रुचि दिखाई। दिशा-निर्देशों के अनुसार छात्रों को परीक्षा से एक घंटे पहले गूगल फॉर्म, ई-मेल और व्हाट्सएप के माध्यम से प्रश्न भेजे गए थे। छात्रों ने अपने-अपने घरों में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक पेन और पेपर मोड में परीक्षा दी और तीन घंटे पूरे होने के बाद, उत्तर पुस्तिकाओं को उसी विधि, यानी गूगल फॉर्म और ई-मेल और व्हाट्सएप के माध्यम से अपलोड किया। कार्यक्रम के अनुसार, एमबीए, शिक्षा, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभागों के लिए दूसरे चरण का एचबीओबीई 14 से 22 जुलाई 2020 तक आयोजित किया गया था। एचबीओबीई का तीसरा चरण 23-27 जुलाई 2020 के दौरान कंप्यूटर विज्ञान, गणित, समाजशास्त्र और अंग्रेजी विभागों के लिए आयोजित किया गया था।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार 2020-2021 के मानसून सत्र और शीतकालीन सत्र में भी एचबीओबीई की प्रथा का पालन किया जाता है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

01	भाषा विद्यापीठ	ओड़िआ भाषा तथा साहित्य	ओड़िया में एम.ए. (दो वर्ष) ओड़िया में एम.फिल. (एक वर्ष) ओड़िया में पी-एच.डी.
		अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग	अंग्रेजी में एम.ए. (दो वर्ष)
		हिंदी विभाग	हिंदी में एम.ए. (दो वर्ष)
		संस्कृत विभाग	संस्कृत में एम.ए. (दो वर्ष)
02	समाज विज्ञान विद्यापीठ	मानवविज्ञान विभाग	मानवविज्ञान में एम.एससी (दो वर्ष) मानवविज्ञान में एम.फिल (एक वर्ष) मानवविज्ञान में पी-एच.डी
		समाजशास्त्र विभाग	समाजशास्त्र में एम.ए (दो वर्ष) समाजशास्त्र में एम.फिल समाजशास्त्र में पी-एच.डी
		अर्थशास्त्र विभाग	अर्थशास्त्र में एम.एससी (दो वर्ष) अर्थशास्त्र में एम.फिल (एक वर्ष) अर्थशास्त्र में पी-एच.डी (दो वर्ष)
03	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ	जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग	जनसंचार एवं पत्रकारिता में एम.ए (दो वर्ष) जनसंचार एवं पत्रकारिता में एम. फिल (एक वर्ष) जनसंचार एवं पत्रकारिता में पी-एच.डी
		शिक्षक शिक्षा विभाग	शिक्षक शिक्षा में स्नातक (दो वर्ष) शिक्षक शिक्षा में एम.फिल (एक वर्ष) शिक्षक शिक्षा में पी-एच.डी (दो वर्ष)
04	मौलिक विज्ञान और सूचना विज्ञान विद्यापीठ	गणित विज्ञान विभाग	पाँच एकीकृत वर्षीय गणित विज्ञान में एम.एससी (पाँच वर्ष)
		कंप्यूटर विज्ञान विभाग	कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक (तीन वर्ष)
05	जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ	जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन विभाग	जैव विविधतामें एम.एससी (दो वर्ष) जैव विविधतामें एम.फिल. (एक वर्ष) जैव विविधतामें पी-एच.डी
06	वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन	व्यापार प्रबंधन विभाग	व्यापार प्रबंधन में मास्टर (दो वर्ष) कार्यकारी एमबीए (दो वर्ष)
07	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ	सांख्यिकी विभाग	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में एम.एससी (दो वर्ष) अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में एम.फिल (एक वर्ष) अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में पी-एच.डी (दो वर्ष)

बीसीएनआर – जैवविविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण

शैक्षणिक कलेंडर (2020-21)

मानसून सत्र		
कार्यक्रम	**प्रथम सत्र (6 दिनों की साप्ताहिक पद्धति)**	**3th, 5th, 7th और 9th सत्र (पाँच दिनों की साप्ताहिक पद्धति)**
पंजीकरण (प्रथम किस्त)	दाखिला की तारीख	सितंबर 04 - 10, 2020 (शुक्र – वृहस्पति)
पंजीकरण (द्वितीय किस्त)		नवंबर 02 - 10, 2020 (सोम – मंगल)
कक्षा प्रारंभ	नवंबर 16, 2020 (सोम)	सितंबर 04, 2020 (शुक्र)
पाठ्यक्रम संशोधन की अंतिम तिथि	-	सितंबर 15, 2020 (मंगल)
मध्य सत्र अवकाश	-	अक्टूबर 19 -30, 2020 (सोम शुक्र)
पूरक/सुधार/विशेष पूरक परीक्षा के लिए आवेदन सहित निर्धारित शुल्क चलाने की अंतिम तिथि	-	नवंबर 10, 2020 (मंगल) (2nd/4th /6th /8th सत्र के लिए)
पूरक/सुधार/विशेष पूरक परीक्षा	-	नवंबर - 20, 2020 (मंगल – शुक्र) (2nd /4th /6th /8th सत्र के लिए)
पुनः परीक्षा देने के लिए निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन की अंतिम तिथि a	-	नवंबर 10, 2020 (मंगल)
पूरक परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन के बाद योग्य छात्रों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि	-	नवंबर 30, 2020 (सोम)
पूरक परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन के बाद योग्य छात्रों के लिए	-	दिसंबर 04, 2020 (शुक्र)
प्रथम मध्य सत्रीय परीक्षा .*	जनवरी 11 - 18, 2021 (सोम – सोम)	नवंबर 23 - 30, 2020(सोम – सोम)
द्वितीय मध्य सत्रीय परीक्षा *	फरवरी 05- 11, 2021 (शुक्र – वृहस्पति)	दिसंबर 24 - 31, 2021 (वृहस्पति – वृहस्पति)
तृतीय मध्य सत्रीय परीक्षा	फरवरी 26- मार्च 03, 2021 (शुक्र – बुध)	जनवरी 19- 25, 2021 (मंगल – सोम)
पाठ्यक्रम समाप्त करने की अंतिम तिथि	मार्च 03, 2021 (बुध)	जनवरी 25, 2021 (सोम)
कक्षाओं की अंतिम तिथि	मार्च 06, 2021 (शनि)	जनवरी 29, 2021 (शुक्र)
उपस्थिति पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	मार्च 06, 2021 (शनि)	जनवरी 29, 2021 (शुक्र)
अंतिम सत्र की परीक्षा .	मार्च 08 - 17, 2021 (सोम – बुध)	फरवरी 01–08, 2021 (सोम – बुध)
परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय को अंक तथा ग्रेड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	शुक्र 15, 2021 (सोम): **3rd, 5th, 7th & 9th सत्र के लिए** मार्च 23, 2021 (मंगल): **1st सत्र के लिए**	
परिणाम घोषणा	फरवरी 19, 2021 (शुक्र): **3rd, 5th, 7th & 9th सत्र के लिए** मार्च 26, 2021 (शुक्र): **1st सत्र के लिए**	
सत्रीय अवकाश	**मार्च 24-अप्रैल 2, 2021 (बुध – शुक्र)**	

* परीक्षा के बाद कक्षाएं जारी रहेंगी और मध्य सत्र की परीक्षा बीच पड़ने वाले शनिवार को सामान्य शिक्षण दिवस होगा।

नोट:बी. एड छात्रों के लिए,शनिवार को शिक्षण दिवस मन जाएगा क्योंकि विद्यापीठ आधारित इंटर्नशिप की गतिविधियों के दौरान सामान्य शिक्षण दिवस होना है।

शीतकालीन सत्र	
कार्यक्रम	प्रत्येक सत्र (6 दिन की साप्ताहिक पद्धति)
पंजीकरण	अप्रैल 05-12, 2021(सोम –सोम)
कक्षाओं का प्रारंभ	अप्रैल 05, 2021(सोम)
पाठ्यक्रम में सुधार की अंतिम तिथि	अप्रैल 12, 2021(सोम)
पूरक/सुधार/विशेष पूरक परीक्षा के लिए आवेदन सहित निर्धारित शुल्क चालान के लिए अंतिम तिथि	अप्रैल 07, 2021(बुध)
पूरक/सुधार/विशेष पूरक परीक्षा	अप्रैल 08-13, 2021(वृहस्पति –वृहस्पति)
फिर से परीक्षा के निर्धारित शुल्क चालान सहित आवेदन की तिथि	अप्रैल 17, 2021(शनि)
पूरक परीक्षा के परिणाम प्रकाशन के बाद योग्य छात्रों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि	अप्रैल 16, 2021(शुक्र)
पूरक परीक्षा के परिणाम प्रकाशन के बाद योग्य छात्रों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि	अप्रैल 19, 2021(सोम)
प्रथम मध्य सत्रीय परीक्षा .*	अप्रैल 29-मई 06, 2021 (वृहस्पति –वृहस्पति)
द्वितीय मध्य सत्रीय परीक्षा . *	जनवरी 01-08, 2021 (मंगल –मंगल)
तृतीय मध्य सत्रीय परीक्षा *	जुलाई 01-08, 2021 (वृहस्पति –वृहस्पति)
पाठ्यक्रम समाप्त करने की अंतिम तिथि	जुलाई 20, 2021 (मंगल)
कक्षाऑं की अंतिम तिथि	जुलाई 23, 2021 (शुक्र)
उपस्थिति पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	जुलाई 24, 2021 (शनि)
अंतिम सत्र की परीक्षा	जुलाई 26-अगस्त 4, 2021 (-बुध)
परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय को अंक तथा ग्रेड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	अगस्त 09, 2021 (सोम)
परिणाम घोषणा	अगस्त 13, 2021 (शुक्र)
अवकाश	**छात्रों के लिए :** अगस्त 05-अगस्त 21, 2021 (वृहस्पति –शनि) **छात्रों के लिए :** अगस्त 10-अगस्त 21, 2021 (मंगल –शनि)

*परीक्षा के बाद कक्षाएं जारी रहेंगी और मध्य सत्र परीक्षा के बीच शनिवार को सामान्य शिक्षक दिवस होगा।

नोट: बी. एड छात्रों के लिए, शनिवार को शिक्षण दिवस माना जाएगा क्यूंकि विद्यापीठ आधारित इंटर्नशिप की गतिविधियों के दौरान शिक्षण दिवस होगा।

विश्वविद्यालय के विद्यापीठों एवं विभागों की गतिविधियाँ

भाषा विद्यापीठ

वर्तमान चार भाषाओं में अंग्रेजी, ओड़िया, हिंदी और संस्कृत में शिक्षा प्रधान की जाती है। इन भाषाओं में से प्रत्येक साहित्य के एक महत्वपूर्ण अंग है, जो महान लेखकों, उप्यासकार, कवि, कहानी लेखों, नाटक लेखकों आदि का एक समेकित समूह है। ये भाषाएँ महान संस्कृति एवं महान दर्शन के धरोहर हैं। विद्यार्थी जो इस विद्यापीठ में भाषा का अध्ययन करने के इच्छुक हैं वास्तव में उनको भाषा से कहीं अधिक अध्ययन करने का अवसर मिलता है। वह (पु/स्त्री) उस संस्कृति की साहित्य, कला एवं दर्शन का भी अध्ययन करेंगे।

उपरोक्त चार भाषाओं में प्रशिक्षण विद्यार्थी को अंत में एक अनुवादक, टीकाकार, शिक्षक, विशेषज्ञ अथवा मल्टी-मीडिया परियोजनाओं में एक सलाहकार बनने में सक्षम बनाता है।

अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (डीईएलएल)

भाषा विद्यापीठ के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (डीईएलएल) ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में क्षिक वर्ष 2009-10 से स्नातकोत्तर (दो वर्षीय) कार्यक्रम की शुरूआत की है। यह केन्द्र अंग्रेजी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है एवं अफ्रीका, अमेरिका, अस्ट्रेलिन, कानेडीयन, अंग्रेजी, भारतीय, आयरिश आदि में गैर-ब्रिटिश साहित्य पर जोर देता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत में साहित्य सिद्धान्तों पर उनके संदर्भ से जुड़े साहित्य से संबंधित अपनी क्षमता को विकास करने, सिद्धान्तों और ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन करने और इतिहास, सिद्धान्त, सामग्री प्रेरित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सिद्धान्त, तुलनात्मक साहित्य एवं अंग्रेजी भाषा की स्थिति का पता लगाने में मदद करता है।

उद्देश्य

इस विभाग के निम्नलिखित लक्ष्य और उद्देश्य हैं

- पूरे शैक्षणिक सत्रों में भारत तथा बाहर से अंग्रेजी में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित किया जाता है।
- स्वनविज्ञान प्रयोगशाला, संचार प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- अंग्रेजी साहित्य/अंग्रेजी भाषा शिक्षण/भाषा शास्त्र में एम.फिल/पी-एच.डी आदि नये कार्यक्रमों का शुभारंभ।
- वार्षिक संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलन आदि आयोजन करना।
- विभागीय अनुसंधान पत्रिका का प्रकाशन किया जाना।
- तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन पर अधिक महत्व दिया जाना है।
- अन्य विभागों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग करना।

विभाग

1	**विभागाध्यक्ष का नाम:**	श्री संजीत कुमार दास, सहायक प्राध्यापक एवं विभागमुख्य प्रभारी
2	संपर्क विवरण:	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा, ई-मेल:hod.english@cuo.ac.in
3	शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षिक योग्यताएँ:	1. श्री संजीत कुमार दास, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर, अंग्रेजी में एम.फिल., सहायक प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष प्रभारी। 2. प्रो. ई.राजा राव, बरहमपुर विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त, अंग्रेजी में पी-एच.डी, अतिथि प्राध्यापक (16.01.2020 को शामिल)-अतिथि प्राध्यापक 3. प्रो. वी. आर. बाडीगर, कर्नाटक, गुलबर्ग विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, एम.फिल. और पी-एच.डी., अतिथि प्रवक्ता (13.02.2020 को शामिल) 4. डॉ. बी. यशपाल मुरारी, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, एम.फिल. और पी-एच.डी., यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता (21.01.2020 को शामिल) 5. डॉ. उमाशंकर पाढ़ी, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, एम.फिल. और पी-एच.डी., अतिथि प्रवक्ता, (14.01.2020 को शामिल) 6. सुश्रीरचना, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता (05.02.2020 को शामिल)
4	संचालित पाठ्यक्रम	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर (2 वर्ष)

विभाग की अकादमिक गतिविधियां (2020-2021)

- इस अवधि के दौरान विभाग के सात छात्रों ने यूजीसी नेट/जेआरएफ की परीक्षा पास की। सुश्री मौसमी विश्वास(जेआरएफ),श्री वेंकतेश प्रधान(जेआरएफ),श्री ज्योतिर्मय प्रधान,सुश्री सीमा दास,सुश्री मोहंती स्वर्णप्रभा,सुश्री भारती दिगल और सुश्री अंतरा अधिकारी ने दिसंबर 2020 यूजीसी नेट परीक्षा पास की।

ओड़िया भाषा तथा साहित्य विभाग

ओड़िआ भाषा एवं साहित्य विभाग सन् 2009 में अपनी स्थापना काल से ही कला में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता आ रहा है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को नियमित संशोधन एवं अद्यतन किया जाता है। विभाग तुलनात्मक साहित्य, लोक हित्य एवं जनजातीय अध्ययन में विशेष शिक्षण प्रदान करता है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्र सम्पादन एवं अनुवाद में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। केन्द्र शुरू से ही अपने अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। केन्द्र के शिक्षक परास्नातक कार्यक्रम के लिए शोध-प्रबंध की निगरानी करते हैं जहाँ छात्र चौथी छमाही में नृविज्ञान एवं सामाजिक क्षेत्र कार्य प्रदर्शन का अवसर पाते हैं। केन्द्र से काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने यूजीसी-जेआरएफ/नेट पास कर चुके हैं उनमें से कई प्रतिष्ठित सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों में रोजगार पा चुके हैं। अनुसंधान कार्यक्रम (पी-एच.डी तथा एम.फिल) का प्रारंभ शैक्षणिक सत्र 2013-14 से इस केंद्र में किया गया था। यह विभाग अपनी स्थापना के बाद से अपनी अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। विभाग के शिक्षकों को परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए शोध निबंध की निगरानी करना पड़ता है। जहाँ छात्रों को चौथे सेमीस्टर में नृविज्ञान और समाज शास्त्रीय फील्डवर्क का अनुभव मिलता है। विभाग से अनेक छात्रों को यूजीसी/जेआरएफ/नेट पूरा किया है और उनमें से कुछ प्रतिष्ठित सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों में भर्ती कराए गए हैं।

उद्देश्य

- ओड़िशा राज्य की भाषा, साहित्य और संस्कृति पर जोर देना है,
- अनुसंधान, संगोष्ठी, परिसंवाद, वार्तालाप, कार्यशाला आदि के माध्यम से दक्षिण ओड़िशा के स्वदेशी समूह के लोकगीत और लोक साहित्य को दस्तावेजीकरण बनाना और संरक्षण प्रदान करना।
- ओड़िया भाषा और साहित्य को जीवित रखने के लिए अतीत के परंपरा को बनाए रखना,
- विविध अनुसंधान कार्य आयोजित करना और संचालित करना जिससे कि अपने विकास के लिए ओडिया बढ़ सके,
- विभागीय वार्षिक अनुसंधान पत्रिका का आरंभ करना,
- एक प्राचीन भाषा चेयर की स्थापना करना और एमआईएल के तहत ओडिया में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम चालू करना, जो ओड़िया भाषा के विकास और विस्तार में सहायक हो सके,
- अनुसंधान, संगोष्ठी, परिसंवाद, वार्तालाप, कार्यशाला आदि के माध्यम से दक्षिण ओडिशा के स्वदेशी समूह के लोकगीत और लोक साहित्य को दस्तावेजीकरण बनाना और संरक्षण प्रदान करना।
- विभागीय पुस्तकालय, लोक म्यूजियम, भाषा प्रयोगशाला और पांडुलिपि के संरक्षण के एक अलग यूनिट स्थापित करना और
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है जिससे विभागीय अनुसंधान और शिक्षण समृद्ध हो सके

विभाग

1	विभागाध्यक्ष का नाम	डॉ. आलोक बराल, वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी
2	संपर्क विवरण	ओडिआ भाषा तथा साहित्य विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट-763004 ओड़िशा, ई-मेल: hod.odia@cuo.ac.in
3	शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएँ	1. डॉ. अलोक बराल, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक एव विभागमुख्य प्रभारी 2. डॉ. प्रदोष कुमार स्वाई, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी., यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक 3. डॉ. रुद्राणी मोहंती, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी., व्याख्याता (संविदा) 4. डॉ. गणेश प्रसाद साहु, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा)
4	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	ओड़िया भाषा तथा साहित्य में स्नातकोत्तर (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष) एवं पी-एच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- ओड़िआ के सेवानिवृत प्रोफेसर कृष्ण चंद्र प्रधान, संबलपुर विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में विभाग में शामिल हुए।
- दिनांक 19 जून 2020 को विभाग द्वारा "साहित्य और आप:एक साहित्यिक वार्ता"विषय पर प्राख्यात कवि देवदास छोतरे के साथ वेबमिनार का आयोजन किया।
- इस अवधि के दौरान 3 शोध छात्रों को पीएच. डी की उपाधि मिली,वे हैं रिंकी प्रधान,सावित्री महाराणा और कुना सुना। इन्होंने डॉ. आलोक बराल के निदेशन में अपना शोध कार्य पूरा किया।

हिंदी विभाग

हिंदी भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र 2015 से 2016 के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में 2 वर्षों में हिंदी भाषा में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के साथ की गई। विधिवत शिक्षक विभाग के छात्रों को व्यापक रूप से अनिवार्य अध्ययन, तुलनात्मक साहित्य, मीडिया अध्ययन आदि जैसे विशेष क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में लिंगुआ फ्रैंका के रूप में अंग्रेजी के बाद हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाता है।

उद्देश्य

- अकादमिक सत्र के दौरान विभाग में हिंदी के प्रतिष्ठित प्राध्यापकों के पैनल को आमंत्रित करना।
- विभागीय पुस्तकालय स्थापित करना,
- हिंदी साहित्य में पी-एच.डी और एम.फिल जैसे अनुसंधान कार्यक्रम प्रारम्भ करना।
- वार्षिक संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलन का आयोजन करना,
- नियमित संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलन का आयोजन करना,
- तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन पर संसाधनों को समृद्ध करना और
- विश्वविद्यालय में हिंदी में प्रमाण पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करना,

विभाग

1	**विभागाध्यक्ष का नाम**	**श्री संजीत कुमार दास, सहायक प्राध्यापक तथा विभागाध्यक्ष प्रभारी**
2	संपर्क विवरण	हिंदी विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट, ओड़िशा, ई-मेल:hod.hindi@cuo.ac.in
3	शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएँ	1. प्रो. हेमराज मीणा, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी, अतिथि प्राध्यापक 2. डॉ. मयूरी मिश्रा, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी, व्याख्याता (संविदा) 3. डॉ. शताब्दी बेहेरा, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) 4. डॉ. सौम्या रंजन दाश, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) 5. डॉ. रानी सिंह, स्नातकोत्तर, बी-एड, पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता 6. श्री पुरंदर बिश्वाल, स्नातकोत्तर, बी-एड, यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता
4	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	हिंदी में स्नातकोत्तर (2 वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- इसी दौरान श्री आलोक बिश्वाल और श्री विकास कुमार गौतम(जेआरएफ) ने यूजीसी-नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की।

संस्कृत भाषा विभाग

संस्कृत भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र 2015-16 के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में स्थापित हुई है और संस्कृत भाषा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाया जाता है। संस्कृत भाषा भारतीय सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत का गोदाम घर है। समग्र भारत की ज्ञान प्रणाली संस्कृत ग्रंथों में लिखा हुआ है। इसलिए, वर्तमान के जरिये अतीत और भविष्यत के बीच संपर्क स्थापना हेतु प्राचीन साहित्य ग्रंथों से ज्ञान लाने की जरूरत है (दोनों वैज्ञानिकी और साहित्यिक)।

उद्देश्य

- पूरे शैक्षणिक सत्रके दौरान प्रतिष्ठित संस्कृत प्रोफेसरों को विश्वविद्यालय में आमंत्रित करना है;
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- संस्कृत साहित्य में एम.फील तथा पीएच.डी. जैसे नये कार्यक्रमों का आरंभ करना;
- वार्षिक / संगोष्ठी / कार्यशाला सम्मेलन आयोजित करना है;
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन पर जोर ध्यान देना;
- संस्कृत के विभिन्न पहलुओं पर विभिन्न डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का आरंभ करना;
- अभिमुखीकरण अध्ययन के विभिन्न सामान्य और प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना;
- आय विभागनों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग;

- इस क्षेत्र के आसपास का व्यापक सर्वेक्षण करना, संग्रह और पांडुलिपियों के संरक्षण का संचालन करना और महत्वपूर्ण संस्करण में प्रकाशित करना;
- दोनों वैदिक और प्राचीन संस्कृत साहित्य में पूरे वैज्ञानिक और तार्किक ढंग से इनकोडेड भारतीय ज्ञान प्रणाली की क्षमता को समझना;
- आम लोगों के बीच में संस्कृत साहित्य और भाषा को लोकप्रिय करने के लिए विभिन्न विस्तारित कार्यक्रम का आयोजन करना।

विभाग

1	**विभागाध्यक्ष का नाम**	डॉ. आलोक बराल, विभागाध्यक्ष प्रभारी
2	संपर्क विवरण	संस्कृत विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट, ओड़िशा, ई-मेल : hod.sanskrit@cuo.ac.in
3	शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएँ	1. प्रो. आर.वी. रामा कृष्णा शास्त्री, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी., अतिथि प्राध्यापक 2. डॉ. बिरेन्द्र कुमार सांडगी, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी, बी.एड. व्याख्याता (संविदा) 3. डॉ. श्रीनिवास स्वाई, स्नातकोत्तर, नेट, अतिथि प्रवक्ता 4. डॉ. प्रदीप चन्द्र आचार्य, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी, बी.एड., अतिथि प्रवक्ता 5. डॉ. जयप्रकाश साहू, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी, बी.एड., अतिथि प्रवक्ता 6. डॉ. चक्रपाणी पोखरेल, स्नातकोत्तर, पी-एच.डी, नेट, अतिथि प्रवक्ता
4	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	संस्कृत में स्नातकोत्तर (2 वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- अतिथि प्राध्यापक के रूप में हैदराबाद विश्वविद्यालय के सेवानिवृत प्राध्यापक आर.वी. रामकृष्ण शास्त्री शामिल हुए।

समाज विज्ञान विद्यापीठ

समाजविज्ञान विद्यापीठ शैक्षिक गतिविधियों में अन्तर्विषयक दृष्टिकोण के साथ संलग्न करने हेतु अभिनव एवं रचनात्मक विचार के साथ शुरू की गयी है। इसका अपना कोई स्नातक कार्यक्रम नहीं है, वर्तमान इस में सिर्फ परास्नातक कार्यक्रम है। अधोवर्णित के अनुसार विद्यापीठ के पास तीन केन्द्र हैं जिस में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए नियमित रूप से दाखिला लेने को पहल की गयी है:

मानवविज्ञान विभाग

इस विश्वविद्यालय में मानवविज्ञान अध्ययन विभाग सन् 2009 से कार्य कर रहा है। छात्रों के चार बैच पहले से ही अपने परास्नातक डिग्री प्राप्त कर चुके हैं, शैक्षिकवर्ष 2013-14 से मानवविज्ञान में एम.फिल एवं पी-एच.डी कार्यक्रम शुरू हुआ है। आईसीटी जैसे नवीनतम शिक्षण प्रणाली द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है। छात्रों को व्यापक क्षेत्र अनुसंधान प्रशिक्षण के बारे में अवगत किया जाता है और वे भी व्यापक क्षेत्र कार्य के आधार पर शोध प्रबंध तैयार करते हैं। केन्द्र मानवविज्ञान विषय एवं इस के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में ज्ञान एवं तकनीकी जानकारी प्रदान कर रहा है। वे संग्रहालय नमूनों की प्रलेखन, औषधीय संरक्षण के प्रसार के लिए संग्रहालय विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। विद्यार्थियों को भी चिकित्सा मानवविज्ञान, पोषण स्थिति का आकलन, आधुनिक मानव आनुवांशिकी प्रशिक्षण, मानवविज्ञान के फोरेंसिक प्रयोग, सामाजिक प्रभाव का आकलन, विकास कार्य परियोजनाओं का मूल्यांकन एवं निरीक्षण आदि पर प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थियों को जनजातीय अध्ययन के संपूर्ण पहलुओं पर विशेष पाठ्यक्रम दिया जा रहा है।

विभाग

1	**मुख्य का नाम**	**डॉ0 जयन्त कुमार नायक,सहायक प्रोफेसर तथा विभाग मुख्य प्रभारी**
2	संपर्क विवरण	मानवविज्ञान अध्ययन विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, लांडिगुडा, कोरापुट-764021, ओड़िशा E-mail: hod.anth@cuo.ac.in

3	शिक्षण सदस्यों और उनकी शैक्षिक योग्ताएँ	1. डॉ0 जयन्त कुमार नायक, एम.एमसी, एम.फिल., पी-एच-डी, यूजीसी (नेट), सहायक प्रोफेसर एवं विभागमुख्य प्रभारी 2. श्री बी.के. श्रीनिवास, एम.एमसी, यूजीसी (नेट) सहायक प्रोफेसर 3. डॉ0 मीरा स्वाईं, एम.ए, एम.फिल., पी-एच.डी, यूजीसी (नेट), व्याख्याता (संविदा) 4. डॉ. राम बाबु मल्लवारपु, स्नातकोत्तर, एम.फिल, पी-एच.डी, यूजीसी पीडीएफ, आईसीएसएसआर पीडीएफ, यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता 5. डॉ. अभिषेक भौमिक, एम.एससी, पी-एच.डी, तथा यूजीसी-नेट (जेआरएफ), अतिथि प्रवक्ता 6. सुश्री लोचन शर्मा, एम.एससी, एम.फिल., यूजीसी-नेट (जेआरएफ), अतिथि प्रवक्ता 7. सुश्री मौसुमी नायक, एम.एससी, यूजीसी-नेट, अतिथि प्रवक्ता
4	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	एम.एससी. (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष), एवं पी-एच.डी., मानवविज्ञान

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- विभाग की पूर्व छात्रा मौसमी नायक ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (एससीएसटीआरटीआई), भुवनेश्वर में सहायक निर्देशक के रूप में कार्यभार संभाला।
- 22-23 अप्रैल 2020 के दौरान विभाग ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से विशेष व्याख्यान शृंखला का आयोजन ओड़िशा राज्य जनजातीय संग्रहालय द्वारा भारत में आदिवासी विकास के रुझान पर ओड़िशा और एक परिवर्तनकड़ी मोड पर ओड़िशा का जनजातीय समाज विषय पर प्रो.एबोता,आईएएस (सेवानिवृत), निदेशक और विशेष सचिव एससीएसटीआरटीआई और निदेशक ने व्याख्यान दिया।
- दो छात्रों पीएचडी शोध छात्र इस्का बेनिया और क्रिस्टीना रानी लीमा ने यूजीसी नेट की परीक्षा पास की। ,
- पीएच.डी शोध छात्र जोखन शर्मा ने " मुसहर अनुसूचित जाति का सामाजिक समावेशन व परिवर्तन" विषय पर शोध आलेख मानव(जे) लखनऊ , अंक 38 संख्या 1-2 पृष्ठ 1-17 2020 में प्रकाशित किया।
- 9 मई 2020 को पीएच.डी शोध छात्र जोखन शर्मा ने "कोरोना के दौर में बिहार की स्वस्थ व्यवस्था से जुड़े कुछ मूलभूत प्रश्न व सुझाव"शीर्षक से बिहार न्यूज पोर्टल (हिन्दी) में संपादकीय लेख प्रकाशित किया।
- 24 जुलाई 2020 को पीएच. डी शोध छात्र जोखन शर्मा ने "कोरोना काल में बिहार के बदलाव व्यवस्था पर पटना उच्च न्यायलय की खामोशी" शीर्षक से संपादकीय लेख बिहार न्यूज पोर्टल (हिन्दी) प्रकाशित किया।
- 15 मई 2021 को पीएच.डी छात्र जोखन शर्मा ने "कोरोना के दूसरी लहर में देश कहाँ विफल रहा ?"शीर्षक से संपादकीय लेख प्रकाशित किया।
- पीएच. डी शोध छात्र जोखन शर्मा ने 23 से 27 जून 2020 तक राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनाईआरडीपीआर-एनईआरसी)गुवाहाटी ग्रामीण विकास के लिए बांग्लादेश अकादमी कॉमिला के सहयोग द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण "विकास परियोजना प्रबंधन पर ग्रामीण" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया।
- 10 से 12 नवंबर 2020 के दौरान वी. वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा सामाजिक प्रशिक्षण पर आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में पीएच. डी शोध छात्र जोखन शर्मा ने भाग लिया।
- पीएच.डी शोध छात्र दलपति नायक ने 4 अप्रैल 2020 को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एण्ड रिसर्च में ओड़िशा में समुद्री समुदायों के बीच आजीविका: गतिविधियां मुद्दे और चुनौतियाँ शीर्षक से शोध लेख प्रकाशित किया।
- पीएच.डी शोध छात्र दलपति नायक ने 19 से 23 मई 2020 के दौरान मणिपुर विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "मानव विज्ञान अनुसंधान तकनीक" पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग

यह विभाग विश्वविद्यालय की शुरात 2009 से काम कर रहा है। यह विभाग समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर और अनुसंधान पाठ्यक्रम (एम.फिल., तथा पी-एच.डी) प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम भारत में समाज, संस्कृति एवं सामाजिक संरचना, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, अनुसंधान प्रणाली, स्वास्थ्य समाजशास्त्र, पर्यावरण समाजशास्त्र, लिंग के समाजशास्त्र, गैरसरकारी संगठन के समाजशास्त्र, विकास के समाजशास्त्र, अपराध एवं विचलन के समाजशास्त्र एवं सामाजिक आन्दोलन के अध्ययन से अभिविन्यस्त है।इस विभाग में दिए जा रहे पाठ्यक्रम अन्तर्विषयक है एवं नृविज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति एवं इतिहास जैसे अन्य समाज विज्ञान विषयों से लिया गया है। इस स्तर पर पाठ्यक्रम सांस्कृतिक विश्लेषण, वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, आधुनिक भारतीय सामाजिक विचारक एवं सामाजिक स्तरीकरण, जाति, विवाह, पारिवारिक जीवन एवं रिश्तेदारी, राजनीति, अर्थशास्त्र, धर्म, शहरी जीवन एवं सामाजिक परिवर्तन से उनकी लड़ाई से संबंधित समस्याओं के साथ संबंधित है।

अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फिल. एवं पी-एच-डी.) शैक्षणिक वर्ष 2013-2014 से विभाग में प्रारंभ किया जा चुका है।

विभाग

1	**विभागाध्यक्ष का नाम**	डॉ0 कपिल खेमेंडु, **सहायक प्रोफेसर एवं विभागमुख्य प्रभारी**
2	संपर्क विवरण	डॉ0 कपिल खेमेंडु, सहायक प्रोफेसर एवं विभागमुख्य प्रभारी ई-मेल: hod.sociology@cuo.ac.in
3	शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएँ	1. प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद (अतिथि प्राध्यापक) 2. प्रो. बी.सी. बारिक (अतिथि प्राध्यापक) 3. डॉ0 कपिल खेमुंडु, एम.ए., एम.फिल, पी-एच.डी. यूजीसी-नेट, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी 4. डॉ0 आदित्य केशरी मिश्र, एम.ए., एम.फिल., पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) 5. डॉ0 नुपुर पट्टनायक, एम.ए., एम.फिल., पी-एच.डी. यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) 6. डॉ0 बिजय चन्द महाराणा, एम.ए., एम.फिल., पी-एच.डी. यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा)
4	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	एम.ए. (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष), एवं पी-एच.डी.-समाज शास्त्र

अर्थशास्त्र विभाग

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना 2011 में हुई थी। चार वर्षों के अंदर यह विभाग ओड़िशा राज्य में स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में एक प्रमुख विभाग बन चुका है। इस विभाग में विभिन्न विशेषज्ञता के साथ पर्याप्त संकाय सदस्य हैं। इसके अलावा विभाग कक्षाओं को लेने और अपनी विशेषज्ञता को साझा करने के लिए राष्ट्रीय प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित करता है। यह विभाग अर्थशास्त्र में एम.ए., एम.फिल, और पी-एच.डी के कई उभरे, अनुसंधान अभिमुखित, गाणितिक और इकोनोमेट्रिक आधारित वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाता है। छात्रों में अनुसंधान कौशल को भरने के लिए और रोजगार के लिए विभिन्न उपायों से उन्हें विभाग अनुसंधान विधि और शोध प्रबंध पाठ्यक्रम का आयोन करता है। भारत में एक अग्रणी शिक्षण और शोध केंद्र के रूप में विभाग, आदिवासी अर्थशास्त्र, विकास अर्थशास्त्र ग्रामीण अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र आदि के क्षेत्रों में नियमित रूप से क्षेत्र सर्वेक्षण, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, पैनल चर्चा और इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन करता है।

विभाग का लक्ष्य

- सर्वोच्च मानक के लिए अपने अनुसंधान और शिक्षण कार्यक्रम को बढ़ाना।
- नवाचार शिक्षण, उन्नत अनुसंधान और जन नीति विश्लेषण पर जोर देते हुए अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उभराना।
- जनजाति अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, ग्रामीण अर्थशास्त्र के क्षेत्र में व्यापक और गहराई अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देना और गरीबी तथा मानव विकास और अन्य मुख्य 7त्रों पर अध्ययन करना।
- कक्षा के बाहर अर्थशास्त्र को लेना, जिसमें तर्कसंगत निर्णय लेने के लिए छात्रों के बीच कौशल और संवेदनशीलता को सुलाझाने में समस्याएँ उत्पन्न करें।
- अंतर अनुशासनिक अध्ययन और शोध के माध्यम से अर्थशास्त्र में ज्ञान बनाना और प्रसारित करना।
- गाणितिक, इकोनोमेट्रिक्स, कंप्यूटर अनुप्रयोग और उद्योग प्लेसमेंट उन्मुख पाठ्यक्रमों वाले अनुप्रयोग अर्थशास्त्र में एमए की डिग्री प्रदान करना।
- आने वाले वर्षों में नये शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को आरंभ करना जैसे कि अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र में पाँच वर्षीय एकीकृत एमए, विकास अध्ययन एमए और अर्थशास्त्र में पोस्ट डॉक्टरॉल डिग्री (डी. लीट) आदि।
- विभिन्न सरकारी और घरेलू संगठनों से अलग-अलग अर्थशास्त्रीय मुद्दों पर छोटे और बड़े अनुसंधान परियोजनाओं को लेना।
- आर्थिक नीति निर्धारण, मूल्यांकन और समीक्षा के लिए एक ज्ञान के भंडार के रूप में सरकारी एजेंसियों के साथ जुड़े रहना।

विभाग

1.	**विभागाध्यक्ष का नाम**	डॉ. मिनती साहू, सहायक प्राध्यापक तथा विभाग प्रभारी
2.	संपर्क विवरण	अर्थशास्त्र विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेड़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा ई-मेल: hod.economics@cuo.ac.in

3.	शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएँ	1. प्रो. भागवता पात्रो, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी., अतिथि प्राध्यापक 2. डॉ.मिनती साहू , स्नातकोत्तर, एम.फिल.,पी-एच.डी, यूजीस-नेट, सहायक प्राध्यापक तथा विभाग प्रभारी 3. श्री प्रशांत कुमार बेहरा , स्नातकोत्तर, एम.फिल., यूजीस-नेट, सहायक प्राध्यापक 4. श्री बिश्वजीत भोई, स्नातकोत्तर, यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक 5. डॉ. अंजली दाश,स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी-एच.डी., अतिथि प्रवक्ता
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	: अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर (2 वर्ष), एम.फिल. तथा पी-एच.डी

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियां

- फ्यूचर आइकान,नई दिल्ली की संस्थापक और निदेशक डॉ. अक्षिता बहुगुणा द्वारा 11 मई 2020 को उद्यमिता:उत्तर कोविड परिदृश्य पर ऑनलाइन विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- प्रो. के श्रीनिवास राव,ऐडजंक्ट प्रो.,आईआईआरएम,हैदराबाद द्वारा 29 मई 2020 को 'कोविड 19 के बाद भारत के बैंकिंग क्षेत्र की चुनौतियाँ अवसर'विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- 4 जुलाई 2020 को 'व्यापार और भारत की विदेश नीति के बीच कोविड-19'विषय पर ऑनलाइन वेबमिनार का आयोजन डॉ. मदन मोहन सेठी,आईएफएस,महवाणिज्य दूत,वियतनाम और श्री चारुदत्त पाणिग्रही,संस्थापक और अध्यक्ष एफआईडीआर,नई दिल्ली द्वारा किया गया।
- सुश्री अर्चना बारीक को फ़रवरी 2020 में एम.फिल की उपाधि मिली।
- पी-एच डी शोध छात्रा सुश्री पूनम दास ने 2-6 नवंबर 2020 के दौरान जैन सेंटर फॉर मैनिजमेन्ट स्टडीस में राष्ट्रीय स्तर के संकाय कार्यक्रम में भाग लिया।
- पी-एच डी शोध छात्रा सुश्री करिश्मा राणा मई 2020 को जीसी द्वारा ओबीसी राष्ट्रीय फेलोशिप के लिए चयनित हुई।
- पी-एच डी शोध छात्रा सुश्री करिश्मा राणा ने 83% अंकों के साथ स्वयं कोर्स 'रिसर्च एथिक्स' को सफलता पूर्वक पूरा किया।
- पी-एच डी शोध छात्रा सुश्री करिश्मा राणा ने 'कोविड 19 रेवर्स मिग्रेसन एण्ड रुरल लाइव्लीहुड रीवाइवल इन ओड़िशा चैलेंज एण्ड द वे फोरवॉर्ड' शीर्षक से एक पुस्तक-अध्याय प्रकाशित किया। कोविड19 प्रवासन और सतत विकास,कुणाल प्रकाशन,नई दिल्ली,पृ. 123-139[आइएसबीएन -978-93-89224-65-8]।
- पी-एच डी शोध छात्रा सुश्री करिश्मा राणा ने 6-7 जून 2020 के दौरान सिंघगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफ मनेजमेंट एण्ड कंप्युटर एप्लिकेसन,(एसआईएमसीए),पुणे महाराष्ट्र द्वारा आयोजित 'रिसर्च मेथेडोलोजी' पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- पी-एच डी शोध छात्रा सुश्री करिश्मा राणा वी वी गिरी नैशनल लेबर इंस्टिट्यूट दूरीना द्वारा आयोजित 8-10 जून 2020 तक उभरते श्रम मुद्दों और रणनीतिक प्रतिक्रियाओं पर ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।
- पी-एचडी शोध छात्रा करिश्मा राणा ने 11-15 मई 2020 के दौरान शारदा विश्वविद्यालय द्वारा सीआईपीएएम और डीपीआईआईटी,वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय सरकार के सहयोग से आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार(आईपीआर) पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- पी-एच डी शोध छात्रा सुश्री करिश्मा राणा ने 15-19 जून 2020 के दौरान बेनेट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'अनुसंधान लेखन और प्रकाशन के लिए आवश्यक कौशल' पर पाँच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- पी-एचडी शोध छात्रा सुश्री मनीषा गुप्ता ने आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र में गेट 2021 को उत्तीर्ण किया।

शिक्षा एवं शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ

शिक्षा एवं शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ में दो विभाग हैं एक है पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग और दूसरा है शिक्षक शिक्षा विभाग।

पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र की शुरुआत वर्ष 2009 में हुई। तीन सालों से कम समय में एक प्रमुख पत्रकारिता विभाग के रूप में ओड़िशा राज्य में स्वयं को चिन्हित किया है। केंद्र में मल्टी मीडिया प्रयोगशाला सहित इंटरनेट कनेक्शन और अंतिम सॉफ्टवेयर सुविधा उपलब्ध है। केंद्र के पास अंतिम स्टिल तथा विडियो कैमरा उपलब्ध हैं। छात्रों को समग्र देश के अग्रणी मीडिया हाउसों में एक महीने का कठोर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है और उनमें से कई छात्रों को अग्रणी समाचार पत्र, टेलीविजन चैनलों, जन संपर्क संगठनों, एन जीओ आदि में नियुक्ति मिली है। केंद्र पत्रकारिता तथा जनसंचार में एम.फिल. तथा पी-एच.डी. कार्यक्रम को चला रहा है। भविष्य में अल्पावधि पाठ्यक्रम चालू करने की योजना है।

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र का लक्ष्य

- मीडिया शिक्षा तथा पेशेवर प्रशिक्षण दिलाना।
- कोरापुट के साथ-साथ ओड़िशा राज्य के अविभाज्य विकास के लिए संपर्क साधन और पारम्परिक साधनों का अध्ययन करना तथा उपयोग करना।
- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय संचरण के लिए कोरापुट सहित ओड़िशा के परिपूर्ण संस्कृति तथा विरासत पर दृश्य तथा श्रव्य कार्यक्रमों और सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन के उत्पादन के ले के नोडल केंद्र के रूप में काम करना।

- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से मीडिया संसाधन एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में काम करना।
- विभिन्न स्तरों में काम करने के लिए एक उत्कृष्ट पेशेवर बनाने के लिए पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा तथा प्रशिक्षण देना।
- कार्यरत संवाददाताओं को शिक्षा प्रदान करना और प्रशिक्षण दिलाना और पारम्परिक, जन के साथ-साथ नयी मीडिया के लिए पेशेवर तौर पर योग्य मानवशाक्ति प्रदान करना।
- अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में उत्कृष्ट अनुसंधान लेखों का प्रकाशन करना।

विभाग

1	**विभाग अध्यक्ष का नाम**	डॉ0 प्रदोश कुमार रथ, **सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी**
2	संपर्क विवरण	पत्रकारिता तथा जन संचार विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, लांडिगुडा, कोरापुट-764021, ओड़िशा ई-मेल:**pradoshrath@gmail.com**
3	शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएँ	1. प्रो. प्रमोद कुमार जेना, पी-एच.डी, अतिथि प्राध्यापक 2. प्रो. अक्षय राउत, आईआईएस (सेवानिवृत), पूर्व प्रबंध संचालक, स्वच्छ भारत अभियान तथा भारतीय चुनाव कमीशन, अतिथि प्राध्यापक 3. डॉ. प्रदोष रथ, स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र), एमजेएमसी, पी-एच.डी (यूजीसी-नेट-जेआरएफ), सहायक प्राध्यापक एवं मुख्य प्रभारी 4. डॉ. सौरव गुप्ता, पी-एच.डी. स्नातकोत्तर (जेएंडएमसी), यूजीसी-नेट, सहायक प्रध्यापक 5. सुश्री सोनी पाढ़ी, एमजेएमसी, (यूजीसी-नेट-जेआरएफ), व्याख्याता (संविदा) 6. श्री सुजीत कुमार मोहंती, स्नातकोत्तर (संचार), (यूजीसी नेट), व्याख्याता (संविदा) 7. सुश्री तलत जहाँ बेगम, स्नातकोत्तर (जेएंडएमसी), व्याख्याता (संविदा)
4	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	स्नातकोत्तर, जेएंडएमसी (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष) तथा जेएंडएमसी में पी-एच.डी

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- पत्रकारिता एवं जनसंचार में नौ छात्रों ने एम.ए की परीक्षा उत्तीर्ण की। सुश्री मेघा नायक को प्रथम स्थान मिला।
- विभाग द्वारा 20 जून 2020 को 'कोविड 19 के दौरान सार्वजनिक प्रसारक की भूमिका' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबमिनार का आयोजन किया गया। श्री मयंक अग्रवाल, महानिदेशक, दूरदर्शन ने मुख्य व्यक्त के रूप में वेबमिनार व्याख्यान दिया। श्री एस के मालवीय,डीडीजी,पीआईबी ओड़िशा,डॉ.जी कोंडाला राव,न्यूज हेड,एआईआर विजयवाड़ा और श्री अशोक प्रधान,ब्युरो चीफ,टाइम्स ऑफ इंडिया,ओड़िशा यूनिट ने पैनल स्पीकर के रूप मे अपने विचार रखे।
- विभाग में 16 नवंबर 2020 को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभाग द्वारा 'डिजिटल युग में प्रेस:मुद्दे और चुनौतियाँ' विषय पर एक वेब मीनार का आयोजन किया गया।उद्घाटन भाषण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई रामाब्रह्मम ने दिया।प्रो. अक्षय राउत,प्रमोद कुमार जेना विभाग के अतिथि प्राध्यापक वेबमिनार के वक्ता थे।
- डॉ. सोनी पाढ़ी व्याख्याता को पत्रकारिता और जनसंचार में ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय से पीएच. डी की उपाधि मिली।

शिक्षा विभाग

शिक्षा विभाग वर्ष 2013 में शुरू हुआ है। इस केंद्र का लक्ष्य है आवश्यक कौशल तथा योग्यताएँ प्रदान करके और अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के अद्यतन तत्वों को देकर हमारे देश के लिए दूरदर्शी अध्यापक तैयार करना। जैसा कि यह केंद्र दूरदर्शी अध्यापकों को तैयार करता है, शिक्षक शिक्षा विभाग अत्याधुनिक शैक्षिक पद्धतियों और शिक्षाविदों के माध्यम से मानव पूंजी को मोल्डिंग का लक्ष्य रखता है। विभाग एक और सभी को शिक्षा प्रदान करने के अपने कारण के प्रति समर्पित है। यह अपने प्रयास में शिक्षकों को अपनी सासंत्कित विरासत को संरक्षित करने और नवाचार के लिए आवश्यक परिवर्तनों को शामिल करने की क्षमता के साथ रहेगा। चार वर्षों की अवधि के भीतर, भारत में खुद को प्रमुख शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में से एक के रूप में चिह्नित किया है।

उद्देश्य

- सूचना तथा संचार तकनीकी संसाधन केंद्र, पाठ्यक्रम संसाधन केंद्र, विज्ञान संसाधन केंद्र, कला तथा शिल्प संसाधन केंद्र, शारीरिक शिक्षा संसाधन केंद्र, मनोविज्ञान संसाधन केंद्र, कंप्यूटर प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय और विभागीय प्लेसमेंट कक्ष की स्थापना करना है।
- इस विभाग का लक्ष्य है भविष्य में शिक्षा में मास्टर डिग्री कार्यक्रम को प्रारंभ करना है।
- शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में वार्षिक सम्मेलन / कार्यशाला / सम्मेलनों का आयोजन किया।
- व्यक्तिगत रूप से या संयुक्त रूप से अनुसंधान करने के लिए देश अथवा विदेश में अन्य विभागों के संस्थानों से समझौता करना।
- पूरे शैक्षणिक सत्र में शिक्षक शिक्षा में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित करना।
- प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के छात्रों को दोनों शिक्षण अभ्यास और प्लेसमेंट के लिए आस-पास के विद्यालयों से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करना।

विभाग

1	**अधिष्ठता तथा मुख्य का नाम**	श्री रमेंद्र कुमार पाढ़ी, **सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी**
2	संपर्क के लिए विवरण	शिक्षा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेढ़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा ई-मेल :ramendraparhi@gmail.com
3	शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएँ	1. प्रो. सबिता प्रभा पटनायक, एम.एससी (जूलोजी), एम.एड (शिक्षा), पी-एच.डी, अतिथि प्राध्यापक
		2. डॉ. रमेंद्र कुमार पाढ़ी, स्नातकोत्तर, एम.एड, एम.फिल., पी-एच.डी, पीजीडीजीसी (एनसीईआरटी), यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक एवं विभागप्रभारी 3. श्री के.वी. नरसिम्हा राव, स्नातकोत्तर (अंग्रेजी), एम.एड, व्याख्याता (संविदा) 4. श्री अक्षय कुमार भोई, स्नातकोत्तर, एम.फिल, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) 5. डॉ. पी. विलियम बनर्जी, एम.एससी, एम.एड, एम.फिल., व्याख्यात (संविदा) 6. डॉ. पुव्वड़ा जॉर्ज राजाकुमार, एम.एससी (भौतिक विज्ञान), एम.एड, पी-एच.डी (शिक्षा), अतिथि प्रवक्ता 7. सुश्री स्वागतिका भोई, विजुअल कला में स्नातकोत्तर, अतिति प्रवक्ता
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	शिक्षा में स्नातक (बी.एड) (2 वर्ष), शिक्षा में एम.फिल, पी-एच.डी (शिक्षा)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 17 अप्रैल 2020 को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम 'राष्टीय एकता और अंतराष्ट्रीय समझ को मजबूत करने के लिए शिक्षा पर भूमिका' का आयोजन किया गया। मिजोरम विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रो. बाना ने व्याख्यान दिया।
- दिनांक 23 अगस्त 2020 को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा अध्ययन बोर्ड की बैठक वर्चुअल मूड के माध्यम से आयोजित की गई थी।
- पीएच.डी शोध छात्र संतोष जेना ने 27-28 मई 2020 के दौरान तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय चेन्नई द्वारा आयोजित ' शैक्षणिक वीडियो उत्पादन के कौशल पर पोषण' पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- पीएच.डी शोध छात्र संतोष जेना ने जुलाई-अगस्त 2020 के दौरान आस्ट्रेलिया के स्वाइनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलजी से ऑस्टिसम से पीड़ित लोगों का समर्थन और जुड़ाव पर 6 सप्ताह का एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।
- पीएच.डी शोध छात्र संतोष जेना ने जुलाई 2020 के दौरान क्वीन्सलैंड प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय,ऑस्ट्रेलिया से दो सप्ताह का 'समावेशी शिक्षा:सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान'पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।
- पीएच.डी शोध छात्र संतोष जेना ने मई 2020 के दौरान ग्रिफिथ यूनिवर्सिटी से 'किशोर शिक्षार्थियों का समर्थन;सोशल एण्ड इमोशनल वेलबीइंग'पर डॉ सप्ताह के ऑनलाइन पाठ्यक्रम को पूरा किया।
- पीएच.डी शोध छात्र संतोष जेना ने अगस्त 2020 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोसोसल रिहाइबिलिटेशन (आइएसएसएन:1475-7192)में पंचायत:'टैकलिंग कोविड-19 थ्रू एविडन्स फ्रॉम रुरल ओड़िशा' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।

- पीएच.डी शोध छात्र संतोष जेना ने जूनियर रिसर्च फ़ेलो से सीनियर रिसर्च फ़ेलो में अपग्रेड किया गया है।
- पीएच.डी शोध छात्रा सुश्री सस्मिता बेहरा ने 6-7 जून 2020 के दौरान एसआईएमसीए पुणे द्वारा आयोजित 'रिसर्च मेथेडोलोजी पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- पीएच.डी शोध छात्रा सुश्री सस्मिता बेहरा ने 11 मई 2020 को शारदा विश्वविद्यालय,आईटीसी, हमिरपुर और पेट्रीशियन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड साइंस,चेन्नई द्वारा आयोजित,बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर संकाय विकाश कार्यक्रम में भाग लिया।
- पीएच.डी शोध छात्रा सुश्री सस्मिता बेहरा ने 12-18 जून 2020 के दौरान आयोजित अनुसंधान पद्धति विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम मे भाग लिया।
- पीएच.डी शोध छात्रा सुश्री सस्मिता बेहरा ने मार्च-अप्रैल 2021 के दौरान 'शिक्षा में संचार प्रोद्योगिकी' शीर्षक से स्वयं-मूकस प्लेटफॉर्म में एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।
- पीएच.डी शोध छात्र मुहम्मद हसनुज्जमां मिया ने 5-11 जून 2020 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्माराम सनातनधर्म कॉलेज द्वारा आयोजित रिसर्च मेथेडोलोजी :टूल्स एण्ड टेक्नीकस पर सात दिनों की ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- पीएच.डी शोध छात्र मुहम्मद हसनुज्जमां मिया ने 25-मई से 5-जून 2020 क दौरान पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत दिल्ली विश्वविद्यायल के रामानुजन कॉलेज द्वारा आयोजित 'व्यापक ई-लर्निंग टू ई-प्रशासनिक कार्यके लिए प्रशिक्षण गाइड' पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- पीएच.डी शोध छात्र मुहम्मद हसनुज्जमां मिया ने जनवरी 2021 'ईश्वरचन्द्र विद्यासागर के योगदान को पत्रकार शिक्षक के रूप में एक श्रद्धांजलि' शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया। पंडित ईश्वरचन्द्र विद्यासागर की द्विशताब्दी:विभिन्न पहलुओं,कुणाल प्रकाशन,नई दिल्ली(आईएसबीएन-978-938922480-1)।
- पीएच.डी शोध छात्र मुहम्मद हसनुज्जमां मिया ने फरवरी 2021 में पश्चिम बंगाल के नेताजी ओपन यूनिवर्सिटी , कोलकाता से 'टीपैक – ए – डिजिटल ट्रेंड इन टीचिंग लर्निंग ; एन ओवरव्यू शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- पीएच.डी शोध छात्र मुहम्मद हसनुज्जमां मिया ने डिजिलतिकरण भारतीय शिक्षा प्रणाली , क्रिसेंट पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन , नई दिल्ली , (आईएसबीएन-978-938753783-5) 2021 में 'डिजिटल डिवाइस : डेकशन इन द कांटेक्स्ट आफ इंडियन ऑनलाइन एजुकेशन इन कोविड-19 महामारी' शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित किया।
- पीएच.डी शोध छात्र मुहम्मद हसनुज्जमां मिया ने मार्च 2020 में स्वयं पोर्टल से 69% अंकों के साथ 'शैक्षिक प्रद्योगिकी' पर तीन क्रेडिट का एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।

गणित विभाग

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मौलिक एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ के अन्तर्गत गणित विभाग ने शैक्षिक वर्ष 2011-12 से पाँच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर विज्ञान पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है और वर्ष 2021-22 से गणित में पीएच. डी का प्रारंभ किया गया है।

उद्देश्य

- गणित में निमन्त्रित विशिष्ट प्राध्यापकों का प्रवेश।
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- वार्षिक संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलनों का आयोजन करना।
- निम्न सूचित को शुरू करनाः चूँकि 21वीं सदी गणितीय विज्ञान का युग बनने जा रहा है ऐसे में शोध कार्य के संदर्भ में जीनोमिक्स, जीव विज्ञान एवं पारिस्थितिकी जैसे विविध क्षेत्रों में गणित / सांख्यिकी का प्रयोग।

विभाग

1	**विभागाध्यक्ष का नाम**	श्री ज्योतिष्क दत्त, **सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी**
2	संपर्क विवरण	गणित विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेड़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा ई-मेलः: hod.math@cuo.ac.in

3.	शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता	1. ज्योतिष्का दत्ता, एम.एससी, एम.फिल्, यूजीसी-नेट, जीएटीई, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी 2. श्री रमेश चंद्र माति, एमसीए, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) 3. डॉ. दीपक राउत, एम.एससी, पी-एच.डी, यूजीसी-नेट, जीएटीई, व्याख्याता (संविदा) 4. डॉ. आनंद विश्वास, एम.एससी, यूजीसी-नेट, जीएटीई, पी-एच.डी, व्याख्याता (संविदा) 5. डॉ. शुभेन्दु मोहन श्रीचंदन मिश्र,पीएच.डी अतिथि प्रवक्ता (भौतिकी)
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	गणित में स्नातकोत्तर (5 वर्ष एकीकृत)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- वर्ष 2020-21 के शीत कालीं सत्र में प्रो. ए के मिश्रा,पूर्व निदेशक,गणित और अनुप्रयोग संस्थान, भूबनेश्वर ने,कॉम्प्लेक्स एनालीसिस और मैट्रिक स्पेस पर कक्षाएं लीं।
- डॉ छात्रों ने जेएएम 2020 उत्तीर्ण किया और आईआईटी गुवाहाटी तथा एमएनआईटी जयपुर में एमएससी कार्यक्रम मे प्रवेश लिया।
- एक छात्र ने 2020 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,वाराणसी के गणित विभाग में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश पाया।
- ऑनलाइन शिक्षण की सुविधा के लिए दो कमरों को स्मार्ट कक्षा मे परिवर्तित किया गया।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातक (बीसीए) पाठ्यक्रम की शुरुआत गणित विभाग के तहत किया गया था।वर्तमान में नवगठित कंप्युटर विज्ञान विभाग के तहत जारी है।सत्र 2021-2022 में बी सी ए कार्यक्रम बंद कर दिया गया है और एक नया पाठ्यक्रम कंप्युटर विज्ञान में स्नातकोत्तर प्रारंभ किया गया है।

उद्देश्य

- पूरे शैक्षणिक सत्र में कंप्यूटर विज्ञान में प्रख्यात प्रोफेसर को आमंत्रित करना
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कंप्यूटर प्रयोगशाला, पैरालाल कंप्यूटिंग प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना
- कंप्यूटर विज्ञान में एमसीए एम.टेक पी-एच.डी. नये पाठ्यक्रमों का आरंभ करना।
- वार्षिक संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलनों का आयोजन करना।

विभाग

1	**विभागाध्यक्ष का नाम**	**श्री ज्योतिष्का दत्ता, सहायक प्राध्यापक, विभाग मुख्य प्रभारी**
2	संपर्क विवरण	कंप्यूटर विज्ञान विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, सुनाबेड़ा, कोरापुट-763004, ओड़िशा ई-मेल :hod.cs@cuo.ac.in
3.	शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता	1. श्री सुशांत कुमार, एम.एससी (सीएस), एम.टेक (सीएसई), जीएटीई, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) 2. श्री पतितपाबन रथ, एमसीए, एम.टेक (सीएसई), व्याख्याता (संविदा) 3. श्री संदीप कुमार साहु, एम.एससी (सीएस), एम.टेक (सीएसई), यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) 4. डॉ. सरबेश्वर बारीक,पीएच. डी(गणित),संविदा व्याख्याता 5. सुश्री साथी लक्ष्मी गोत्तपु,एम टेक,अतिथि प्रवक्ता 6. श्री सिद्धांत बेहरा ,एम सी ए , अतिथि प्रवक्ता
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	बीसीए (3 वर्ष)

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग अध्ययन एवं समझने के लिए देश के भीतर तथा बाहर लाखों छात्रों के लिए प्रवेश द्वार खोल दिया है और जैव विविधता के गूढ़ रहस्य को समझने के लिए एवं समाज को अवश्यकता को पूरा करने के लिए आउटपुट प्रदान करती है। ओड़िशा एक समृद्ध एवं यहाँ जैवविविधता के साथ विभिन्न अनुसंधान के लिए अपार क्षमता है।

उद्देश्य

- कोरापुट एवं राज्य के निकटस्थ जिलों के जैव विविधता का अध्ययन करना,
- जैव विविधता क्षेत्र का मैपिंग करना एवं खतरे एवं स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण के लिए उपाय सुझाना,
- कोरापुट के आस-पास इलाके वनों को कार्बन जब्ती क्षमता की निगरानी करना,
- इस क्षेत्र की मौजूदा वनस्पतियों और जीव से कैरोटीन जैसे जैवसक्रिय पदार्थ निकालना और आजीविका उन्नयन कार्यक्रमों के साथ जोड़ना
- इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए तटीस समुदायों के लिए मछली खाद्य को विकसित करना,
- जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का मुकाबला करने के लिए विशिष्ट प्रजातियों के वृक्षारोपण कार्यक्रम आरंभ करना।

यह विभाग जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण (बीसीएनआर) में मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम विकास सलाहकार समिति ने मास्टर कार्यक्रम के लिए एक अभिनव और रचनात्मक आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम संरचना निकला है। शैक्षणिक सत्र 2014-15 से विभाग में अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फिल तथा पी-एच.डी) का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

विभाग

1	**विभागाध्यक्ष का नाम**	डॉ0 शरत कुमार पलिता, **प्रोफेसर तथा विभागीय मुख्य, डीबीसीएनआर एवं अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ**
2	संपर्क विवरण	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, लांडिगुडा, कोरापुट-764021, ओड़िशा, ई-मेल:hod.bcnr@cuo.ac.in दूरभाषः(06852) 288221, ओड़िशा
3.	शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता	1. डॉ. शरत कुमार पलिता, एम.एससी, एम.फिल. पी-एच-डी., प्राध्यापक, विभागीय मुख्य तथा अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर। 2. प्रो. के कमेश्वर राव,पूर्व प्रोफेसर,पर्यावरण विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय ,अतिथि प्राध्यापक 3. डॉ. काकोली बनर्जी, एम.एससी, पी-एच.डी. सहायक प्राध्यापक 4. डॉ. देवव्रत पांडा, एम.एससी. एम.फिल., पी-एच.डी, सीएसआईआर/यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग में स्नातकोत्तर (2 वर्ष), एम.फिल. (1 वर्ष) तथा पी-एच.डी

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 8 फरवरी 2021 को पीएच. डी शोध छात्र श्री राकेश पॉल(डीएसटी-आईएनएसपीआईआरई- फ़ेलो) को विषय 'रिमोट सेन्सिंग और जीआइएस का उपयोग कर जलवायु परिवर्तन के संबंध में कोरापुट जिले , ओड़िशा के वन आवरण गतिशीलता का अध्ययन' पर सहायक प्राध्यापक ककोली बनर्जी के निदेशन में पीएच. डी की उपाधि मिली।
- दो एम. फिल के शोध छात्रों कपिलेश्वर मल्लिक को सहायक प्राध्यापक डॉ. के. बनर्जी और सुश्री प्रियांजली को प्रो. शरत कुमार पलिता के मार्गदर्शन में उपाधि मिली।
- वर्ष 2019-2020 के सत्र में 25 विद्यार्थियों ने अपना स्नातकोत्तर पूरा किया। सुश्री शुभाश्री पात्रा को प्रथम स्थान मिला और स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।
- जनवरी 2020 में प्रो. के कमेश्वर राव,पूर्व प्रोफेसर,पर्यावरण विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय ,ने अतिथि प्राध्यापक के रुप में पदभार संभाला।

- दिनांक 30 जुलाई 2020 को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग ने 'जैव-विविधता-पर्यावरण-स्वास्थ्य' विषय पर राष्ट्रीय स्तर के वेबमिनार का आयोजन किया।
- दिनांक 20 जुलाई 2020 को विभाग ने कोविड-19 वैश्विक लॉकडाउन पर्यावरण संरक्षण पर एक विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया। प्रो. एमएनवी प्रसाद, अतिथि प्राध्यापक ने व्याख्यान दिया।
- दिनांक 15 से 20 जून 2020 के दौरान सोध छात्र श्री अनिर्बान मेहता और आयुष्मिता नाईक ने सांख्यिकी में साईफर द्वारा आर के साथ डेटा विश्लेषण पर 6 दिनों की कार्यशाला में भाग लिया।
- अगस्त को दौरान शोध छात्र श्री अनिर्बान मेहता और आयुष्मिता नाईक ने साइफर विश्लेषण द्वारा आयोजित 'डेटा विश्लेषण ई लर्निंग के साथ' विषय पर 10 दिनों की कार्यशाला में भाग लिया।
- रिसर्च स्कॉलर्स श्री अनिर्बान मेहता, सुप्रिया सुरचिता,आयुष्मिता नाइक , प्रफुल्ल बेहरा अस्मिता बासु और आलोकीक पांडा ने भाग लिया:
  - दिनांक 30 जुलाई 2020 को ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग द्वारा आयोजित 'जैव विविधता-पर्यावरण- स्वास्थ्य' विषय पर वेबमिनार में।
  - शोध छात्र श्री अनिर्बान मेहता, आयुष्मिता नाईक, और प्रफुल्ल बहरा ने भाग लिया:
    - 13 जुलाई 2020 -02अगस्त 2020 के दौरान भूगोल विभाग, पृथ्वी विज्ञान स्कूल, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय और राज्य शहरी विकास संस्थान, कर्नाटक, भारत द्वारा आयोजित क्यूजीआईएस का उपयोग करते हुए 21 दिनों का ऑनलाइन जीआईएस प्रशिक्षण कार्यक्रम में।
    - 7 सितंबर 2020 को क्लेरिव द्वारा आयोजित "विज्ञान प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम की वेब की मूल श्रृंखला" पर वेबिनार में ;
    - 1 अक्टूबर 2020 को क्लेरिव द्वारा आयोजित "विज्ञान प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम के वेब की अग्रिम श्रृंखला" में ;
    - 5- 19 नवंबर 2020 के दौरान "संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के समर्थन में मैंग्रोव के लिए रिमोट सेंसिंग" पर नासा का एप्लाइड रिमोट सेंसिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम में ;
- रिसर्च स्कॉलर्स श्री अनिर्बान महता, सुप्रिया सुरचिता, आयुस्मिता नाइक, आलोक कुमार नाइक और प्रियांजली रॉय ने भाग लिया:
  - 27 जनवरी 2020 को " आण्विक फाइलोजेनी एंड आण्विक डॉकिंग" विषय पर 19 के दौरान मिज़ोरम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी स्ट्राइड कार्यशाला में [३]।
- शोध विद्वानों सुश्री सुप्रिया सुरचिता, आलोक कुमार नाइक और आलोकिका पांडा ने भाग लिया:
  - दिनांक 8 मार्च 2020 को "COVID-19 के समय में भारतीय महिला नेतृत्व ; नेतृत्व में विषय - महिलाओं: Covid -19 विश्व में एक समान भविष्य" विषय पर आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) द्वारा आयोजित वेबमिनार में [३];
- शोध विद्वानों सुश्री सुप्रिया सुरचिता, आलोक कुमार नाइक और अस्मिता बसु ने भाग लिया:
  - दिनांक 12 फरवरी 2020 को आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) द्वारा आयोजित "सतर्कता और पहल कार्यस्थल में लिंग मुख्य धारा" पर वेबमिनार में [३]।
- श्री प्रकाश परसेठ, अस्मिता बसु और आलोकिका पांडा, रिसर्च स्कॉलर्स ने भाग लिया:
  - जुलाई 2020-अक्टूबर 2020 के दौरान सीइसी द्वारा आयोजित "अकादमिक लेखन" पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम में ;
  - दिनांक 2-6 नवंबर 2020 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की द्वारा आयोजित "जल गुणवत्ता के लिए डेटा प्रसंस्करण" पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम; तथा
  - आइएडब्ल्यूईईएस और आइएचई डेल्फ़्ट द्वारा 1-3 दिसंबर 2020 के दौरान आयोजित "जल, पर्यावरण, भूमि और समाज में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का अनुप्रयोग" पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।
- शोधार्थियों श्री आलोक कुमार नाइक और सुश्री प्रियंजली रॉय ने भाग लिया:
  - "वन्यजीव संरक्षण: कोविड-19 महामारी के प्रभावों में एक अंतर्दृष्टि" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 1 और 2 जुलाई, 2020 को जूलॉजी विभाग, डीसीटी के धेम्पे कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, मीरामार, पणजी, गोवा द्वारा आयोजित।
- शोधार्थियों श्री प्रफुल्ल बेहरा और सुश्री प्रियांजोली रॉय ने भाग लिया
  - 25 जून 2020 को 'प्रकाशन नैतिकता पर वेबिनार: इनफ्लिबनेट केंद्र के सहयोग से स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशकों, पत्रिकाओं, शोधकर्ताओं और संस्थानों की भूमिका।'

- अनुसंधान विद्वान श्री अनिर्बान महता ने भाग लिया
  - 15-22 मई 2020;कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड साइंस फॉर वुमन,पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित वेबनार सीरीज "युवा जीव के लिए कौशल विकास ट्रिगर"
  - 12 जून 2020 को "बौद्धिक संपदा अधिकार: उद्यमी मानसिकता और अनुसंधान नीतिशास्त्र" पर आसनसोल गर्ल्स कॉलेज, आसनसोल, पश्चिम बंगाल की ओर से आयोजित वेबिनार
  - लेटेक्स पर ग्रीष्मकालीन ऑनलाइन कार्यक्रम,जमाल मोहम्मद कॉलेज, तिरुचिरापल्ली द्वारा आयोजित,15-19 जून 2020;
  - 18-20जून2020 को सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर एसोसिएशन एवं रैड्यन्ट ग्रुप ऑफ इन्स्टिच्यूशन, जबलपुर (मध्य प्रदेश) भारत द्वारा आयोजित; पीएचडी रिसर्च स्कॉलर्स के लिए 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला।
  - 25 जून 2020 को आसनसोल गर्ल्स कॉलेज, आसनसोल, पश्चिम बंगाल की ओर से आयोजित वेबिनार जिसका शीर्षक था "जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन: हालिया प्रसंग'', जूलॉजी विभाग, केंद्रपाड़ा स्वायत्त कॉलेज, केंद्रपाड़ा द्वारा आयोजित "जैव विविधता और इसके संरक्षण" नामक वेबिनार ;
  - 20-24 जुलाई 2020 के दौरान जमाल मोहम्मद कॉलेज, तिरुचिरापल्ली द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सुदूर संवेदन और डेटा विश्लेषण विषय पर पर ऑनलाइन आयोजन।
  - 21जून से 4जुलाई 2020 के दौरान पृथ्वी अवलोकन द्वारा जल बजट हेतु नदी बेसिन प्रबंधन2 के लिए नासा के एप्लाइड रिमोट सेंसिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम;
  - 17-22 अगस्त को फ्रांसिस जेवियर कॉलेज, तिरुनेलवेली द्वारा आयोजित बेसिक रिमोट सेंसिंग, जीआईएस एवं जीएनएसएस;
  - 25-26 अगस्त 2020 के दौरान सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर द्वारा आयोजित जैव विविधता और पारिस्थितिक बहाली के लिए एकीकृत रणनीतियाँ;
  - 31अगस्त 2020 को पंडित रघुनाथ मुर्मू स्मृति महाविद्यालय, बांकुड़ा, पश्चिम बंगाल द्वारा "पर्यावरण और स्थिरता: भूमि, जल और पारिस्थितिकी तंत्र परिप्रेक्ष्य" विषय पर वेबिनार का आयोजन
  - 3 सितंबर 2020 को भारत का जूलोंजीकल सर्वे द्वारा "भारत में जलीय एन्टोमोफ़ौनल विविधता" विषय पर वेबिनार का आयोजन;
  - 5-19 नवंबर के दौरान नासा के रिमोट सेंसिंग एप्लाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत "संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के समर्थन में कच्छ वनस्पति के लिए रिमोट सेंसिंग"का आयोजन।
- सुश्री अर्चना स्नेहसिनी तुरुक, रिसर्च स्कॉलर ने भाग लिया
  - 11-14 जून 2020 के दौरान "सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण और व्याख्या एसपीएसएस का उपयोग" विषय पर चार दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन;
  - 6 -8 अगस्त के दौरान "बहुभिन्नरूपी सांख्यिकीय विश्लेषण और इसकी व्याख्या एसपीएसएस और अमोस का उपयोग "विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन;
  - 17जून 2020 को संयुक्त रूप से महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा "भारतीय उच्च शिक्षा में महिला: चुनौतियां और अवसर" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन;
  - 20-21 मार्च 2020 के दौरान "अनुसंधान स्ट्रक्चरिंग, सांख्यिकीय इनसाइट्स और प्रकाशन रणनीतियाँ"विषय पर राष्ट्रीय फाउंडेशन उद्यमिता विकास (NFED), कोयंबटूर, तमिलनाडु;द्वारा दो दीयसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन।
- शोधार्थी सुश्री सुप्रिया सुरचिता ने भाग लिया
  - 19 अगस्त 2020 को "भारत के जीव विविधता"विषय पर भारत का जूलोंजीकल सर्वे, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र के द्वारा वेबिनार का आयोजन;
  - 24 अगस्त 2020 को "सिद्धांतों और पशु वर्गीकरण की प्रथाएं: शास्त्रीय और आण्विक दृष्टिकोण"विषय पर पश्चिमी घाट क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कोझीकोड द्वारा आयोजित वेबिनार;
  - 27 अगस्त 2020 को जूलॉजी विभाग,उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और उड़ीसा जूलॉजिकल सोसायटी द्वारा आयोजित "कोविड-19 के लिए टीके और आगे "विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन;
  - 20 सितंबर 2020 को "परसेपटिव ऑन फिश टैक्सोनॉमी''विषय पर जूलॉजी विभाग ,बजकुल मिलानी महाविद्यालय, किस्मत बजकुल , पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, भारत, द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन;

- 23-27 मार्च 2020 के दौरान जलीय जीवविज्ञान और मत्स्य विभाग, केरल विश्वविद्यालय एवं मत्स्य पालन और महासागर अध्ययन केरल विश्वविद्यालय (KUFOS), कोच्चि;भारत के संयुक्त तत्वाधान में "ईचथ्योटैक्सोनॉमी(आईटीडब्ल्यूआईटी2021) अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला"विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन;
- शोध विद्वानों सुश्री आयुस्मिता नाइक ने भाग लिया
  - 23-28 मई 2020 के दौरान भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून के तत्वाधान में सिएएमपए-दूगोंग दिवस रिकवरी परियोजना तथा दूगोंग दिवस के भाग के रूप में निबंध लेखन प्रतियोगिता;
  - 5 जून 2020 को डब्ल्यूडब्ल्यूएफ एनविस संसाधन सहयोगी के आयोजन हुए बर्ड पहचान प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
  - 15-19 जून 2020 के दौरान लेटेक्स पर ग्रीष्मकालीन ऑनलाइन कार्यक्रम ;
  - 21-26 सितंबर 2020 के दौरान फ्रांसिस जेवियर इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा आयोजित तथा एआईसीटीई प्रायोजित "रिमोट सेंसिंग भौगोलिक सूचना प्रणाली और ग्लोबल नेवीगेशन सेटेलाइट सिस्टम (GNSS): द्वितीय चरण" विषय पर ऑनलाइन अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक सप्ताह पूरे किए।
  - 22 सितंबर 2020 को खेजुरी कॉलेज के एक्वाकल्चर प्रबंधन और जूलॉजी विभाग तथा आईक्यूएसी,खेजुरी कॉलेज, पूर्व मेदिनीपुर के सहयोग से 'कीट:पृथ्वी पर उपदेशक'विषय पर वेबिनार का आयोजन;
  - 16 सितंबर 2020 को केरल के कुनुर प्रांत के प्रोविडेंस महिला कॉलेज के इको ग्रीन क्लब द्वारा 'भविष्य के लिए प्रकृति का संरक्षण' विषय पर पारिस्थितिकी प्रश्नोत्तरी का आयोजन।
  - 8 सितंबर 2020 को मिजोरम विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग द्वारा "ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और विकास का एकीकरण"विषय पर वेबिनार का आयोजन।
  - 29 नवंबर 2020 को "प्रजाति वितरण मॉडलिंग" पर एकदिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम।
- अनुसंधान विद्वान श्री आलोक कुमार नाइक ने भाग लिया
  - 29 जून, 2020 को जूलॉजी विभाग, केंद्रपाड़ा स्वायत्त कॉलेज, केंद्रपाड़ा द्वारा आयोजित 'जैव विविधता और उसके संरक्षण' पर वेबिनार।
- रिसर्च स्कॉलर श्री प्रफुल्ल कुमार बेहरा ने भाग लिया।
  - बेनेट विश्वविद्यालय द्वारा 'अनुसंधान लेखन और प्रकाशित करने के लिए आवश्यक कौशल' पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन 15-19 जून 2020 को किया गया।
  - 17 जून 2020 को केआईआईटी-टीबीआई द्वारा 'एलिमेंटल स्पेक्ट्रोस्कोपी इनोवेशन पर अग्रणी रास्ता' पर वेबिनार;
  - 24 जून 2020 को महिला महाविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'वर्तमान परिदृश्य में मानव स्वास्थ्य पर प्राकृतिक उत्पादों की संभावनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार';
  - 23 जुलाई 2020 को सोसाइटी ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च द्वारा "कोविद -19: हर्ब्स एंड न्यूट्रास्युटिकल्स फॉर स्ट्रॉन्गिंग इम्युनिटी" पर राष्ट्रीय वेबिनार;
  - 28 और 29 जुलाई 2020 को फकीर मोहन विश्वविद्यालय द्वारा 'रिसर्च फ्रंटियर्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स इन बायोसाइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह वेबिनार;
  - 6 जनवरी 2021 को गढ़वाल विश्वविद्यालय द्वारा 'स्वयं एमओओसी और अकादमिक लेखन' पर ई-कार्यशाला;
  - 29 दिसंबर 2020 को माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी के सहयोग से ढेंकनाल ऑटोनॉमस कॉलेज द्वारा 'माइक्रोबायोलॉजी एंड थेरेप्यूटिक्स' पर राष्ट्रीय वेबिनार;
  - 13 जुलाई 2020 को आंध्र लोयोला कॉलेज (स्वायत्त) द्वारा 'कम्प्यूटेशनल मॉलिक्यूलर बायोलॉजी' पर वेबिनार;
  - 22 जून 2020 को जगन नाथ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार 'आयुर्वेद में उभरते रुझान और कोरोना शमन के लिए वैकल्पिक दवाएं';
  - 26 जून 2020 को मंदसौर विश्वविद्यालय द्वारा 'आणविक जीव विज्ञान और प्रोटीन जीव विज्ञान में वर्तमान रुझान' पर राष्ट्रीय वेबिनार;
  - राष्ट्रीय ऑनलाइन 'एलसी-एमएस पर कार्यशाला: इंस्ट्रुमेंटेशन और इसके उपयोग में
  - 10 और 11 जून 2020 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा 'बायोएक्टिव अणुओं की मात्रा और पहचान'।
  - 30 जून-2020 को "ऑक्सफोर्ड जर्नल्स के साथ कैसे प्रकाशित करें" पर कार्यशाला।

- 29 जून से 01 जुलाई 2020 तक आईडीपी-एनएएचईपी द्वारा 'नवाचार खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों, मूल्यवर्धन, खाद्य सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा' पर ऑनलाइन छात्र और संकाय विकास कार्यक्रम;राष्ट्रीय वेबिनार
- 30 जून 2020 को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा 'हाउ टू पब्लिश विद ऑक्सफोर्ड जर्नल्स' पर प्रशिक्षण सत्र;
- 08 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ऑन्कोलॉजी IAO द्वारा 'कैंसर सपोर्टिव केयर में प्रगति का एक दशक: मिथक या वास्तविकता' पर वेबिनार;
- 18 जुलाई 2020 को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ऑन्कोलॉजी आईएओ द्वारा 'कोविद -19 महामारी में ऑन्कोलॉजी वैज्ञानिक अद्यतन' पर वेबिनार;
- 29 जून 2020 को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के सहयोग से स्प्रिंगर नेचर द्वारा 'कोविद -19 और पर्यावरण संबंध' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार;
- पौधों में आणविक मार्कर आधारित विविधता पर वेबिनार सत्र: 21 अगस्त 2020 को महिलाओं के लिए माइकल जॉब कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस द्वारा एसएनपी विधि।
- 2 और 3 जून 2020 को नेकां ऑटोनॉमस कॉलेज द्वारा 'वैश्विक पर्यावरण पर प्रभाव कोविद -19 और इसकी रोकथाम' पर राष्ट्रीय वेबिनार;
- 27 और 28 जून 2020 को नेकां ऑटोनॉमस कॉलेज द्वारा "कोविद -19 के खिलाफ पोषण और स्वास्थ्य" पर राष्ट्रीय कार्यशाला;
- 15 से 19 जून, 2020 तक सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (INFLIBNET) केंद्र, गांधीनगर, गुजरात द्वारा आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम "अनुसंधान पद्धति और नैतिकता: साहित्यिक चोरी के मुद्दे, संदर्भ प्रबंधन उपकरण और अल्टीमेट्रिक"।
- 28 अगस्त 2020 को Bioingene.com द्वारा आयोजित 'वीड साइंस: कैलिफोर्निया राइस सिस्टम्स में चुनौतियां' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार;
- 15 जुलाई 2020 को Bioingene.com द्वारा आयोजित 'प्लांट वायरल डिजीज: इकोनॉमिक इंप्लीकेशंस एंड देयर मैनेजमेंट' पर वेबिनार;
- जल नीति केंद्र, भारत और नेपाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड एंगेजमेंट (एनआईआईसीई), नेपाल द्वारा 5 जून, 2020 को ऑनलाइन आयोजित "कोविड-19 और पर्यावरण: महामारी से सबक" पर वेबिनार;
- जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा, भारत द्वारा 29 जून से 5 जुलाई 2020 तक आयोजित "जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान और स्वास्थ्य देखभाल में प्राकृतिक उत्पादों" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार;
- 5 और 6 जुलाई 2020 को उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र द्वारा लागू विज्ञान-2020 (MICTAS-2020) में आधुनिक वाद्य और लक्षण वर्णन तकनीकों पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन;
- बायोनिविड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा "मेटाजेनोम सीक्वेंसिंग के अनुप्रयोग" पर वेबिनार 23 मई 2020 को प्रस्तुत किया गया;
- मार्च 2021 में आयोजित 86% परीक्षा के समेकित स्कोर के साथ स्वयंवर ऑनलाइन MOOC पाठ्यक्रम 'अकादमिक लेखन' पूरा किया।

- श्री प्रकाश परसेठ, अनुसंधान विद्वान ने भाग लिया
  - इंस्टीट्यूट फॉर स्टैटिस्टिक्स एंड एनालिटिकल रिसर्च, चेन्नई द्वारा आयोजित "आर-प्रोग्रामिंग भाषा का उपयोग करके सांख्यिकीय विश्लेषण" पर पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला, 11-15 मई 2020 के दौरान आयोजित;
  - विरुधि, इन्फोडिजिटल एजुकेशनल ऑर्गनाइजेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित "माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल फंडामेंटल" पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला, 09-सितंबर-20 को आयोजित।
  - 23-25 अप्रैल 2021 के दौरान एकीकृत उन्नत अनुसंधान और सूचना संस्थान (IIARI) द्वारा आयोजित "SPSS: एक सांख्यिकीय विश्लेषण उपकरण" पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला।
  - जूम एप के माध्यम से "एसरी यूजर कॉन्फ्रेंस इंडिया लाइव 2020" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। 14-16 जुलाई 2020 के दौरान आयोजित Esri UC, INDIA LIVE द्वारा आयोजित;
  - फाइवविद्या, पीएचडी रिसर्च कंसल्टेशन द्वारा आयोजित "थीसिस राइटिंग एंड एकेडमिक पब्लिशिंग पर एक घंटे की वेबिनार प्रस्तुति" पर एक वेबिनार, 12 सितंबर 2020 को आयोजित;
  - "जैव विविधता अधिनियम, 2002 और संबंधित प्रावधान के रू-बरू प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन" ISAACCR, पर्यावरण, स्वास्थ्य, और पोषण एवं विष विज्ञान (Sehat), पर 13 आयोजित के बारे में जागरूकता के लिए सोसायटी द्वारा आयोजित [th] सितंबर 2020;

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा आयोजित "रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस: टेक्नोलॉजीज एंड एप्लिकेशन" पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम - राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो, क्षेत्रीय केंद्र, जोरहाट, असम, 5-16 अक्टूबर 2020 के दौरान आयोजित किया गया। .

- सुश्री अस्मिता बसु, रिसर्च स्कॉलर ने भाग लिया
  - सांख्यिकीय और विश्लेषणात्मक अनुसंधान संस्थान, चेन्नई द्वारा 22-24 जून, 2020 तक आयोजित "समय श्रृंखला और क्लस्टर विश्लेषण में आर के अनुप्रयोग" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला ;
  - 2 दिन (20-21 जुलाई, 2020) मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय, कोडाइकनाल द्वारा आयोजित "एसपीएसएस का उपयोग कर अनुसंधान में सांख्यिकीय उपकरण" पर राष्ट्रीय कार्यशाला ;
  - 7 दिन (18-24 अगस्त, 2020) विरुधि इन्फो डिजिटल एजुकेशनल ऑर्गनाइजेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित "माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल बेसिक से एडवांस एक्सेल" पर ऑनलाइन कार्यशाला। लिमिटेड, चेन्नई; तथा
  - 7-10 सितंबर, 2020 के दौरान इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स द्वारा आयोजित "सस्टेनेबल ह्यूमन डेवलपमेंट के लिए सांख्यिकी और डेटा विज्ञान में प्रगति" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।
- शोध विद्वानों सुश्री प्रियंजोली रॉय ने भाग लिया
  - आईआईटी खड़गपुर के सहयोग से एडुफैब्रिका द्वारा आणविक जीव विज्ञान और जैव रसायन तकनीक पर कार्यशाला। 30 जनवरी- 25 फरवरी, 2021;
  - NMCG- WII जैव विविधता संरक्षण पहल चरण II द्वारा गंगा बेसिन में मीठे पानी के मैक्रो-फॉना के बचाव और पुनर्वास की मूल बातें पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम। 17 जून, 2020; तथा
- सुश्री अलौकिका पांडा, रिसर्च स्कॉलर ने भाग लिया
  - लेखक कैफे द्वारा 7 से 9 जुलाई, 2020 तक आयोजित "शोध लेखन और प्रकाशन" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।
  - अंसल विश्वविद्यालय, गुड़गांव द्वारा 9 जुलाई 2020 को आयोजित "आर एंड डी, बौद्धिक संपदा और अकादमिक में नवाचार प्रबंधन- आत्मनिर्भर भारत के तहत" पर राष्ट्रीय वेबिनार।
  - 24 जुलाई 2020 को आयोजित ईगैलेक्टिक, पुणे, महाराष्ट्र के सहयोग से दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन (डीएलए) द्वारा आयोजित "साहित्यिक चोरी और उसके परिणामों को एक साहित्यिक चोरी उपकरण के रूप में उरकुंड का उपयोग करना" पर वेबिनार।
  - पर्यावरण विज्ञान विभाग, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची द्वारा 11 अगस्त 2020 को आयोजित "कोविद- 19, पर्यावरण पर प्रभाव और प्रभाव" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।
- श्री प्रमोद कुमार बिंदानी, रिसर्च स्कॉलर ने भाग लिया
  - रिसर्च स्ट्रक्चरिंग, सांख्यिकीय इनसाइट्स और प्रकाशन रणनीतियाँ पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार ज़ूम एप्लिकेशन के माध्यम से, 20 को आयोजित वें और 21 सेंट मार्च 2021।

वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन स्कूल

व्यवसाय प्रबंधन विभाग

व्यवसाय प्रबंधन विभाग शैक्षणिक सत्र 2014-15 से शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य छात्रों की रोजगार की जरूरतों को पूरा करना है।

विभाग के उद्देश्य:

- गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने और रोजगार योग्यता और उद्यमिता विकसित करने के लिए उत्कृष्टता विभाग बनना।
- युवा उद्यमियों और प्रबंधकों को प्रशिक्षित और तैयार करना जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक क्षेत्रों में क्षेत्र और राष्ट्र के विकास में सेवा और योगदान देंगे।

विभाग

1.	**मुखिया का नाम**	प्रशांत कुमार बेहरा, सहायक प्रोफेसर और एचओडी प्रभारी
2.	सम्पर्क करने का विवरण	व्यवसाय प्रबंधन विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, सुनबेड़ा, कोरापुट-763004, ओडिशा, ई-मेल: hod.bm@cuo.ac.in
3.	योग्यता के साथ शिक्षण सदस्य	1. डॉ प्रीतीश बेहरा, एमबीए, एमएफएम, पीएच.डी. (व्यवसाय प्रशासन(, संविदा पर व्याख्याता 2. डॉसुभाष चंद्र पटनायक ., एमबीए, FDPM-IIMA, APSET (प्रबंधन(, पीएच.डी. (व्यवसाय प्रशासन(, अनुबंध पर व्याख्याता 3. श्री यादव देवी प्रसाद बेहरा, एम.कॉम., एमफिल। (वाणिज्य(, अतिथि संकाय 4. सुश्री पबिशा चट्टोपाध्याय, एमबीए (एचआरएम), अतिथि संकाय 5. श्री केश्रीनिवास राव ., एमबीए (विपणन और वित्त), अतिथि संकाय
4	विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम	2 वर्षीय एमबीए (नियमित) कार्यक्रम 2 वर्षीय एमबीए (कार्यकारी) कार्यक्रम

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियां

- व्यवसाय प्रबंधन विभाग के तत्वावधान में एमबीए (कार्यकारी), 2 साल का कार्यक्रम शुरू किया गया था। उद्घाटन कार्यक्रम 21 जनवरी 2021 को प्रोरामब्रह्मम .आई ., कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट की अध्यक्षता में, विश्वविद्यालय और उद्योग के उच्च-स्तरीय गणमान्य व्यक्तियों के बीच आयोजित किया गया था।
- 11 मई 2020 को 'उद्यमितापोस्ट कोविद परिदृश्य :' पर ऑनलाइन विशेष व्याख्यान डॉ अक्षिता बहुगुणा, फ्यूचर आइकॉन के संस्थापक और निदेशक, नई दिल्ली द्वारा दिया गया।
- प्रोश्रीनिवास राव .के ., एडजंक्ट प्रोफेसर, आईआईआरएम, हैदराबाद द्वारा 29 मई 2020 को 'कोविड-19 के बाद पर्यावरण में भारत के बैंकिंग क्षेत्र की चुनौतियां और अवसर' पर ऑनलाइन विशेष व्याख्यान।
- डॉ प्रदीप कुमार परिदा, एसोसिएट प्रोफेसर, पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी, रायबरेली राजीव गांधी संस्थान, उत्तर प्रदेश 2 के लिए शोध कार्यप्रणाली पर विशेषज्ञ व्याख्यान ले लिया [nd] सेमेस्टर एमबीए छात्रों। (नियमित)
- वर्ष के दौरान एमबीए :कार्यक्रम के लिए विभाग से जुड़े संसाधन व्यक्तियों का विवरण (कार्यकारी)2020-21

1. वित्तीय लेखा और रिपोर्टिंग (EMBACP104): प्रो. शक्ति रंजन महापात्र, डीन मैनेजमेंट, बीजू पटनायक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ओडिशा।
2. प्रबंधकों के लिए सांख्यिकी (EMBACP 103): प्रो. दिव्य ज्योति भट्टाचार्जी, प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, असम विश्वविद्यालय।
3. उत्पादन संचालन प्रबंधन (ईएमबीएसीपी 102): प्रो. अरुण कुमार पांडा, प्रोफेसर- व्यवसाय प्रशासन विभाग (सेवानिवृत्त)
4. कॉर्पोरेट संचार कार्यशाला (ईएमबीएसीपी 108): प्रो. ई राजाराव, विजिटिंग प्रोफेसर, अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट।
5. सिद्धांत और संगठनात्मक व्यवहार। (ईएमबीएसीपी 101: डॉ. लालतेन्दु केशरी जेना, सहायक प्रोफेसर (एचआर एंड ओबी), स्कूल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जेवियर यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, भारत।
6. प्रबंधन सूचना प्रणाली (ईएमबीएसीपी 107): डॉ. भव्या आहूजा ग्रोवर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान में सहायक प्रोफेसर।
7. व्यापार अर्थशास्त्र और पर्यावरण (ईएमबीएसीपी 106): डॉ संदीप कुजूर, सहायक प्रोफेसर, सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आईपीई), हैदराबाद
8. प्रबंधकीय अर्थशास्त्र (ईएमबीएसीपी 105): डॉ उषा नूरी, सहायक प्रोफेसर, सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आईपीई), हैदराबाद

अनुप्रयुक्त विज्ञान के स्कूल

सांख्यिकी विभाग

एप्लाइड साइंसेज स्कूल के तत्वावधान में सांख्यिकी विभाग, सत्र 2015-16 के दौरान स्थापित किया गया। वर्तमान में, विभाग दो वर्षीय एम.एससी. अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में कार्यक्रम। विभाग अपने छात्रों को सैद्धांतिक सांख्यिकी, अग्रिम वैकल्पिक पाठ्यक्रम और गहन सांख्यिकीय विश्लेषण परियोजना कार्य में एक ठोस आधार प्रदान करता है। विभाग छात्रों को सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण करने में सक्षम बनाने के लिए नवीनतम डेटा विज्ञान उपकरण जैसे आर, पायथन, ऑक्टेव, साइलैब आदि में कठोर प्रशिक्षण और जोखिम भी प्रदान करता है।

मूल विचार छात्रों को सांख्यिकीविद् के रूप में स्थानांतरित करना है जो सरकारी और कॉर्पोरेट कार्यालयों में काम कर सकते हैं और समाज की नवीनतम चुनौतियों में अनुसंधान कार्य भी कर सकते हैं जैसे कि जेनेटिक्स जैसे विभिन्न विषयों के लिए, छात्रों का एक साधन बनने का इरादा है लागू क्षेत्रों में सामाजिक विकास।

उद्देश्यों

- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरती प्रौद्योगिकी की जरूरतों का सामना करने के लिए मजबूत सांख्यिकीयगणितीय पृष्ठभूमि प्रदान करना/;
- एसएएस, आर और मैटलैब आदि जैसे नवीनतम विश्लेषणात्मक उपकरणों पर छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए जो विश्लेषणात्मक और फार्मास्युटिकल दोनों क्षेत्रों में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की नौकरी हासिल करने के लिए आवश्यक हैं;
- राष्ट्रीय परीक्षाओं जैसे आईएसआई, आईएसएस और डीआरडीओ आदि को उत्तीर्ण करने के लिए छात्रों को उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करना;
- राष्ट्र के लिए आवश्यक अंतरअनुशासनात्मक पाठ्यक्रमों को लेने के लिए छात्रों को प्रेरित करना-; तथा
- अग्रणी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में गुणवत्तापूर्ण शोध लेख तैयार करना।

विभाग

1.	**मुखिया का नाम**	डॉ महेश कुमार पांडा, सहायक प्रोफेसर और एचओडी प्रभारी
2.	सम्पर्क करने का विवरण	सांख्यिकी विभाग, ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय सुनबेड़ा, कोरापुट-763004, ओडिशा, ईमेल: hod.statistics@cuo.ac.in
3.	योग्यता के साथ शिक्षण सदस्य	1. डॉ महेश कुमार पांडा, एमएससी, एम.फिल., पीएच.डी., सहायक। प्रोफ़ेसर 2. श्री सुमन दास, एमएससी, एम.फिल., संविदा पर व्याख्याता
4.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	एमएससी सांख्यिकी में (2 वर्ष), एम.फिल। सांख्यिकी में (1 वर्ष) और पीएच.डी. सांख्यिकी में

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियां

- श्री खोकन कुमार प्रमाणिक को एम.फिल. डॉ महेश कुमार पांडा, सहायक के मार्गदर्शन में सांख्यिकी में। विभाग के प्रोफेसर।
- श्री रुशी प्रसाद साहू, पीएच.डी. स्कॉलर ने 24-28 फरवरी, 2021 के दौरान आईसीएआरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी-, हैदराबाद द्वारा आयोजित एसएससीए -विस्टा)2021) के 23वें वार्षिक सम्मेलन में 'मिश्रण प्रयोगों के साथ रैखिक लॉग कंट्रास्ट मॉडल के लिए आर-इष्टतम डिजाइन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। .
- श्री उज्ज्वल रॉय, पीएच.डी. स्कॉलर ने 24 से 26 सितंबर 2020 के दौरान पीजी सांख्यिकी विभाग, जीएम विश्वविद्यालय, संबलपुर द्वारा आयोजित 'अनिश्चितता के साथ काम करने के लिए सांख्यिकीय पद्धति' पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'सेंसर्ड लाइफ टेस्टिंग प्रयोगों में इष्टतम योजनाओं की समीक्षा' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- श्री उज्ज्वल रॉय, पीएच.डी. स्कॉलर ने 25 अगस्त 2020 को सांख्यिकी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान द्वारा आयोजित 'रिग्रेशन एनालिसिस एंड इट्स एप्लीकेशन्स' पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'सेंसर्ड लाइफ टेस्टिंग एक्सपेरिमेंट्स में इष्टतम योजनाएं' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- श्री उज्ज्वल रॉय, पीएच.डी. स्कॉलर ने 6-7 मार्च 2021 के दौरान भारतीय सांख्यिकी संस्थान)ISI) कोलकाता द्वारा आयोजित 'यंग स्टैटिस्टिक्स मीटडेटा साइंस इन एक्शन :, 2021' पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियां

अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग

प्रो. वी.आर.बैडिगेर

प्रकाशन:

- 'एन एंथोलॉजी ऑफ मॉडर्न इंडियन इंग्लिश पोएट्री' नामक पुस्तक। संपादित। आगरावर्तमान प्रकाशन :, मई 2020।
- 'चांद बीबीद नोबल क्वीन :' नाम *की* किताब / एक उपन्यास। संशोधित और पुनसंपादित। : आगरावर्तमान प्रकाशन :, दिसंबर 2020।
- 'ताराए टेल ऑफ़ ए ब्राह्मण विडो :' नामक पुस्तक। एक उपन्यास। संशोधित और पुनसंपादित। : आगरावर्तमान प्रकाशन :, जनवरी 2021।
- 'एन एंथोलॉजी ऑफ पोस्टकोलोनियल वुमन पोएट्री-' शीर्षक वाली पुस्तक। संपादित। आगरावर्तमान प्रकाशन :, मार्च, 2021।

डॉ यशपाल बीएम

- *इंडियन रिव्यू ऑफ वर्ल्ड लिटरेचर इन इंग्लिश, (* जून 2020) में 'अनसक्सेसफुल एंड सक्सेसफुल स्ट्रगल्स ऑफ स्लेव्सए कम्पेरेटिव स्टडी : ऑफ अंकल टॉम्स केबिन, अनटचेबल, माज्या जलमाची, चित्रकथा और आयदान' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।

हिन्दी विभाग

डॉ सौम्या रंजन दास

प्रकाशन

- *हिंदी सिनेमा* शीर्षक वाली पुस्तक *: साहित्य में अंतरसंबधों की खोज*। कानपुरअमन प्रकाशन :, (जुलाई, 2020).

ओडिया भाषा और साहित्य विभाग

डॉ. आलोक बराल

- 19.06.2020 को ओडिया विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा आयोजित वेबिनार में (वेबिनार का समन्वय) 'ओडिया लिटरेचर एंड यू' (देवदास छोत्रे के साथ साहित्यिक वार्ता) शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।
- 'आशी परबर्ती उड़िया कथा साहित्यरे जनतातिंका जीवन चित्र' शीर्षक से प्रस्तुत पेपर, राष्ट्रीय संगोष्ठी, के.वी. कॉलेज, कांताबंजी, बलांगीर, दिनांक 18.10.2020 (रिसोर्स पर्सन)।
- 'जीवन मुल्या और रामायण: अंतः संस्कृतिका परिदृष्य' शीर्षक से प्रस्तुत पत्र, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, अकबरपुर कॉलेज, कानपुर और जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यंग विश्वविद्यालय, चित्रकूट, 17 - 18 अक्टूबर 2020 (रिसोर्स पर्सन विद पेपर प्रेजेंटर)।
- 21.12.2020 को 'ओडिया उपन्यासरे प्रकृतिक बिपरजयारा चित्र' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया गया, राष्ट्रीय संगोष्ठी, उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय, 21.12.2020 को (वेबिनार में पेपर पर्सनेटेड)।
- 'सरजना बलयारे मनोज' शीर्षक से प्रस्तुत पेपर, कलिंग लिटरेरी फेस्टिवल, भारत ने 02.05.2021 (वेबिनार की अध्यक्षता) को अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक वेबिनार (कलिंग भाभा संबाद) का आयोजन किया।
- 'ऑनलाइन कक्षाओं का प्रबंधन और सह-निर्माण एमओओसी: 2.0' पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया, 18 मई - 3 जून 2020 (14 दिन), एमएचआरडी और पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षक और शिक्षण, शिक्षण शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन केंद्र, रामानुजम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- 'साहित्य, संस्कृति, मीडिया और मनोविज्ञान' पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) में भाग लिया, 22 मई - 28 मई 2020 (7 दिन), MHRD और पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन, शिक्षक शिक्षण केंद्र, रामानुजम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- 'साहित्य, मीडिया, मनोविज्ञान और व्यवसाय' पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) में भाग लिया, 29 मई - 3 जून 2020 (7 दिन), MHRD और पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन, शिक्षक शिक्षण केंद्र, रामानुजम कॉलेज , दिल्ली विश्वविद्यालय।
- तीन विद्वानों को उड़िया में पीएच.डी.की उपाधि।

प्रकाशन

- *द स्वाभिमान जर्नल ऑफ साइंस एंड लिटरेचर* में 'फणीश्वर ओ जेम्सवर' शीर्षक वाला जर्नल आलेख , वॉल्यूम-34/04, जुलाई -अक्टूबर-2020, आईएसएसएन-2320-1479, पीपी 09-21।
- जर्नल आलेख शीर्षक 'ओडिया नाटकरे प्रतिसरिता जनजातीय जीवन ओ समस्या', *द स्वाभिमान जर्नल ऑफ साइंस एंड लिटरेचर* , वॉल्यूम -35/2, जनवरी-मार्च,2021, आईएसएसएन-2320-1479, पीपी 44-61।
- जर्नल आलेख 'भतरा लोकखानी' लक्ष्मीपुराण ': नबा संस्कृतिका अध्ययन', *द स्वाभिमान जर्नल ऑफ साइंस एंड लिटरेचर* , ऑल इंडिया (ओडिशा स्क्राइब्स स्पेशल), वॉल्यूम -35/2, जनवरी-मार्च,2021, आईएसएसएन-2320-1479, पीपी 31-50।
- जर्नल आलेख शीर्षक 'हटागधा स्वप्नासंसार ओ छिन्नभिन्ना आत्मारा प्रस्थः बनप्रस्थ-', *इस्ताहर* , भुवनेश्वर, खंड-154, मई-अगस्त,2020, पीपी 49-59।
- जर्नल आलेख शीर्षक 'दुई अप्रतिद्वंदी आंचलिक उपन्यासकार : फणीश्वर ओ जमेश्वर मिश्रा , सर्जनर उर्मि:, साहित्य भूमि , अंक 2/2, 2021, पीपी- 22-28।
- जर्नल आलेख शीर्षक 'बहारे छिडा होइथिबा लोकारा ठिकाना खोजी खोजी...', *समर्षि* , संबलपुर विश्वविद्यालय के शोध पत्रिका ,अप्रैल- ,-जून, 2020, आईएसएसएन-0973-3264, पीपी 97-110।
- पुस्तक अध्याय 'नित्यानंद महापात्रंका गल्पा द्रष्टि ओ दिगंता', *ओडिया क्षुद्रगलपाधारा ओ धारा :* (वॉल्यूम -1), एण्ड प्रो. के सी प्रधान, कट्टक ,सत्यनारायण बुक स्टोर,आईएसबीएन -81-8118-361-4, पीपी .228-246।
- पुस्तक अध्याय शीर्षक 'पीढ़ीगत समस्या ओ जरनिबसरा बिबिधा प्रस्थ:बानप्रस्थ',श्रुति ओ समीक्षा (क्राइस्ट कॉलेज, कट्टक का शोध जर्नल), डॉ. के साडंगी द्वारा , रा, खंड-154, बिर्जोयनी प्रकाशन, आईएसबीएन-81-945465. -7-5, पीपी.49-59।
- पुस्तक अध्याय शीर्षक 'शब्दारा कथारकर्णका गल्प : एक अंतरंग जिज्ञासा', *शब्द संकेत ओ शून्यस्थान* ; मनोज कुमार पांडंका गल्प अनु क्रिया, संपादित डॉ. संतोष कुमार रथ , ड. भुवनेश्वर द्वारा: साहित्य श्वेतपद्म प्रकाशन, 2020, आईएसबीएन-13978-93-80759-19-7, पीपी . 113-118।

डॉ प्रदोष कुमार स्वाईं

- 22-28 मई 2020 (7 दिन), टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कोलाज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, एमएचआरडी और पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर के दौरान 'बदलता भारतीय परिधि: साहित्य, संस्कृति, संचार और मनोविज्ञान', नई दिल्ली में एफडीपी में भाग लिया। और शिक्षण।
- 27 जुलाई - 10 अगस्त, 2020 के दौरान (14 दिन), टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कोलाज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, एमएचआरडी और पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर एण्ड टीचिंग 'साहित्य, मीडिया, मनोविज्ञान और वनिज्य के विविध आयम', विषय पर नई दिल्ली में एफडीपी में भाग लिया।
- 19 दिसंबर 2020 को जीपीआर कॉलेज, कुन्तरा, संबलपुर में विभागीय संगोष्ठी में 'नबाजागरण ओ उड़िया साहित्य' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।
- 26 मई 2020 को एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग, IGNTU, अमरकंटक, एम. पी में 'कोरोना महामारी का एक अध्ययनकोरापुट जिले में : जनजातीय समुदाय का मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तिगत और संगठनात्मक रणनीतियाँकोरोना चरण के दौरान तनाव के मुद्दों से निपटने के लिए' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया गया।
- 07 जून 2020 को अन्यत्र विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में 'ओडिया लिटरेचर एंड सिनेमाएन : इंटररिलेशनशिप ' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

- जर्नल आलेख शीर्षक 'जिबनारा अबुला स्वाखयारा रजनी कंटका गलपा हस्ताक्षरा , *प्रत्या* , 02, खंड -IV, पीपी। 37-46, 2456-9194, 2020।
- जर्नल आलेख 'उत्तरा असी ओडिया कबितारा महाभारत मीठी द्रौपदी', स्वाभिमान जर्नल ऑफ साइंस एंड लिटरेचर, संयुक्त रूप से प्रकाशित सोना साहू और डॉ. प्रदोष कुमार सवाई द्वारा प्रकाशित, 34, पीपी। 50-52, 2320-1497, 2020
- जर्नल आलेख शीर्षक 'भीम प्रिस्टिंक उपन्यासरा समाज संप्रकृति' , विज्ञान और साहित्य का शभिमान जर्नल, सयुक्त रूप से प्रकाशित डॉ. प्रदोष कुमार सवाई और प्रकाश संतारा द्वारा पृ .14-18, 2320-1497, 2020।
- संपादित पुस्तक शीर्षक 'जीवन छर्ज्या रा भागबता', *प्राचीन ओडिया साहित्य* , (सह संपादक प्रो. नारायण साहू), सत्यनारायण बुक स्टोर, कटक, पीपी .231-242, 2020। आईएसबीएन 81-8118-355-x
- पुस्तक अध्याय शीर्षक 'दुरुआ जनजातिरा विश्वबोध', *अमा लोक विश्वास* , (दुर्गामध्यव नन्द द्वारा संपादित) पुरी, पीपी .238-245, जनवरी 2020, आईएसबीएन 978-81-904153-2-3

- संपादित पुस्तक शीर्षक 'प्राचिना ओडिया साहित्य'(,सह संपादक –प्रो. नारायण साहू) सत्यनारायण बुक स्टोर, कटक, पीपी .231-242.2020। आईएसबीएन 81-8118-355-x .

डॉ. गणेश प्रसाद साहू

- 22-28 मई 2020 के दौरान 'बदलता भारतीय परिवेशसाहित्य :, संस्कृति, संचार और मनोविज्ञान' पर दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज से एक सप्ताह के अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 29 मई -03 जून 2020 के दौरान 'साहित्य, मीडिया मनोविज्ञान और वाणिज्य के विविध अयम' पर दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत रामानुजन कॉलेज से एक सप्ताह के अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रकाशनः

- जर्नल आलेख शीर्षक ', उपान्यासेर भूमि : तत्व बनाम तर्क' *विश्वमुक्ति* , अक्टूबर 2020, भुवनेश्वर, आईएसएसएन -2349-7351, पीपी। 23-27।
- जर्नल लेख शीर्षक 'एकबिंशा शताब्दी ओडिया कविता :कवि दृष्टि कवि व्याप्ति', *इस्ताहर* , मई अगस्त-2020 भुवनेश्वर, पीपी। 58-78।
- जर्नल लेख 'भाषा संस्थापका सरला दास ओ ओड़िया महाभारत', *सप्तर्षि* , संबलपुर विश्वविद्यालय, आईएसएसएन -0973-3254, पीपी 1-5।
- शिशिर बेहरा और कमल महूंता द्वारा संपादित पुस्तक में अध्याय 'मु दूबा तुम दरुआरा सम्प्रतिका प्रसंग, शरत कुमारी आचार्यांक पद्मलोचन',कटक:विजयिनी प्रकाशन, 2020, आईएसबीएन -978-93-88422-94-9।, पीपी.193-199 .
- पुस्तक अध्याय 'भारत बेहरांका कबितारे मनाबिया दृष्टि', निखिला जीवनबोधर कवि : भारत बेहरा, संपादित बिरंची कुमार साहू, भुवनेश्वर: साहित्य श्वेतपद्मा प्रकाशन, 2020, आईएसबीएन- 1397893-80759-07-4, पीपी 140-152।

संस्कृत विभाग

डॉ श्रीनिवास स्वाई :

शैक्षणिक गतिविधियां

- 29 मई 2020 को श्री सूरजलाल तपड़िया संस्कृत महाविद्यालय, राजस्थान द्वारा आयोजित '***ऑन ग्रामर***' संगोष्ठी में भाग लिया और 'असिद्धवादत्र अभट' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 01-15 अक्टूबर 2020 के दौरान संस्कृत प्रत्यूष द्वारा आयोजित 'ऑन वैदिकसूक्तनी' कक्षा वार्ता के लिए आमंत्रित।

डॉ. चक्रपाणि पोखरेल

- 29 मई 2020 को श्री सूरजलाल तपड़िया संस्कृत महाविद्यालय, राजस्थान द्वारा आयोजित '***व्याकरण पर***' संगोष्ठी में भाग लिया और 'समर्थ पदविधि' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 10 सितंबर 2020 को संस्कृतसौर्यम वाराणसी द्वारा आयोजित '***व्याकरण पर***' संगोष्ठी में भाग लिया और 'अपबदापदार्थ' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

- जर्नल आलेख शीर्षक 'बौद्धपदार्थविमर्श', ***अनंत***, तिरुपति जर्नल सॉल्यूशन, 2020, ISSN-2394-7519।
- जर्नल आलेख शीर्षक 'करनत्वविचार', ***अनंत*** , तिरुपति जर्नल सॉल्यूशन, 2020, आईएसएसएन-2394-7519।
- संपादित पुस्तक शीर्षक ***लघुशब्देंदुशेखर (करक)*** , संपादक, दिल्ली ईस्टर्न बुक लिंकर :2020, ISBN-978-81-7854-373-4।
- ***नल चरितम (चंपुयकाव्यम)*** नामक पुस्तक अध्याय , *टिप्पणीकार* ,वाराणसी:चौखबा सुरभारती प्रकाशन, 2020, ISBN-978-93-89665-86-4।

मानव विज्ञान विभाग

डॉ जयंत कुमार नायक

प्रकाशन

पुस्तकः

- पुस्तक का शीर्षक 'द हिल कोरवास ऑफ छत्तीसगढ़: ए स्टडी ऑन हेल्थ एंड न्यूट्रीशनल स्टेटस '- के के प्रकाशन, नई दिल्ली। आईएसबीएन -9788178442365।

पत्रिकाएँ:

- 'उत्तर बंगाल, भारत के राजबंशी बच्चों के बीच प्रति बच्चे के आधार पर पोषण की स्थिति का आकलन' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित, मैनकाइंड क्वार्टरली, 61(3): 641–652। डीओआई: 10.46469/एमक्यू.2021.61.3.15। ISSN- 0025-2344 (सह लेखक के. देबशर्मा और जी.सी. मंडल)
- *मेडिकल साइंसेज के अंतराष्ट्रीय जर्नल ऑफ रिसर्च में 'कोरापुट जिले, ओडिशा की ग्रामीण आबादी में मलेरिया पर धारणाएं और अभ्यास' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया; 9(5):1422-7, 2021। डीओआई: https://dx.doi.org/10.18203/2320-6012.ijrms20211880। पीआईएसएसएन 2320-6071 | ईआईएसएसएन 2320-6012 (सह-लेखक पी.प्रधान और बी.के.बिन्हानी)*
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एकेडमिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट में 'कोरापुट जिले, ओडिशा के लोगों के बीच मलेरिया जोखिम और रोकथाम के प्रति ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया; 6(2), 2021,पीपी। 24-26. आईएसएसएन: 2455-4197 (सह लेखक पी.प्रधान और बी.के. बिंदानी)।
- जर्नल ऑफ स्ट्रेस फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री में 'कोरापुट, भारत के परजा जनजाति द्वारा प्रयुक्त एथनोमेडिसिनल प्लांट्स की गुणात्मक फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया; 17(1), 2021: 5-12. ISSN 1997-0838 (सह लेखक पी. टिकादार और डी.पांडा)।
- 'उत्तर दिनाजपुर जिले, पश्चिम बंगाल के राजबंशी समुदाय के पूर्व-विद्यालय के बच्चों के बीच पोषण की स्थिति' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया। जे. भौतिक. एंथ्रोप और हम, जेनेट ; 39(2), 2020: 147-154। आईएसएसएन 0378-8156 (सह-लेखक के . देबशर्मा)
- 'कोरापुट, ओडिशा में जनजातीय आबादी के बीच स्वास्थ्य पर सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों के प्रभाव' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया,जनजातीय अध्ययन:सीओएटीएस की एक पत्रिका; 8(2), 2020: 100-110. आईएसएसएन: 2321-3396। (सह-लेखक आर.पदल)।
- जर्नल ऑफ कम्युनिटी जेनेटिक्स में 'नॉलेज, अवेयरनेस एंड एटिट्यूड ऑफ प्रीमैरिटल स्क्रीनिंग विद स्पेशल फोकस ऑन सिकल सेल डिजीज: ए स्टडी फ्रॉम ओडिशा' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया गया https://doi.org/10.1007/s12687-020-00471-7, 2020 (सह-लेखक बी के बिंदानी और एन के देवी)।
- **पुरकला** में 'पहाड़ी खारिया महिलाओं, मयूरभंज जिला, ओडिशा के बीच मातृ स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं पर ज्ञान का मानवशास्त्रीय अध्ययन' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित; 31(43), मई 2020: 164-177. आईएसएसएन: 0971-2143। (सह लेखक आर. महाराणा)
- **प्लांट आर्काइव्स** में 'कोरापुट, भारत के परजा और गडाबा समुदायों की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली में हस्ताक्षर के सिद्धांत के साक्ष्य' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया; 20(1), 2020: 1587-1592। ई-आईएसएसएन: 2581-6063 (ऑनलाइन), आईएसएसएन: 0972-5210 (सह-लेखक जे.आर. पटनायक)।
- 'स्वास्थ्य लाभ के लिए चुनिंदा कम उपयोग वाले जंगली याम (डायोस्कोरिया एसपीपी) की प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट क्षमता' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया। जे फूड साइंस टेक्नोलॉजी, doपाधान और डी. पांडा)।
- जर्नल ऑफ स्ट्रेस फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री में 'कोरापुट, भारत के एथनोमेडिसिन में प्रयुक्त जिंजिबेरासी के चयनित पौधों की रासायनिक रूपरेखा' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया; 16(1), 2020: 50-60, आईएसएसएन 1997-0838 (सह-लेखक डी. पांडा, ए.के. बेहरा और ए.के., पदन)
- *एनल्स आयुर्वेदिक मेडिसिन* में 'कोरापुट, ओडिशा, भारत के आदिवासी लोगों द्वारा सांप के काटने के खिलाफ इस्तेमाल किए गए एथनोमेडिसिनल पौधों का फाइटोकेमिकल मूल्यांकन' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया ; 9 (1), 2020: 12-21। (सह लेखक डी. पांडा ,एस. एस. कुमार और बी. पढ़न)
- *जर्नल ऑफ स्ट्रेस फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री* , 16 (2): 13-21, 2020 (आईएसएसएन 1997-0838) में एल्युमिनियम ($Al3+$)स्ट्रेस के संबंध में भारत के कोरापुट के चयनित पहाड़ी चावल जीनोटाइप में 'लीफ फोटोकैमिकल एक्टिविटी एंड एंटीऑक्सीडेंट प्रोटेक्शन' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।(डी पांडा,आर.एस. साहू,पी.के.बेहेरा और जे बारीक)

ऑनलाइन पाठ्यक्रम

- 7-9 मई 2020 के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन पाठ्यक्रम डिजाइन, विकास और वितरण' पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 10-17 मई 2020 के दौरान एमएचआरडी-जिओआई (पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन) द्वारा प्रायोजित, महर्षि दयानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई द्वारा आयोजित 'ई-कंटेंट डेवलपमेंट (शैक्षिक ऑडियो-वीडियो प्रोडक्शन)' पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया;
- 18 मई-3 जून 2020 के दौरान एमएचआरडी-जिओआई (पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन) द्वारा प्रायोजित, टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन कक्षाओं का प्रबंधन और सह-निर्माण एमओओसी 2.0' पर एफडीपी में भाग लिया;

- 13-18 जनवरी 2021 के दौरान मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम, भारत के यूजीसी स्ट्राइड कार्यक्रम (घटक-I) द्वारा आयोजित 'सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण और व्याख्या' पर यूजीसी स्ट्राइड कार्यशाला में भाग लिया।
- 1-5 मार्च 2021 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार (शिक्षकों और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन) द्वारा प्रायोजित,टीचिंग लर्निंग सेंटर, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एनईपी 2020: जीवन कौशल और समग्र विकास के लिए प्रोत्साहन' पर एक सप्ताह के एफडीपी में भाग लिया।

पीआई/सह-पीआई के रूप में शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं:

- आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित 'सिकल सेल हेमोग्लोबिनोपैथीज एंड एसोसिएटेड को-मॉर्बिडिटीज: ए बायोलॉजिकल एंड साइकोसोशल स्टडी फ्रॉम ओडिशा,' (सीओ पीआई के रूप में नामांकित) शीर्षक वाली शोध परियोजना, अनुमानित तिथि 20 जून 2020- 29 जून 2021 है,अनुमानित परियोजना लागत 50 लाख रुपए।

डॉ.बी.के.श्रीनिवास

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ:

- ग्रामीण लोगों के बीच आजीविका सुरक्षा पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का प्रभाव: ओडिशा के कालाहांडी जिले से एक अध्ययन' नामक शोध पत्र जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी एंड सोशल एंथ्रोपोलॉजी में:11(1-2),2020।पीपी.94-99।आईएसएसएन:2456-6764 https://doi.org/10.31901/24566764.2020/11.1-2.346। (सह-लेखक के.यास्मीन)

ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

- 25 - 29 अप्रैल 2020 के दौरान भरोसा हेल्पलाइन सेंटर, सीयूओ की स्थापना के लिए हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी और अन्य संबद्धता से संबद्ध प्रोफेसर मीना हरिहरन, अध्यक्ष, स्वास्थ्य मनोवैज्ञानिक संघ और टीम के नेतृत्व में परामर्श के बुनियादी मॉड्यूल के बारे में प्रशिक्षण के ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया ।
- मई जून-2020 के दौरान सीयूओ हेल्पलाइन सेंटर, भरोसा के काउंसलर के रूप में ओडिशा और अन्य राज्यों के सभी विश्वविद्यालय के छात्रों के कोविड-19 पीड़ितों को संज्ञानात्मक भावनात्मक पुनर्वास सेवाएं प्रदान की ।
- 8-14 जून 2020 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन द्वारा प्रायोजित टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित *'अनुसंधान के लिए खुला स्रोत उपकरण'* पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया। .
- कॉमन वेल्थ ऑफ लर्निंग और अथाबास्का यूनिवर्सिटी, कनाडा द्वारा 21 जून- 25 जुलाई 2020 के दौरान पांच सप्ताह के लिए संयुक्त रूप से आयोजित 'प्रौद्योगिकी सक्षम शिक्षण का परिचय' पर बड़े पैमाने पर ऑनलाइन ओपन कोर्स (एमओओसी) में भाग लिया।
- भारत में ओडिशा राज्य के कोरापुट जिले में 'डेवलपमेंट, डिसप्लेसमेंट एंड डिस्पोजेशन: ए केस ऑफ नेशनल एल्युमीनियम कंपनी (नाल्को)' शीर्षक से पेपर (ऑनलाइन) प्रस्तुत किया गया। ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड के रॉयल एंथ्रोपोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (आरएआई), लंदन, यूके द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'एंथ्रोपोलॉजी एंड जियोग्राफी: डायलॉग्स पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर' में 14 - 18 सितंबर 2020 के दौरान आयोजित किया गया।

डॉ मीरा स्वाईं

प्रकाशन:

- पुस्तक अध्याय शीर्षक 'गरीबी के परिणाम और मातृ एवं बाल स्वास्थ्य पर लैंगिक असमानता- कोरापुट जिले में एक अध्ययन'; इन जेंडर *डायनेमिक्स एंड द इमर्जिंग इश्यूज़ इन 21स्ट सेंचुरी* , (एड. अलीवा मोहंती *एट अल*), मित्तल प्रकाशन, नई दिल्ली, 149-163, आईएसबीएन नंबर 978- 9390692187, 2020।

ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

- 21 - 23 फरवरी 2021 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय मानव विज्ञान कांग्रेस 2021, *'एंथ्रोपोलॉजीथ्योरी टू : एप्लीकेशन' में* 'बोंडा जनजाति में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल' शीर्षक से प्रस्तुत पेपर ।
- द रॉयल एंथ्रोपोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (ऑनलाइन) के सम्मेलन में भाग लिया और 14-18 सितंबर 2020 के दौरान 'भारत में विस्थापित लोगों (डीपी) के पुनर्वास और पुनःस्थापन (आर एंड आर) में एप्लाइड एंथ्रोपोलॉजी: प्रासंगिकता और भूमिका' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया:

- 25-27 फरवरी 2021 के दौरान एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज और मार्था फैरेल फाउंडेशन सेफ कैंपस प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

- 27-29 जुलाई 2020 के दौरान मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यशाला 'द क्राफ्ट ऑफ रिसर्च मेथोडोलॉजी: एडवांस एंड एप्लीकेशन' को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 21 जून - 25 जुलाई 2020 के दौरान कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग और अथाबास्का यूनिवर्सिटी, कनाडा द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स 'इंट्रोडक्शन टू टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड लर्निंग' को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 02- 17 जुलाई 2020 के दौरान शिक्षक शिक्षण केंद्र, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एवं शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन और मानव संसाधन विकास मंत्रालय और पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन द्वारा प्रायोजित 'एमओओसीएस विकसित करने के लिए उन्नत अवधारणाओं' पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। ।
- 23-29 जून के दौरान टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एवं शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन और मानव संसाधन विकास मंत्रालय और पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन द्वारा प्रायोजित 'उद्यमिता, ऊष्मायन और नवाचार' पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 29 मई-30 जून 2020 के दौरान टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित और मानव संसाधन विकास मंत्रालय और पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन द्वारा प्रायोजित 'साहित्य, मीडिया, मनोविज्ञान और वानिज्य के विविध आयम' पर एक साप्ताहिक अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- मई 2020 को अल्बर्टा विश्वविद्यालय द्वारा अधिकृत और कौरसेरा के माध्यम से पेश किए गए स्वदेशी कनाडाई ऑनलाइन गैर क्रेडिट पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ अभिषेक भौमिक

- 23-27 जून 2020 के दौरान रिसर्च कल्चर सोसाइटी और संस्कार बी.एड कॉलेज, पिपरिया द्वारा आयोजित ऑनलाइन शिक्षण और मूल्यांकन के लिए आईसीटी टूल्स पर राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 15-19 जून 2020 के दौरान बेनेट यूनिवर्सिटी और टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित शोध लेखन और प्रकाशन के लिए आवश्यक कौशल पर पांच दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 13 जून -01 जुलाई 2020 के दौरान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग(आईआईआरएस),इसरो देहरादून द्वारा आयोजित 'रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस टेक्नोलॉजी एंड एप्लीकेशन फॉर यूनिवर्सिटी टीचर्स एंड गवर्नमेंट ऑफिसर्स' पर एक ऑनलाइन कोर्स में भाग लिया।
- 20 - 25 जुलाई 2020 के दौरान उत्तरांचल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए समग्र शिक्षण तकनीक पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम।
- 01 -15 अक्टूबर 2020 के दौरान शिक्षा मंत्रालय पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण केंद्र रामानुजन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. एम. रामबाबू

- एक पैनल (बी12) का गठन किया जिसका शीर्षक था 'वनों और स्वदेशी समुदाय दुनिया भर में युगों के माध्यम से: जीवन रक्षा के लिए एक संघर्ष' और भारत में विस्थापित लोगों (डीपी) के पुनर्वास और पुनर्वास (आर एंड आर) में अनुप्रयुक्त मानव विज्ञान: प्रासंगिकता और भूमिका शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। ' **एंथ्रोपोलॉजी एंड जियोग्राफी पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (ऑनलाइन) में: डायलॉग्स पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर**, रॉयल एंथ्रोपोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड (आरएआई), लंदन, यूके द्वारा 14 - 18 सितंबर 2020 के दौरान आयोजित किया गया।

सुश्री लोचन शर्मा

- 15 सितंबर 2020 को ओडिशा फोरम द्वारा आयोजित *चौराहे पर विकासजनजातीय संस्कृतियों की-दुविधा* पर एक आभासी सम्मेलन में 'ओडिशा में जनजातीय महिलाओं की स्थिति' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक वार्ता दी ।

समाजशास्त्र विभाग

डॉ कपिला खेमुंडु

प्रकाशन

- *मुक्त शब्द जर्नल* , खंड IX, अंक VII, जुलाई 2020, पीपी.1017-1021, ISSN:2347-3150 में 'ट्राइबल स्टूडेंट्स प्रॉब्लम्स इन इंग्लिश मीडियम ऑफ इंस्ट्रक्शनएन एक्सप्लोसिव एनालिसिस ऑन सेमिलिगुडा :, कोरापुट, ओडिशा' शीर्षक वाला शोध पत्र। (सह लेखक;एन माझी)

- *ट्राइबल स्टडीज* में 'कोविद -19 लॉकडाउन एंड द प्रॉब्लम्स ऑफ माइग्रेंट वर्कर्स ऑफ ओडिशा' शीर्षक-शोध पत्र*: ए जर्नल ऑफ सीओएटीएस* , वॉल्यूम -9, अंक -I, जून 2020, आईएसएसएन :2321-3396।
- 'कोविड-19 लॉकडाउन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन कंज्यूमर कल्चर इन इंडिया: ए सोशियोलॉजिकल एनालिसिस' शीर्षक से शोध पत्र, सॉलिड स्टेट टेक्नोलॉजी में, सितंबर, 2020, ISSN: 0038-111X (SCOPUS)। (सह-लेखक एन. मांझी)।
- सॉलिड स्टेट टेक्नोलॉजी, सितंबर, 2020, ISSN: 0038-111X (SCOPUS) में 'निजी क्षेत्र में दक्षिण ओडिशा के अनुसूचित जाति समुदायों के लिए अवसर' शीर्षक-शोध पत्र। (सह-लेखक के. चेट्टी)।
- देश विकास, आईएसएसएन 2394 -1782, खंड: 7 अंक: 3 अक्टूबर - दिसंबर 2020, 77-85 में 'कोविड-19 महामारी और ओडिशा के प्रवासी श्रमिकों की आजीविका के लिए समस्याएं' शीर्षक-शोध पत्र। (सह-लेखक एके नंदा)।
- 'कोविड-19 महामारी, रिवर्स लेबर माइग्रेशन इन इंडिया एंड इट्स इम्पैक्ट, ट्राइबल स्टडीज'नामक शीर्षक से ए जर्नल ऑफ कोट्स,मे शोध आलेख प्रकाशित, वॉल्यूम 9 अंक 1 जून, 2021 आईएसएसएन: 2321 - 3396, पी. 96-108। (सह-लेखक जे. जोशी)

संसाधन व्यक्ति

- 19 जुलाई 2020 को खलीकोट विश्वविद्यालय के सहयोग से आई कैन केयर द्वारा आयोजित *एक तंबाकू मुक्त शैक्षिक संस्थान के लिए सहयोग* को *बढ़ावा* देने पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'युवाओं के बीच तंबाकू की खपत के प्रभाव' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक वार्ता दी।
- राष्ट्रीय वेबिनार *मानव तस्करी और कोविद -19: स्वदेशी समुदाय पर प्रभाव'* में भाग लिया , और 03 अक्टूबर 2020 को समाजशास्त्र विभाग, सीयूओ और रेड रोप, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'मानव तस्करी' पर एक वार्ता दी।
- 27 नवंबर 2020 को सेंट क्लैरेट कॉलेज, बैंगलोर द्वारा आयोजित एक सप्ताह के राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम 'शिक्षण में नई दिशाएँ सीखने -' में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक भाषण दिया।
- 10 - 17 जुलाई 2020 के दौरान दक्षिण ओडिशा युवा संघ द्वारा आयोजित *उच्च शिक्षा जागरूकता और कैरियर परामर्श* पर आठ दिनों की वेबिनार श्रृंखला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में 'दक्षिण ओडिशा के पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा विकास और इसकी वर्तमान स्थिति' पर एक वार्ता दी।

डॉ आदित्य केशरी मिश्रा

- इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR), नई दिल्ली के तहत 'कोविड-19, लॉकडाउन एंड स्ट्रैंडेड माइग्रेशन: ए स्टडी ऑन स्ट्रैंडेड माइग्रेंट वर्कर्स ऑफ ओडिशा' शीर्षक से सम्मानित अनुसंधान प्रस्ताव।
- 'सीयूओ का कायापलट: परिवर्तनकारी अकादमिक और भविष्य के प्रयास' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया, द इको ऑफ इंडिया, वॉल्यूम- IX, नंबर 230, 30 दिसंबर 2020।
- 'विकु सेठ बंछीछी' शीर्षक से एक लेख (उड़िया में) प्रकाशित, प्रतिदीना, खंड-XVIII। नंबर 239, 8 दिसंबर 2020।
- 'महामारीर आत्महत्या: समस्या एवं समाधान' शीर्षक से एक लेख (उड़िया में) प्रकाशित किया, दीनालिपि, वॉल्यूम-40. नंबर 208, 6 नवंबर 2020।
- द पायनियर, अंक-16, नंबर 243, 10 सितंबर 2020 में 'कोविड-19, बाढ़: ओडिशा का सामना करने वाली दोहरी आपदाओं से कैसे निपटें' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- प्रगतिवादी, खंड-49, नंबर 224, 17 अगस्त 2020 में 'ऑनलाइन शिक्षा: एका बिकल्प' शीर्षक से एक लेख (उड़िया में) प्रकाशित किया।
- द पायनियर, अंक-16, नंबर 199, 27 जुलाई 2020 में 'महामारी के बीच, आइए ऑनलाइन शिक्षा को जीवन का मार्ग बनाएं' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- प्रगतिवादी, खंड-48, नंबर 171, 26 जून 2020 में 'प्रबासिंका लागी प्रस्ताव (प्रवासियों के लिए उचित प्रतिक्रिया)' शीर्षक से एक लेख (ओडिया में) प्रकाशित किया।
- 'माइग्रेंट्स' मेलानचोली: हेलुसिनेटिंग द होप फॉर होम' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया। द इको ऑफ इंडिया, अंक-09, नंबर 03, 11 मई 2020।
- 'लॉकडाउन के दौरान अनलॉकिंग लर्निंग' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया। द इको ऑफ इंडिया, वॉल्यूम 08, नंबर 363, 6 मई 2020।
- 'कोविद -19 के खिलाफ लड़ाई: एक सामूहिक हस्तक्षेप की ओर' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया। द इको ऑफ इंडिया, वॉल्यूम 01, संख्या 307, 26 अप्रैल 2020।
- *सेंट्रल क्रॉनिकल* , नंबर-196, 18 अप्रैल 2020 में 'लिविंग विद लॉकडाउन' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- *27 - 29 जुलाई 2020 के दौरान इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी, नई दिल्ली और एथ्नोग्राफिक एंड फोक कल्चर सोसाइटी के सहयोग से स्नातकोत्तर समाज विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित भारतीय समाज में कोविड-19 महामारी के दौरान सामाजिक और सांस्कृतिक*

चुनौतियों पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'किसके लोग 'वी द पीपल': मेकिंग एंड अनमेकिंग ऑफ माइग्रेशन मैनेजमेंट' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- 27 जुलाई 2020 को नृविज्ञान विभाग, विक्रम देब स्वायत्त कॉलेज, जेपोर, कोरापुट, ओडिशा के सहयोग से समाजशास्त्र पीजी द्वारा आयोजित जनजातीय आजीविका पर कोविद -19 के प्रभाव पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'जब अमीर गरीब को संक्रमित करता है: कोविद -19 और जनजातीय आजीविका प्रणाली से जुड़ना' पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 13 - 16 जुलाई 2020 के दौरान समाजशास्त्र विभाग, रेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा द्वारा आयोजित *महामारी में उच्च शिक्षा* पर चार दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में 'ए फेयर रिस्पांस टू ऑनलाइन एजुकेशन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 2 -3 जुलाई 2020 के दौरान इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी (आईएसएस), नई दिल्ली के सहयोग से पीजी डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी, संबलपुर यूनिवर्सिटी, ज्योति विहार, बुर्ला, ओडिशा द्वारा आयोजित *21 st सदी में वैश्विक महामारी के समय के दौरान सामाजिक उत्तरदायित्व* पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में 'कोपिंग विद कोविद -19: टूवर्ड्स ए फेयर रिस्पांस' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. नुपुर पटनायक

- 17-18 अक्टूबर 2020 के दौरान एसएसएचपी (सामाजिक समाज हिमाचल प्रदेश) पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'मध्यस्थता प्रवास' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 26-27 फरवरी 2021 के दौरान आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति के अध्ययन के लिए केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित समाजशास्त्र विभाग शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर में 'माइग्रेशन एंड सोशल वल्नेरेबिलिटी' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 25 - 26 जून 2020 के दौरान एनआरसीई-एनआईइपीए नई दिल्ली द्वारा विषय संसाधन व्यक्ति के रूप में उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए समाजशास्त्र संसाधनों को एकत्रित करने पर एक आभासी कार्यशाला में भाग लिया।

बिजय चंद मोहराणा

- *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट सोशियोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज* , वॉल्यूम -10, जनवरी 2021 में 'कोविद -19 महामारी और ओडिशा में छोटी दुकान विक्रेताओं पर इसका प्रभाव' शीर्षक से शोध पत्र ।
- नवंबर 2020 में आईसीएसएसआर प्रायोजित नेशनल वेबिनार में एफएम यूनिवर्सिटी में 'इम्पैक्ट ऑफ कोविद -19 ऑन लेबर माइग्रेंट्सए व:सोशियोलॉजिकल पर्सपेक्ट' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- फरवरी 2021 में आईसीडब्ल्यूए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'नई महाशक्ति का उदय: पोस्ट-कोविद टाइम्स का एक अध्ययन' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ मानस कुमार मलिक

- 19 - 20 मार्च 2021 के दौरान सेंट मार्टिन इंजीनियरिंग कॉलेज, धूलपल्ली, सिकंदराबाद, टीएस, भारत के मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, मानविकी और विज्ञान और एमबीए विभाग द्वारा आयोजित *प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और अनुप्रयुक्त विज्ञान* (ICRAITMS-2021) *में हाल के अग्रिमों और नवाचारों* पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ओडिशा में दलित और गैरदलित बच्चों के बीच जीवन - एक सामाजिक विश्लेषण :कौशल शिक्षा' नामक एक पेपर में भाग लिया और प्रस्तुत किया।
- 10 दिसंबर 2020 -08 जनवरी 2021 के दौरान पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन, शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से 'विश्वविद्यालयोंक्षा संस्थानों में संकायउच्च शि/कॉलेजों/' के लिए 4 सप्ताह के इंडक्शनओरीएन्टेशन प्रोग्राम में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया और ग्रेड ए प्राप्त किया।
- 21 -25 सितंबर 2020 के दौरान सेंट मार्टिन इंजीनियरिंग कॉलेज में 'इमोशनल इंटेलिजेंस' पर एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 25 नवंबर -01 दिसंबर 2020 के दौरान शिक्षा मंत्रालय, वाणिज्य विभाग और आईक्यूएसी, के तत्वावधान में एवं पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन टीचर्स एंड टीचिंग, टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुज कॉलेज, श्री वेंकटसवेयर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित 'उच्च शिक्षारोड अहेड डेवलपिंग नेक्स्ट जेनरेशन एकेडमिक लीडर्स :' पर एक सप्ताह की एफडीपी में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया और ग्रेड बी+ प्राप्त किया।
- 16 - 20 अगस्त 2020 के दौरान बिशप काल्डवेल कॉलेज, मारवनमदम, थूथुकुडी द्वारा आयोजित 'रिसर्च मेथडोलॉजी एंड डेटा एनालिसिस' पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

- 13-14 अगस्त, 2020 के दौरान *विज्ञान और मानविकी* विभाग सेंट मार्टिन इंजीनियरिंग कॉलेज, धूलपल्ली, सिकंदराबाद, टीएस., भारत द्वारा आयोजित वेबिनार में *'निरंतरता, संगति और नवाचार में अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी'* (ICCIASH-2020)' पर पहले ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ग्रामीण ओडिशा में प्राथमिक बच्चों के बीच लिंग और शैक्षणिक उपलब्धि' शीर्षक से भाग लिया और प्रस्तुत किया।
- 30 - 31 जुलाई 2020 के दौरान बिशप काल्डवेल कॉलेज, मारवनमदम, थूथुकुडी द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में *कोविद 19- वैश्विक परिदृश्य में सामाजिक समस्याओं का प्रमुख कारण अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण में* भाग लिया और 'ग्रामीण ओडिशा में जाति और शैक्षणिक उपलब्धि' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

- *काला सरोवर* में ग्रामीण ओडिशा में प्राथमिक बच्चों के बीच लिंग और अकादमिक उपलब्धि शीर्षक शोध पत्र , (यूजीसी केयर लिस्टेड ग्रुप -1 जर्नल), खंड 23, अंक संख्या 1, नवंबर -दिसंबर-2020, पीपी 127-137, आईएसएसएन 0975-4520।
- मॉडर्न *थामिज़ रिसर्च* में 'कास्ट एंड एकेडमिक अचीवमेंट इन रूरल ओडिशा' शीर्षक से शोध पत्र , एक त्रैमासिक अंतर्राष्ट्रीय बहुपक्षीय थामिज़ जर्नल, (यूजीसी केयर लिस्टेड ग्रुप -1 जर्नल), विशेष अंक :COVID 19। वैश्विक परिदृश्य में सामाजिक समस्याओं का प्रमुख कारण , 30 और 31 जुलाई, 2020, पीपी 67-76, आईएसएसएन 2321-948X।
- *अजंता* में 'शैक्षिक अधिकार और भारत में शैक्षिक अवसरों का उपयोग' शीर्षक-शोध पत्र , एक अंतर्राष्ट्रीय *बहुविषयक* त्रैमासिक अनुसंधान जर्नल, अंक: आठवीं (आई), अंग्रेजी भाग -III, जनवरी-मार्च 2019, 128-134, आईएसएसएन 2277-5730।
- पुस्तक अध्याय 'शैक्षिक अवसरों के उपयोग में लैंगिक असमानताओडिशा में दलित स्कूल जाने वाली लड़कियों का एक केस : स्टडी', *महिला शिक्षा और महिला अधिकारिता में (संपादक:डॉ. जयशीलन)* एपीएच प्रकाशन निगम, नई दिल्ली, 2014, आईएसबीएन 978- 93-313-2343-9। (सहलेखक:डॉ. सी. अरुणा)

अर्थशास्त्र विभाग

प्रो. भगबता पात्रो, अतिथि प्राध्यापक

- KIIT विश्वविद्यालय में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 01 जून 2020 को एक पेपर प्रस्तुत किया।
- आत्मशक्ति ट्रस्ट द्वारा 23 अगस्त 2020 को आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित एक वेबिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।
- 19 अक्टूबर 2020 को बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी की यूआरईटी चिरायु परीक्षा में अध्यक्ष के रूप में मनोनीत।
- इस दौरान 3 बार यूपीएससी नई दिल्ली की विभिन्न परीक्षाओं में सलाहकार।

डॉ मिनाती साहू, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (आई / सी)

- 20 जनवरी 2021 को हेडशिप के कार्यकाल के दौरान व्यवसाय प्रबंधन विभाग मेंएमबीए(कार्यकारी) कार्यक्रम शुरू किया गया था।
- कार्यकारी समिति, उड़ीसा इकोनॉमिक एसोसिएशन के सदस्य और बोर्ड ऑफ स्टडीज, अर्थशास्त्र विभाग, रायगडा कॉलेज में बाहरी सदस्य के रूप में भी कार्य किया ।
- मार्गदर्शन में अर्थशास्त्र के एक शोध छात्र को एम. फिल की उपाधि मिली।
- 16 सितंबर 2020 को गुनुपुर कॉलेज, रायगडा द्वारा आयोजित जेंडर *सेंसिटाइजेशन* पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया और 'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न' शीर्षक से एक वार्ता दी ।
- 22 जनवरी 2021 को कोचीन कॉलेज, कोच्चि द्वारा आयोजित , *जेंडर सेंसिटाइजेशनए नीड फॉर सोशल जस्टिस-* पर राष्ट्रीय वेबिनार में रिसोर्स पर्सन के रूप में एक भाषण दिया ।
- 17 जून 2020 को महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित *भारतीय* उच्च *शिक्षा में महिला :चुनौतीयां और अवसर* पर राष्ट्रीय वेबिनार के सहसमन्वयक के रूप- *में कार्य किया ।*
- 4 जुलाई 2020 को ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'कोविद -19 के बीच व्यापार और भारत की विदेश नीति' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
- महर्षि दयानंद कॉलेज, महाराष्ट्र द्वारा 10-17 मई 2020 के दौरान आयोजित 'इ कंटेन्ट डेवलपमेंट(शैक्षिक ऑडीओ-वीडियो उत्पादन) पर आठ दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 15-19 जून 2020 के दौरान बेनेट विश्वविद्यालय के लर्निंग रिसोर्स सेंटर द्वारा आयोजित 'अनुसंधान लेखन और प्रकाशन के लिए आवश्यक कौशल' पर पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा किया।

- 22-28मई 2020 के दौरान विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/उच्च शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षण शिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित 'बदलता भारतीय परिवेश: साहित्य, संस्कृति, संचार और मनोविज्ञान' पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- गुजरात विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा 28 मई- 03 जून 2020 के दौरान आयोजित 'ई-सामग्री विकास' पर ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया।

प्रकाशन

- 'आयरन-अयस्क माइनिंग एंड फूड सिक्योरिटी ऑफ रूरल हाउसहोल्ड- एन एनालिसिस इन ओडिशा, इंडिया' शीर्षक-शोध पत्र; जर्नल ऑफ माइन्स, मेटल्स एंड फ्यूल्स में, (स्कोपस इंडेक्सेड) (आईएसएसएन: 0022-2755), वॉल्यूम.68, नंबर 6, 2020, पीपी 196-204।
- कपास की खेती का लागत-वापसी विश्लेषण: ओडिशा के रायगड़ा जिले में एक अध्ययन' शीर्षक वाला शोध पत्र; एशियाई प्रोफाइल में (आईएसएसएन:03048675), वॉल्यूम-48, नंबर 4, 2020, पीपी। 349-359 (सह-लेखक सिंह, पी।)।
- 'उड़ीसा, भारत के आदिवासी । क्षेत्र में बाजरा की खेती और खाद्य सुरक्षा: एक सूक्ष्म स्तर का विश्लेषण' शीर्षक से शोध पत्र,पानी, पर्यावरण और प्रदूषण के एशियाई जर्नल में (स्कोपस अनुक्रमित) (आईएसएसएन: 0972-9860), खंड 18, संख्या 1, पीपी 51-57 (सह-लेखक सामंत्रे, डी.)
- 'खनन और सामाजिक पूंजी: ओडिशा, भारत से एक सूक्ष्म विश्लेषण' शीर्षक शोध पत्र; जनसंख्या और सामाजिक अध्ययन के जर्नल में (स्कोपस अनुक्रमित) (आईएसएसएन: 2465-4418), अंक-29, 2021, पीपी 100 - 117।
- पुस्तक अध्याय 'कोविद -19, रिवर्स माइग्रेशन एंड रूरल लाइवलीहुड रिवाइवल इन ओडिशाचैलेंज एंड द वे फॉरवर्ड-' (संपादित पुस्तक), 2020, कुणाल प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी-123-139 [आईएसबीएन :978-93-89224- 65-8] (सहलेखक-के राणा)
- पुस्तक अध्याय 'भारत में मानव तस्करीएक अंतरराज्यीय विश्लेषण-' (संपादित पुस्तक), 2020, भारती प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी-164-172 [978-93-89657-42-5]।
- 'जेंडर इम्पैक्ट ऑफ माइनिंग एन एनालिसिस ऑफ माइनिंग -डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ ओडिशा' नामक पुस्तक अध्याय (संपादित पुस्तक), 2020, रावत प्रकाशन, जयपुर, पीपी -106-118 [978-81-31611-63-0]।

श्री प्रशांत कुमार बेहरा

- बीओएस के संयोजक के रूप में, डीई ने 24 - 25 अक्टूबर 2020 के दौरान अर्थशास्त्र विभाग की चौथी बोर्ड ऑफ स्टडीज बैठक आयोजित की।
- 25 अक्टूबर 2020 को 'भारत में नीतिगत सुधारों के लिए आर्थिक विकास के लिए बाध्यकारी बाधाओं की पहचान' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया।
- 11 मई 2020 को फ्यूचर आइकन्स, नई दिल्ली के संस्थापक और निदेशक डॉ अक्षिता बहुगुणा द्वारा दिए गए 'उद्यमिता: पोस्ट कोविद परिदृश्य' पर ऑनलाइन विशेष व्याख्यान के समन्वयक के रूप में कार्य किया।
- 29 मई 2020 को प्रो. के. श्रीनिवास राव, एडजंक्ट प्रोफेसर, आईआईआरएम, हैदराबाद द्वारा दिए गए 'कोविड -19 पर्यावरण में भारत के बैंकिंग क्षेत्र की चुनौतियां और अवसर' पर ऑनलाइन विशेष व्याख्यान में समन्वयक।
- 12 सितंबर 2020 को अर्थशास्त्र विभाग, पट्टामुंडई कॉलेज, केंद्रपाड़ा, ओडिशा के वेबिनार कार्यक्रम में 'भारत के बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड - 19 के प्रभाव' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- एमिटी स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा 18-19 मार्च 2021 के दौरान आयोजित वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस में 'जैविक और पारंपरिक खेती का पर्यावरणीय महत्व: ओडिशा के कोरापुट जिले में एक तुलनात्मक विश्लेषण' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 22-24 अप्रैल 2020 के दौरान वॉयस ऑफ एनवायरनमेंट के सहयोग से यूट्यूब चैनल पर आयोजित 'राइटिंग रिसर्च पेपर' पर ऑनलाइन कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 5 जून 2020 को भूगोल विभाग, शिवनेरी कॉलेज शिरूर अनंतपाल, लातूर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस एक दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम एफडीएफ में भाग लिया।
- 17-21 मई 2020 के दौरान एएसएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, महाराष्ट्र में एकेडेमिया में सोशल मीडिया को अपनाने पर आयोजित 'लर्निंग, पेडागॉजी एंड इफेक्टिव यूज ऑफ केस मेथडोलॉजी' पर ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम सीरीज़ को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 20-25 मई 2020 के दौरान मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, रागद ज्ञानपीठ के श्री छत्रपति शिवाजीराजे कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे द्वारा आयोजित 'रिसर्च मेथडोलॉजी' पर ऑनलाइन फैकल्टी अवेयरनेस प्रोग्राम को पूरा किया।

- 26 मई -1 जून 2020 के दौरान पिल्लई कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस और बोर्ड ऑफ इंडस्ट्रीपार्टनरशिप एकेडमिया-, मुंबई द्वारा आयोजित 'रिसर्च मेथडोलॉजी' पर ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 27 मई -1 जून 2020 के दौरान यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोविड -19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव चुनौतियों और भविष्य के लिए अनुसंधान' पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 7 -13 जून 2020 के दौरान आईक्यूएसी, पेट्रीशियन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, चेन्नई के सहयोग से वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित 'प्रभावी और गुणात्मक अनुसंधान लेखन' पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 9-15 जून 2020 के दौरान ईस्ट कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित 'कोविड के बाद के युग में शिक्षक शिक्षण अध्यापन और अनुसंधान विधियों के दायरे में प्रतिमानों का बदलाव' राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन संकाय विकास में भाग लिया।
- 10 से 15 जून 2020 के दौरान भारत में पेटलेक्स बिजनेस सॉल्यूशंस के सहयोग से अंजुमन-ए-इस्लाम के कालसेकर टेक्निकल कैंपस, स्कूल ऑफ फार्मेसी, न्यू पनवेल, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित 'एंटरप्रेन्योरशिप, इनोवेशन एंड आईपीआर: ए वे टू बीइंग सक्सेसफुल प्रोफेशनल्स' पर एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 10 से 14 जून 2020 के दौरान , कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, लॉर्ड्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद द्वारा स्पोकन ट्यूटोरियल आईआईटी-बॉम्बे के सहयोग से पांच दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया।
- 17 से 22 जून 2020 के दौरान कंप्यूटर विज्ञान विभाग, प्रेरणा एजुकेशनल एंड सोशल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मैनेजमेंट स्टडीज, शिवमोग्गा द्वारा आयोजित 'सूचना प्रौद्योगिकी में अभिनव अनुसंधान रुझान' विषय पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 22-26 जून 2020 के दौरान पेट्रीशियन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, चेन्नई, तमिलनाडु के नॉलेज रिसोर्स सेंटर द्वारा आयोजित 'रिसर्च इंडिकेटर, रिसोर्सेज, साहित्यिक चोरी और अकादमिक अखंडता' पर अंतर्राष्ट्रीय ईसंकाय विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।-
- 26 मई से 1 जून 2020 के दौरान अलीगढ़ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 'साइबरगोगी:न्यू आर्ट ऑफ टीचिंग' पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 18 से 20 अप्रैल 2020 के दौरान आरईएसटी सोसाइटी फॉर रिसर्च इंटरनेशनल (आरएसआरआई), कृष्णागिरी, तमिलनाडु द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन शोध पद्धति कार्यशाला में भाग लिया।
- 1 से 6 जून 2020 के दौरान आरईएसटी सोसाइटी फॉर रिसर्च इंटरनेशनल (आरएसआरआई), कृष्णागिरी, तमिलनाडु द्वारा आयोजित एसपीएसएस सॉफ्टवेयर में सांख्यिकीय विश्लेषण पर एक सप्ताह के एसटीटीपी में भाग लिया।
- 01 से 14 जुलाई 2020 के दौरान 'उन्नत अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण' पर ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम में भाग लिया। एएसबीएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा जो आयोजित किया गया।
- 03-12 मार्च 2021 के दौरान एसेबीयू., बैंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु से दस दिनों के 'फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम' में सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की पद्धति पर भाग लिया।

श्री विश्वजीत भोई, सहायक प्रोफेसर

- 26 मई से 01 जून 2020 के दौरान महिला अध्ययन केंद्र, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'शिक्षा में लिंग संबंधी चिंताओं' पर सात दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 05 से 16 अक्टूबर 2020 के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो, क्षेत्रीय केंद्र, जोरहाट, असम द्वारा आयोजित 'रिमोट सेंसिंग और जीआईएस: प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों' पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया। .
- 17-19 मार्च 2021 के दौरान एनआईडीएम (एमएचए) और एमपीआईएसएसआर (एमई, भारत सरकार) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण' पर तीन दिवसीय ऑनलाइन सामग्री अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया।

डॉ अंजलि दास, अतिथि संकाय

- 11 से 15 अक्टूबर 2020 के दौरान अर्थशास्त्र, प्रबंधन और सामाजिक विकास (आईपीआरईएमएस), बरहमपुर, ओडिशा में नीति अनुसंधान द्वारा आयोजित *प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति : उपकरण और तकनीक* पर 5 दिनों की राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला' *एसपीएसएस* पर हाथ' पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- 4 अक्टूबर 2020 को 'जनसंख्या नियंत्रण और इसका महत्व' विषय पर मुख्य वक्ता, *चिंतन प्रभा* , लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

- 17-21 अगस्त 2020 के दौरान आईआईएम विशाखापत्तनम में विश्लेषिकी पर 4-दिवसीय गहन ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- *नवंबर 2020 में एसएसएम जनसंख्या स्वास्थ्य* , 'भारत में वृद्ध वयस्कों के बीच रहने की व्यवस्था और पुरानी रुग्णताबड़े पैमाने पर : सर्वेक्षण से साक्ष्य' पर एक शोध पत्र की समीक्षा की ।
- जून 2020 को 'शिक्षा, रोजगार, आर्थिक स्थिति और अधिकारिता भारत :में मातृ स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के उपयोग के लिए निहितार्थ' पर एक शोध पत्र की समीक्षा की, *जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स* , विली,
- *मई 2020 में इंटरनेशनल जर्नल फॉर इक्विटी इन हेल्थ (आईजेईएच),* स्प्रिंगर नेचर के बीएमसी भाग, 'बोलीविया में प्रारंभिक बाल विकास में सामाजिक आर्थिक अंतराल को मापने' पर एक शोध पत्र की समीक्षा की ।
- अप्रैल 2020 में 'स्वास्थ्य खर्च में असमानता को दूर करने के लिए कौन सी सामाजिक जनसांख्यिकी विशेषताएं उपयुक्त है? एक अवघटन के परिणाम' पर एक शोध पत्र की समीक्षा की। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ पॉलिसी एंड मैनेजमेंट* ,

प्रकाशन

- भारत में शिक्षा और जाति में 'दिल्ली में अनुसूचित जाति की महिलाओं की शैक्षिक स्थिति' नामक पुस्तक अध्याय (एडा घनश्याम शाह एट अल।), रूटलेज प्रकाशक, 2020 (सह-लेखक परिमाला डी।) [आईएसबीएन-9780367202545]।
- 'राजस्थान में उच्च शिक्षा की स्थिति' पर रिपोर्ट अध्याय, मानव विकास रिपोर्ट, राजस्थान सरकार, 2020। (सह-लेखक गगन बिहारी साहू)

पत्रकारिता और जन संचार विभाग

प्रो. प्रमोद कुमार जेना, अतिथि प्रोफेसर

- अकादमिक स्टाफ कॉलेज कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा संचालित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए कक्षा ली।
- जनसंचार विभाग, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा द्वारा आयोजित वेबिनार में रिसोर्स पर्सन।
- जनसंचार विभाग, निम्स विश्वविद्यालय, राजस्थान में एक विशेष व्याख्यान को संबोधित किया।
- स्वामी विवेकानंद लोक संसद, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित एक वेबिनार को संबोधित किया।

प्रो. अक्षय राउत , अतिथि प्राध्यापक

प्रकाशन

- अप्रैल 2020 को 'इकोनॉमिक टाइम्स',में 'हाइजीन टेम्पर मस्ट टू बीट वायरस दैट इज़ नो मूड टू गो अवे' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- 29 जून 2020 को 'टाइम्स ऑफ इंडिया' में ' स्वच्छ वैक्सीन, यहाँ और अभी' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- 20 जुलाई 2020 को इकोनॉमिक टाइम्स में 'अमिट स्याही और ईवीएम के तरह ही बिहार में मास्क भी अनिवार्य' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- 4 अगस्त 2020 को 'इकोनॉमिक टाइम्स' में 'व्यू: पार्टीज, इलेक्टर्स, मैनेजर्स इन बिहार कैच बीट्वीन द वोट एंड वाइरस' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- 26 अगस्त 2020 को 'इकोनॉमिक टाइम्स' में 'कोविड लॉन्ग हॉल में प्रतिक्रिया थकान' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- अगस्त 2020 को 'इकोनॉमिक टाइम्स' में 'आगामी बिहार चुनाव के लिए कोरोना आचार संहिता' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- 8 सितंबर 2020 को इकोनॉमिक टाइम्स में 'आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अतिआवश्यक कोरोना आचार संहिता' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- 21 अक्टूबर 2020 को 'इकोनॉमिक टाइम्स'में ' कोविड -19 के बावजूद लोकतंत्र का पालन पर विचार , शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- अक्टूबर 2020 को इकोनॉमिक टाइम्स में 'कोविड-19 के बावजूद लोकतांत्रिक अभ्यास प्रबल होता है, शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- अक्टूबर 2020 को इकोनॉमिक टाइम्स मे ' कोविड से प्रभावित बिहार के मतदान में लोकतंत्र का सकारात्मक रूप ' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- 4 जनवरी 2020 को इकोनॉमिक टाइम्स में 'छात्रों के विद्यालय पुनः आने पर सफाई, पर विवेचन' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।

- 25 जनवरी 2021 को इंडिया एक्सप्रेस में 'स्वच्छ भारत मिशन वैक्सीन के बाद सावधानी के लिए एक मॉडल हो सकता है' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- जनवरी 2021 को इंडिया एक्सप्रेस में 'कोविड टाइम के लिए स्वच्छ पाठ: विश्व का सबसे बड़ा स्वच्छता कार्यक्रम वैक्सीन के बाद सावधानी के लिए एक मॉडल हो सकता है' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- जनवरी 2021 को टाइम्स ऑफ इंडिया में 'खोए वोटों को वापस पाने के लिए भारत के सर्वोत्तम तकनीकी लोग' इंडियाज बेस्ट टेक माइंड कम टुगेदर' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- जनवरी 2021 को टाइम्स ऑफ इंडिया में '5 विधानसभा क्षेत्रों के मतदान में खोए वोटों को पाने के लिए भारत के सर्वोत्तम तकनीकी लोगों का एकत्र होना' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- जनवरी 2021 को इकोनॉमिक टाइम्स में 'स्वीप द वैक्सीन लाइक इन वोटिंग' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- 31 जनवरी 2021 को इकोनॉमिक टाइम्स में ' भारत सरकार के टीकाकरण कार्यक्रम में बैकअप संचार रणनीति है पर विवेचन' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया।
- 18 मार्च 2021 को इंडिया एक्स्प्रेस में 'ए टेस्ट ऑफ फेथ: पोल्स एमिडस्ट पैन्डेमिक' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।
- मार्च 2021 को इकोनॉमिक टाइम्स में 'इंडिया, यू बेटर बिहेव' शीर्षक से एक आलेख प्रकाशित किया।

डॉ. प्रदोष कुमार रथ

- 26 मई 2020 को यूपी में एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, एमपी एंड सोसाइटी द्वारा आयोजित *कोरोना चरण के दौरान तनाव के मुद्दों से निपटने के लिए व्यक्तिगत और संगठनात्मक रणनीतियों* पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'द मीडिया ओवरफ्लो एंड साइकोलॉजिकल बर्डन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 04 से 08 अगस्त 2020 के दौरान मानव संसाधन विकास केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा ग्रेड 'ए' के साथ आयोजित 'सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए अनुसंधान पद्धति' पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 21 जून से 25 जुलाई 2020 के दौरान कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग और अथाबास्का यूनिवर्सिटी, कनाडा द्वारा ऑनलाइन आयोजित 'इंट्रोडक्शन टू टेक्नोलॉजीइनेबल्ड लर्निंग-' पर बड़े पैमाने पर ओपन ऑनलाइन कोर्स पूरा किया।
- 01 से 06 जुलाई 2020 के दौरान स्कूल ऑफ मैथमैटिकल साइंसेज, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़ द्वारा ऑनलाइन आयोजित 'टूल्स फॉर ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग एंड इवैल्यूएशन' पर शिक्षकों के लिए एक सप्ताह का शैक्षणिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 01 - 10 जून 2020 के दौरान आईक्यूएसी श्री बेलेश्वर डिग्री महाविद्यालय गोंडालाबेलगाम-, गंजम द्वारा ऑनलाइन आयोजित 'कोविड - 19 के दौरान पारंपरिक कक्षा को प्रौद्योगिकी संचालित कक्षा और अनुसंधान के अवसरों में स्थानांतरित करने' पर दस दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 18 मई -03 जून 2020 के दौरान टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन कक्षाओं का प्रबंधन और सह :निर्माण एमओओसीएस-2.0' पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया और ए ग्रेड से +सम्मानित किया।
- 8 जनवरी 2021 को मीडिया स्टडीज संस्थान, भुवनेश्वर में 'संचार मॉडल और इसके आधुनिक दिन प्रभाव' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। (ऑनलाइन)

प्रकाशन

- शोध पत्र का शीर्षक –'ओडिशा में फिल्म रीमेक की परंपरा: पोस्ट वैश्वीकरण युग में उड़िया फिल्म उद्योग का अध्ययन' श्री प्रभु प्रतिभा में (आईएसएसएन 0974-522एक्स, इसरा जर्नल इम्पैक्ट फैक्टर-3.397, यूजीसी द्वारा स्वीकृत जर्नल एसएल नंबर-47966), वर्ष 12, खंड-03 और 04, भाग-48 और 49, जुलाई-दिसंबर 2020, पीपी . 145-156। (सह-लेखक: तेलराम मेहर)।
- शोध पत्र का शीर्षक -'आदिवासी विकास में परम्परागत मध्यमो की भूमिका - छत्तीसगढ़ के सन्दर्भ माई' शोध चेतना में (आईएसएसएन 2350-0441, एसजेआईएफ - 4.076), वॉल्यूम। 4, वर्ष - 6, अक्टूबर-दिसंबर 2020, पीपी- 19-23. (सह-लेखक: डॉ. गुरु सरन लाल)।
- पुस्तक अध्याय शीर्षक 'महामारी में मीडिया की भूमिका: COVID-19 के दौरान सूचना और गलत सूचना का एक अध्ययन', कोरोना द्वारा एक अनकही हानि , (ISBN 978-93-89234-90-9), (सं. आरसी साहू), एन.बी. प्रकाशन, गाजियाबाद, भारत, 2020। पीपी। 102-108

डॉ. सौरव गुप्ता

- 15-16 अप्रैल 2020 के दौरान ओडिशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला में 'मीडिया समाजशास्त्र' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- *29-30 अप्रैल 2020 के दौरान संक्रामक और महामारी पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'वर्चुअल एजुकेशन: ड्यूरिंग एंड आफ्टर कोविड -19: ए मीडिया एस्थेटिक्स एनालिसिस' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया: इतिहास विभाग, एआईएचसी और पुरातत्व विभाग, डीएवी पीजी कॉलेज द्वारा आयोजित युगों के माध्यम से एक ऐतिहासिक विश्लेषण।*
- *10 मई 2020 को बंगाल लाइब्रेरी एसोसिएशन, कोलकाता द्वारा आयोजित बीएलए वेबिनार श्रृंखला में 'बंगाली नाटक और रंगमंच-इतिहास, अनुसंधान और स्रोत' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।*
- 12 से 16 मई 2020 के दौरान पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, क्रिस्तु जयंती कॉलेज, बेंगलुरु द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 22-28 मई 2020 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के टीचिंग लर्निंग सेंटर द्वारा आयोजित (टीएलसी)'बदलता भारतीय परिधिसाहित्य :, संस्कृति, संचार और मनोविज्ञान ' पर संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 15-19 जून 2020 के दौरान आयोजित बेनेट यूनिवर्सिटी (टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप) के लर्निंग रिसोर्स सेंटर द्वारा आयोजित अनुसंधान लेखन और प्रकाशन के लिए आवश्यक कौशल पर पांच दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 18 जून 2020 को रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित समाज ,अर्थव्यवस्था और संस्कृति के अनुसार कोविड -19 महामारी और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'समुदाय, संस्कृति और विश्वसनीयता: पारंपरिक मीडिया का अप्रतिरोध्य उदय-कोविड -19' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- 8 जुलाई 2020 को वेबिनार / गपशप, त्रिपुरा में 'थिएटर और अभिनय' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 29 जुलाई 2020 को विजयगढ़ ज्योतिष रॉय कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित वेबिनार सीरीज मास्टर क्लास में 'विकास में मीडिया की भूमिका; भारतीय परिप्रेक्ष्य का सिंहावलोकन' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 3 अगस्त 2020 को मज़बत कॉलेज और जोरहाट कॉलेज, असम द्वारा आयोजित '*शिक्षण और शिक्षण में रचनात्मकता और नवाचार* ' पर ऑनलाइन एफडीपी में 'शिक्षकमानस और शरीर :छात्र संचार के सौंदर्यशास्त्र-' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- 10 अगस्त 2020 को आरकेएसएमवीवी कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में '*आपदा प्रबंधन और संचारचुनौतियां : 'और अवसर* पर 'आपदा प्रबंधन में मीडिया की भूमिकाओडिशा में एचएएम रेडियो का एक अध्ययन-' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- 22 सितंबर 2020 को ऋषि बंकिम चंद्र इवनिंग कॉलेज, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित लैंगिक मुद्दों पर राष्ट्रीय वेबिनार: समाज, संस्कृति और मीडिया पर प्रभाव पर 'मीडिया: लिंग प्रतिनिधित्व' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 26 सितम्बर 2020 को बेहाला कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित चीन-भारतीय संघर्ष पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'द सेल्फ एंड द अदर: रीथिंकिंग सिनो-इंडियन रिलेशनशिप थ्रू नील आकाशेर आला' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 28 सितंबर 2020 को ऋषि बंकिम चंद्र महिला कॉलेज, डब्ल्यूबी द्वारा आयोजित विकास के लिए संचार पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'विकास के लिए संचार: सांस्कृतिक मुहावरों की भूमिका का विश्लेषण' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 30 सितंबर 2020 को गौर महाविद्यालय, मालदा द्वारा आयोजित वेबिनार में 'द सेमियोटिक्स ऑफ रिप्रेजेंटेशन: ए स्टडी इन बंगाली पैरेलल सिनेमा' शीर्षक से एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 4-8 जनवरी 2021 के दौरान आईआइएमसी , ढेंकनाल द्वारा आयोजित पीजीडीओजी में ऑनलाइन विशेष व्याख्यान में 'संचार सिद्धांत और मॉडल' पर आमंत्रित वार्ता दी।
- 13-14 जनवरी 2021 के दौरान जे एंड एमसी, विद्यासागर कॉलेज, कोलकाता विभाग द्वारा यूजी के लिए ऑनलाइन विशेष व्याख्यान में 'संचार अनुसंधान' पर आमंत्रित व्याख्यान वितरित किए।
- 15 से 17 मार्च 2021 के दौरान सीयूओ समन्वयक के रूप में भोपाल, मध्य प्रदेश का दौरा किया और आत्म निर्भर भारत के लिए सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो 2021 में सीयूओ का प्रतिनिधित्व किया।

प्रकाशन

- 'थिएटर एंड कम्युनिकेशन' शीर्षक पुस्तक आईएसबीएन)978-93-88825-26-9) पैराडाइज प्रेस, नई दिल्ली।
- 23 नवंबर 2020 को को दक्षिण एशिया में सेंटर फॉर परफॉर्मेंस रिसर्च एंड कल्चरल स्टडीज द्वारा आयोजित समकालीन विश्व थिएटरों पर अंतर्राष्ट्रीय वेब सम्मेलन में 'एप्लाइड थिएटर एंड डेवलपमेंटएस्थेटिक्स स्टडी ए मीडिया-' (आईएसबीएन 978-81-92794-21-3) शीर्षक वाली वेब कॉन्फ्रेंस ।

डॉ सोनी पाढ़ी

- 22 अप्रैल 2020 को एमएचआरडी पहल के हिस्से के रूप में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन मूडल इंटरैक्शन में भाग लिया।
- 29 से 30 मई 2020 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय से टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज द्वारा आयोजित और एमएचआरडी, पीएमएमएमएनएमटीटी द्वारा प्रायोजित '*साहित्य, मीडिया, मनोविज्ञान और वनिज्य के विविध आयम* ' पर एक सप्ताह के अंत:विषय संकाय विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। .
- 04 जून से 01 जुलाई 2020 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय से टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज द्वारा आयोजित और एमएचआरडी, पीएमएमएमएनएमटीटी द्वारा प्रायोजित यूनिवर्सिटी/कॉलेज/इंस्टिट्यूट के संकायों के लिए 4 साप्ताहिक कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया।
- नवंबर 2020 में बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा से पत्रकारिता और जनसंचार में डिग्री में पीएच. डी की उपाधि मिली।

शिक्षा विभाग

डॉ. रामेंद्र कुमार पाढ़ी

- 25 जुलाई 2020 को एफ एम विश्वविद्यालय, बालासोर, ओडिशा द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला मेंएक संसाधन व्यक्ति के तरह आमंत्रित किया गया जिसमे 'शिक्षक शिक्षा में अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों' पर एक वार्ता दी।
- 2 अगस्त 2020 को भवानीपुर अंचलिक कॉलेज और जीएल चौधरी कॉलेज, असम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में 'लोकतंत्र में शिक्षकों और प्रशासकों की भूमिका' पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक भाषण दिया।
- 10 अगस्त 2020 को शिक्षा विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय ,ओड़िशा द्वारा आयोजित वेबिनार व्याख्यान में 'गैर-प्रयोगात्मक अनुसंधान: प्रायोगिक और गैर-प्रायोगिक अनुसंधान, स्व-चयन और बड़े पैमाने पर और छोटे पैमाने पर गैर-प्रायोगिक अनुसंधान' के बीच एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक वार्ता दी।
- 23 जनवरी 2021 को *सेव द चिल्ड्रेन* , ओडिशा द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अवलोकन ' पर अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक भाषण दिया।
- 10-16 मई 2020 की अवधि के लिए महर्षि दयानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स द्वारा आयोजित एक सप्ताह की ऑनलाइन ई कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया
- 18 मई -01 जून 2020 के दौरान रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन कक्षाओं का प्रबंधन और सह-निर्माण एमओओसीएस' पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 29 मई -03 जून 2020 के दौरान रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित '*साहित्य, मीडिया, मनोविज्ञान और वनिज्य के विविध आयम* ' पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

प्रकाशित शोध आलेख

- शोध पत्र का शीर्षक'ओडिशा के जनजातीय किशोरों की उपलब्धि पर पालनपोषण और अध्ययन की आदतों के प्रभाव-' में *गंभीर समीक्षा* ' के *जर्नल* , (ISSN- 2394-5125), खंड 7, अंक 11, 2020 पृ 2905-2911।
- शोध पत्र का शीर्षक 'शैक्षणिक चिंता, समायोजन के संबंध में ओडिशा आदर्श विद्यालय के आदिवासी किशोरों की उपलब्धि' में *शोध सरिता* , Vol.7, अंक 28, दिसम्बर, 2020, (: 2348-2397 ISSN)। पीपी.12-17.
- शोध पत्र का शीर्षक 'आदिवासी क्षेत्रों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में ग्राम स्तरीय संगठनों की भूमिका' *शोध संचार बुलेटिन* , वॉल्यूम। 10, अंक 40, अक्टूबर-2020, (आईएसएसएन :2229-3620)। पीपी. 151-159.
- शोध पत्र का शीर्षक 'टैकलिंग COVID-19 आउटब्रेक थ्रू ग्राम पंचायतोंएविडेंस फ्रॉम रूरल ओडिशा :' *साइकलाजिकल पुनर्वास के इंटरनेशनल जर्नल* , वॉल्यूम। 24, अंक 06, 2020, आईएसएसएन :1475-7192। पीपी .17574-17582।
- शोध पत्र का शीर्षक 'मानसिक स्वास्थ्य और उपलब्धि प्रेरणा के संबंध में ओडिशा के आदिवासी किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि' में *भारतीय कला इतिहास कांग्रेस के जर्नलकाला : .* वॉल्यूम। 26, नंबर 2 (वी(, आईएसएसएन :0975-7945, पीपी। 162-167

गणित विभाग

डॉ. ज्योतिष्का दत्ता

- जून 2020 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद से गणित और कम्प्यूटिंग में पीएच. डी की उपाधि मिली।
- 30 जून 2020 को स्वयं प्लेटफॉर्म के माध्यम से 'लीडरशिप एंड गवर्नेंस इन हायर एजुकेशन लेवल 2' पर अर्पित कोर्स पूरा किया।

- 10 -17 मई 2020 के दौरान महर्षि दयानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई द्वारा आयोजित 'ई कंटेन्ट डेवलपमेंट (शैक्षिक ऑडीओ वीडियो उत्पादन) ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 10 से 16 अगस्त 2020 के दौरान एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'समस्या समाधान और पायथन के साथ प्रोग्रामिंग' पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला को पूरा किया।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

डॉ. सर्वेश्वर बारिक

- 29 नवंबर 2020 में, 'द्विरज़ेगो समस्या-वर्गों के लिए फ़ेकेते-यूनिवेलेंट फ़ंक्शंस के कुछ उप-' शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया ,सह लेखक-एमएमसोरेन ,एस बारिक और ए. के. मिश्र ', *द जर्नल ऑफ़ एनालिसिस* , नंबर 29, 2021 में प्रकाशित। पीपी। 147-162. ।
- 'यूनिट डिस्क के बाहरी हिस्से पर द्विवर्गों के प्रारंभिक गुणांक-एकतरफा विश्लेषणात्मक कार्यों के कुछ उप-' *दक्षिण पूर्व एशियाई बुलेटिन ऑफ मैथमैटिक्स* , 45 (4), 2021 में शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया। पीपी। 437-443 (सह लेखक- ए. के.मिश्रा)

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग

प्रो शरत कुमार पलिता

- 23 नवंबर 2020 को एक सदस्य के रूप में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 32वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में ऑनलाइन भाग लिया।
- 7 अगस्त 2020 को एक सदस्य के रूप में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 31वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में ऑनलाइन भाग लिया।
- 7 अगस्त 2020 को एक सदस्य के रूप में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 18वीं अकादमिक परिषद की बैठक में ऑनलाइन भाग लिया।
- 2020-21 के लिए सीयूओ, प्रवेश समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।
- 06 अक्टूबर 2020 से तीन साल के कार्यकाल के लिए डीन, स्कूल ऑफ बायोडायवर्सिटी एंड कंजर्वेशन ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज, सीयूओ के रूप में नियुक्त किया गया।
- 06 अगस्त 2020 से सीयूओ के निदेशक, अनुसंधान और विकास के रूप में नियुक्त किया गया।
- कुलपति द्वारा समन्वयक के रूप में मनोनीत, शैक्षणिक सत्र 2021-22 से शुरू होने वाले मूल्य वर्धित प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम।
- 5 अक्टूबर 2020 के कार्यालय आदेश के तहत जून 2021 में विज्ञापित विभिन्न शिक्षण पदों के लिए आवेदनों की स्क्रीनिंग के लिए मानदंड विकसित करने के लिए समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।
- जैव विविधता विभाग एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग के अध्ययन बोर्ड के अध्यक्ष।
- 30 जुलाई 2020 को विभाग में "जैव विविधता-पर्यावरण-स्वास्थ्य" पर एक राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार का आयोजन किया। प्रो. मधुमिता दास, कुलपति, एफ.एम. विश्वविद्यालय, बालासोर, डॉ. अमूल्य कुमार पांडा, निदेशक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और प्रो. पुरुषोत्तम रेड्डी, राजनीति विज्ञान के पूर्व प्रोफेसर, उस्मानिया विश्वविद्यालय और हैदराबाद के प्रसिद्ध पर्यावरणविद् रिसोर्स पर्सन के रूप में शामिल हुए।
- 20 जुलाई 2020 को एक विशेष ऑनलाइन व्याख्यान कोविड-19-वैश्विक लॉकडाउन-पर्यावरण संरक्षण का आयोजन किया। प्रो. एम.एन.वी. प्रसाद, विजिटिंग प्रोफेसर ने व्याख्यान दिया।
- 19 दिसम्बर 2020 को राज्य औषधीय पादप बोर्ड, ओडिशा के वित्त पोषण के तहत जैपोर वन प्रभाग में औषधीय पौधों के हितधारकों/खरीदार-विक्रेता बैठक/क्षेत्र भ्रमण के चार दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि।
- 28 सितंबर 2020 को वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्तरी उड़ीसा विश्वविद्यालय, बारीपदा, मयूरभंज, ओडिशा द्वारा आयोजित "जैव विविधता संरक्षण और आगे की चुनौतियां" पर राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित वक्ता के रूप में "जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य" नामक एक वार्ता दी गई।
- 17.09.20 को गूगल मीट प्लेटफॉर्म के माध्यम से जीव विज्ञान विभाग, बाबा भैरबानंद महाविद्यालय, चंडीखोल, जाजपुर, ओड़िशा द्वारा आयोजित "जैव विविधता संरक्षण और उपन्यास कोरोना वायरस-मानव पर प्रभाव" पर राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में एक ऑनलाइन वार्ता "जैव विविधता संरक्षण और COVID-19"पर वितरित की।
- मीटगूगल डॉट कॉम प्लेटफॉर्म के माध्यम से 24.07.20 को जूलॉजी विभाग, मार्शघई कॉलेज, मार्शाघई, केंद्रपाड़ा, ओडिशा द्वारा आयोजित "मैंग्रोव और तटीय संरक्षण" पर वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में एक ऑनलाइन वार्ता दी।

- गूगलमीट प्लेटफॉर्म के माध्यम से 29.06.20 को जूलॉजी विभाग, केंद्रपाड़ा स्वायत्त कॉलेज, केंद्रपाड़ा, ओडिशा द्वारा आयोजित "जैव विविधता और इसके संरक्षण" पर वेबिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में एक ऑनलाइन वार्ता वितरित की।
- "राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा नीति-2020: एक पुनरुत्थान भारत के लिए परिप्रेक्ष्य" पर राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार के संयोजक, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 10 अगस्त, 2020 को निदेशक, आईक्यूएसी के रूप में आयोजित किया गया।
- निदेशक, के रूप में 16 जून 2020 को आईक्यूएसी, सीयूओ द्वारा "मैं शिक्षा कैसे बदलूं" पर एक विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया।
- जैव विविधता और संरक्षण (स्प्रिंगर), उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिकी (स्प्रिंगर), जैव विविधता जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल डायवर्सिटी (इंडोनेशिया से प्रकाशित) और चिली जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी (चिली से प्रकाशित) (चिली सोसाइटी ऑफ एंटोमोलॉजी द्वारा प्रकाशित) के लिए चार शोध लेखों की समीक्षा की।
- निर्देशित अवधि के दौरान 09. एमएससी शोध प्रबंध (पुरस्कृत) और 01 एम.फिल. निबंध (पुरस्कृत)।

प्रकाशन:

- शोध पत्र शीर्षक "पूर्वी घाट, दक्षिणी ओडिशा, भारत के कोरापुट में ग्रीन मुनिया (*अमांडवा फॉर्मोसा*) की प्रजनन आबादी पर अध्ययन"। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, भारत खंड बीजैविक विज्ञान। : https://doi.org/10.1007/s40011-021-01225-2 (स्प्रिंगर, ISSN 0369-8211, IF: 0.396)(सह लेखक –एस. पुरोहित और बी. पी. खामारी)
- शोध पत्र का शीर्षक पोषण सुरक्षा और जलवायु लचीलापन में सुधार के लिए "कोरापुट, भारत के उपेक्षित, कम उपयोग और जंगली फसल संसाधनों की क्षमता" वर्तमान विज्ञान, 120 (6): 989-996 (2001)। (आईएएस, आईएफ:1.102; आईएसएसएन: 0011-3891), सह-लेखक: डी. पांडा)
- शोध पत्र का शीर्षक "फसल पौधों में वृद्धि और प्रकाश संश्लेषक प्रतिक्रिया में सुधार के लिए जैविक खाद के रूप में बैट गुआनो की क्षमता" पलिता, एस.के., पाणिग्रही, आर. और पांडा, डी. (2021)। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया सेक्शन बी: बायोलॉजिकल साइंसेज, 11 पेज (ऑनलाइन) https://doi.org/10.1007/s40011-020-01205-y (सह-लेखक: डी. पांडा और आर. पाणिग्रही)
- **शोध पत्र शीर्षक अविभाजित मिदनापुर जिले, पश्चिम बंगाल, भारत की तितलियाँ (रोपलोसेरा :लेपिडोप्टेरा): एक प्रारंभिक रिपोर्ट,** जर्नल ऑफ़ थ्रेटड टैक्सा12(17): 17347-17360(2020); 0.445. (सह लेखक ; ए मेहता और एन पी मिश्रा)
- पुस्तक अध्याय शीर्षक "जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण चुनौतियां और सतत आजीविका" है। पीपी. 3-25. में: जैव विविधता संरक्षण और आजीविका प्रबंधन। (एड: एच.एन. थाटोई और पी.आर. देबता) (2021)। दया पब्लिशिंग हाउस। एस्ट्रल इंटरनेशनल प्राइवेट का एक डिवीजन। लिमिटेड, नई दिल्ली - 110 002, भारत। (स्प्रिंगर, आईएसएसएन 0369-8211, आईएफ: 0.396)। (सह-लेखक: देवव्रत पांडा)
- पुस्तक अध्याय शीर्षक "भारत के पूर्वी क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधन संरक्षण के लिए जैव विविधता और पारंपरिक ज्ञान" है। पीपी 81-106, में: भूमि और जल संसाधन संरक्षण- मुद्दे, विकल्प और अनुभव। (एड: एम. मधु, पी. जाखड़; पी.पी. अधिकारी; जी. कुमार; चै. जे. दास; कर्मा बीयर; डी.सी. साहू; डी. मंडल, और पी.के. मिश्रा) (2021)। अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकें और आवधिक आपूर्ति सेवा मृदा और जल संरक्षणवादी, दिल्ली, भारत। आईएसबीएन: 978-93-88892-81-0; ई-आईआईएसबीएन: 978-93-88892-82-7

डॉ. काकोली बनर्जी

- 2020-2023 की अवधि के लिए 10.06.2020 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) के पीठासीन अधिकारी के रूप मे मनोनीत।
- 18.07.2020 को एमओओसी, केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा, कोरापुट के लिए विश्वविद्यालय समन्वयक के रूप में नामांकित।
- 07 मई 2020 को सेंटर फॉर रेगुलेटरी स्टडीज, गवर्नेंस एंड पब्लिक पॉलिसी (सीआरएसजीपीपी) और वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज (डब्ल्यूबीएनयूजेएस) के सहयोग से कैल्मा एक्सपेडिशन इंक, यूएसए द्वारा आयोजित कोविद -19 लॉकडाउन और हमारे आसपास के पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में संसाधन व्यक्ति, व्याख्यान का विषय "कोविद -19 लॉकडाउन और तटीय क्षेत्रों में पर्यावरण" था।
- 10 से 17 मई 2020 तक मुंबई विश्वविद्यालय के तहत महर्षि दयानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई द्वारा "ई-सामग्री विकास (शैक्षिक ऑडियो-वीडियो उत्पादन)" पर 8 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 11 से 15 मई 2020 तक इंस्टीट्यूट फॉर स्टैटिस्टिक्स एंड एनालिटिकल रिसर्च, चेन्नई द्वारा आयोजित "आर-प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का उपयोग करके सांख्यिकीय विश्लेषण" पर 5 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 27 से 01 जून 2020 तक यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी द्वारा "कोविद -19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियां और भविष्य अनुसंधान" पर 6 दिनों के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 11 से 14 जून 2020 तक सांख्यिकी और विश्लेषणात्मक अनुसंधान संस्थान, चेन्नई द्वारा आयोजित "सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण और एसपीएसएस का उपयोग करके व्याख्या" पर 4 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

- 17 जून 2020 को उच्च शिक्षा में महिलाओं पर एक राष्ट्रीय वेबिनार के समन्वयक,महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "उच्च शिक्षा में महिलाएं: चुनौतियां और अवसर" विषय पर बात की।
- 26 और 27 जून 2020 को गवर्नमेंट विदर्भ इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड ह्यूमैनिटीज, अमरावती, महाराष्ट्र, भारत द्वारा आयोजित जैविक और सामाजिक आर्थिक परिप्रेक्ष्य सतत विकास पर एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन के अतिथि वक्ता तथा "आजीविका का आकलन, रेजिलिएंस टू क्लाइमेट चेंज: ए केस स्टडी फ्रॉम ओडिशा"पर अपने विचार साझा किया।
- 17 जुलाई, 2020 को कलमा एक्सपेडिशन्स संस्थान, यूएसए द्वारा आयोजित "शिक्षा, पारंपरिक कला, योग और प्रकृति पर मानसिक स्वास्थ्य और जागरूकता के प्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार" में चर्चा का विषय "कोविड-19 के दौरान शैक्षिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य " पर संसाधन व्यक्ति के रूप में विचार प्रस्तुत किए।
- 29 से 31 जुलाई, 2020 को डॉ. अम्बेडकर कॉलेज ऑफ आर्ट्स (स्वायत्त), चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा आयोजित "समुद्री जैव विविधता और इसके संरक्षण पर राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला" में अतिथि वक्ता, उनका विषय था: ओड़िशा,भारत के तट पर कछुओं के घोंसले पर तटरेखा परिवर्तन और जलवायु भिन्नता का प्रभाव।
- 24 से 28 अगस्त, 2020 तक आयोजित महात्मा गांधी सेंट्रल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "रिसर्च मेथोडोलॉजी वर्कशॉप" में संसाधन व्यक्ति,'उनका विषय: डेटा का संग्रह और विश्लेषण, नमूनाकरण , चोरी आदि' 27 अगस्त, 2020 को चोरी आदि।
- 4 और 5 सितंबर, 2020 को आयोजित उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "ब्लू कार्बन पर" इंटरनेशनल वेबिनार "में मुख्य वक्ता। उनका विषय था: ब्लू कार्बन डोमेन: जलवायु परिवर्तन का एक संभावित नियामक।
- 8 सितंबर, 2020 को "शॉर्ट टर्म कोर्स" में संसाधन व्यक्ति, 2020 में एचआरडीसी, हैदराबाद के केंद्रीय विश्वविद्यालय 7 से 12 सितंबर, 2020 तक आयोजित हुआ। उन्होंने इस विषय पर 'आक्रामक प्रजाति: जैव विविधता के लिए एक प्राकृतिक आपदा' विचार रखा।
- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "संकाय प्रेरण कार्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति 18.11.20 से 17.12.20 तक आयोजित किया गया। इस विषय पर एक व्याख्यान दिया: 30 नवंबर, 2020 को जलवायु परिवर्तन और नीली कार्बन '।
- 30.11.2020 से 29.12.2020 हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "संकाय प्रेरण कार्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति, जलवायु के एक बदलते युग में नीली कार्बन पहल विषय पर 22 दिसंबर2020 को व्याख्यान दिया।
- ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से 12 जनवरी, 2021 को 'लिंग और पहल' पर एक वेबिनार आयोजित किया।
- 22-24 फरवरी, 2021 से आयोजित विश्लेषणात्मक जनजातीय अध्ययन (कोट) की परिषद द्वारा आयोजित "कोरापुट वन डिवीजन अधिकारियों के लिए मानव संसाधन विकास कार्यक्रम पर प्रशिक्षण" में संसाधन व्यक्ति। इस विषय पर एक व्याख्यान दिया गया:'कोरापुट क्षेत्र में जैव विविधता' 22फरवरी, 2021,को ।
- ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से 8 मार्च, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'महिला नेतृत्व: अचीविंग इक्वल फ्यूचरिनाकोविद-19वर्ल्ड' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
- 22.03.2021 से 23.03.2021 तक हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "संकाय प्रेरण कार्यक्रम" में संसाधन व्यक्ति। 15 मार्च, 2021 को आयोजित जलवायु के बदलते युग में ब्लू कार्बन पहल विषय पर व्याख्यान दिया।
- 23 मार्च, 2021 को आयोजित नवजीवन सेंटर फॉर डेवलपमेंट, गुजरात, भारत द्वारा आयोजित "स्वयं के माध्यम से एमओओसी के डिजाइन और विकास" पर आभासी संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 2020 में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूजी, पीजी, एमऔर पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूसीईटी पर्यवेक्षक के रूप में फिल. कार्य किया।
- 2020 में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 18 वीं शैक्षणिक परिषद के सदस्य क रूप में आमंत्रित।
- ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के 2021 में सांख्यिकी विभाग की विभागीय अनुसंधान समिति के सदस्य।
- ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट की 2020-21 के दौरान प्रवेश समिति के सदस्य।
- 2020-21 में खेल समिति, वार्षिक रिपोर्ट समिति, चिकित्सा प्रतिपूर्ति समिति और विश्वविद्यालय की लेखा परीक्षा समिति के सदस्य।
- 2020-21 में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के परीक्षा और शैक्षणिक कैलेंडर के सदस्य।

प्रकाशन

- " पूर्वी घाट, भारत के ऊंचे इलाकों में वनों की कटाई और वन विखंडन " पर शोध पत्र। *जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च*। *स्प्रिंगर* , (2020), 32(4): 1127-1138. डोई :https://doi.org/10.1007/s11676-020-01175-x। आईएसएसएन: 1993-0607 । IF1.689(सह लेखक:पॉल आर)
- "पूर्वी घाट, भारत की एक प्रमुख बॉक्साइट खदान में वनस्पति बायोमास का आकलन और मॉडलिंग" पर शोध पत्र। मॉडलिंग अर्थ सिस्टम्स एंड एनवायरनमेंट। स्प्रिंगर, (2020), डीओआई: https://doi.org/10.1007/s40808-020-01004-4, आईएसएसएन नंबर: 2363-6203। अगर। 2.84 (सह-लेखक: साहू सीके और पॉल आर)

- "समुद्री शैवाल: जलवायु परिवर्तन के शमन उपाय के रूप में खाद्य सुरक्षा के लिए नीली फसल" पर शोध पत्र। मॉडलिंग अर्थ सिस्टम्स एंड एनवायरनमेंट। स्प्रिंगर, (2020), प्लांट आर्काइव्स। यूजीसी-केयर लिस्ट, 20(1): 2045-2054। आईएसएसएन नंबर: 0972-5210। एनएएएस रेटिंग: 4.41 (सह-लेखक: तुरुक एएस और पॉल आर)
- महानदी डेल्टा, ओडिशा, भारत के मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में "केकड़ों की भू-अभियांत्रिकी संरचना और पोषक चक्रण में उनकी भूमिका" पर पुस्तक अध्याय। इन: एनवायर्नमेंटल प्रोसेसेस एंड मैनेजमेंट (संपादक: सिंह आरएम, शुक्ला पी और सिंह पी)। वाटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी लाइब्रेरी 91. स्प्रिंगर नेचर, स्विटजरलैंड द्वारा प्रकाशित, अध्याय 10, पीपी। 155-200, आईएसबीएन: 987-3-030-38151-6 (सह-लेखक: साहू एनआर और खेमुंडु जीआर)

अनुसंधान परियोजना

- भारत सरकार की परियोजना, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस),द्वारा वित्त पोषित एक चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के प्रधान अन्वेषक ।(पीआई)

डॉ देवव्रत पांडा

- एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, जेपोर में ओडिशा जैव विविधता बोर्ड के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में 13.01.2021 को संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और कोरापुट जिले की पुष्प विविधता पर एक वार्ता दी।
- 28.12.2020 को वनस्पति विज्ञान विभाग, एसवीएम कॉलेज, जगतसिंहपुर, ओडिशा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया, 'कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव एक :उभरती प्रवृत्ति' पर एक भाषण दिया।
- 19.12.2020 को एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, जयपुर द्वारा आयोजित औषधीय पौधों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित और कोरापुट जिले के औषधीय पौधों की फाइटोडायवर्सिटी पर एक वार्ता दी।
- 26.09.2020को वनस्पति विज्ञान विभाग, पट्टामुंडई कॉलेज, पट्टामुंडई, ओडिशा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित और जलवायु परिवर्तन और कृषि पर एक वार्ता दी।
- इस दौरान 11 एमएससी शोध प्रबंध को गाइड किया।
- साइंटिफिक रिपोर्ट, फोटोसिंथेटिका, फंक्शनल प्लांट बायोलॉजी, एनवायर्नमेंटल साइंस एंड पॉल्यूशन रिसर्च और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोरेमेडिएशन, हेलियन जैसे अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में छह शोध पत्रों की समीक्षा की।

जर्नल प्रकाशन

- 'चावल में सूखा सहिष्णुता शीर्षक वाला शोध पत्र: हाल के तंत्र और दृष्टिकोण पर ध्यान दें' चावल विज्ञान 28 (2): 119-132। (2021) (सह-लेखक: पी. के. बेहरा और एस.एस. मिश्रा) (एल्सेवियर आईएफ: 3.333 आईएसएसएन: 1672-6308)।
- पोषण सुरक्षा में सुधार और जलवायु लचीलापन को बढ़ावा देने के लिए 'कोरापुट, ओडिशा, भारत की कम उपयोग वाली जंगली फसलों की क्षमता' शीर्षक शोध पत्र। करेंट साइंस 120(6):989-996 (2021) (सह-लेखक: एस.के. पलिता) (आईएएस, आईएफ:1.102; आईएसएसएन: 0011-3891)
- चावल में बाढ़ सहिष्णुता के लिए आनुवंशिक संसाधन, जीन और आनुवंशिक दृष्टिकोण के हालिया अग्रिम शीर्षक वाला शोध पत्र। वर्तमान जीनोमिक्स, 22(1): 42-58. (2021) (सह-लेखक: जे. बारिक, आर.के. सरकार) (बेन्थम साइंस; आईएसएसएन: 1875-5488; आईएफ: 2.236)
- चावल में बाढ़ सहनशीलता शीर्षक वाला शोध पत्र: तंत्र और दृष्टिकोण पर ध्यान दें' चावल विज्ञान 28 (1):43-57'(2021) (सह-लेखक: जे. बारिक) (एल्सवियर आईएफ: 3.333 आईएसएसएन: 1672-6308) .
- फसल पौधों में वृद्धि और प्रकाश संश्लेषक प्रतिक्रिया में सुधार के लिए जैविक खाद के रूप में बैट गुआनो की क्षमता शीर्षक शोध पत्र। प्रोक। नेटल. एकेड। विज्ञान।, भारत, संप्रदाय। बी बायोल। विज्ञान 91:185-193 (2021) (सह-लेखक: एस.के. पलिता, आर. पाणिग्रही) (स्प्रिंगर, आईएसएसएन 0369-8211, आईएफ: 0.396)।
- फसल सुधार के लिए कोरापुट, भारत से कम उपयोग में लाए गए स्वदेशी फिंगर मिलेट जीनोटाइप की आनुवंशिक विविधता शीर्षक वाला शोध पत्र। जे प्लांट बायोकेम। जैव प्रौद्योगिकी। 30(1):99-116 (2021) (सह-लेखक: एनएच शैलजा, पी.के. बेहरा, एस.के. लेंका, के. लेंका) (स्प्रिंगर; आईएसएसएन: 0971-7811; आईएफ:1.175)।
- कोरापुट, भारत के परजा जनजाति द्वारा प्रयुक्त एथनोमेडिसिनल प्लांट्स की गुणात्मक फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग शीर्षक शोध पत्र, जर्नल ऑफ स्ट्रेस फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री, 17(1):5-12 (2021) (सहटीकादार .पी :लेखक-, जेके नायक आईएसएसएन) (1997-0838)।
- बेहतर विकास और तेल सामग्री के लिए फ्लाई ऐश-संशोधित मिट्टी पर 'ब्राह्मी की उपयुक्तता (बकोपा मोननेरी एल.) खेती' शीर्षक शोध पत्र इंटरनेशनल जे फाइटोरेमेडिएशन, 23:1, 72-79। (2021) (सह-लेखक: जे. बारिक, पी.के. बेहरा, जे. बारिक और डी. डैश) (टेलर्स एंड फ्रांसिस, आईएसएसएन: 1522-6514; आईएफ: 3.212)

- 'फसल सुधार के लिए भारत के पूर्वी घाटों के कोरापुट क्षेत्र के स्वदेशी चावल की भूमि में पैनिकल वास्तुकला की आनुवंशिक परिवर्तनशीलता' शीर्षक शोध पत्र। शरीर क्रिया विज्ञान और पौधों की आण्विक जीवविज्ञान। 26:1961-1971(2020)। (सह-लेखक: एन. साहू, पी.के. बेहरा और के. लेंका) (स्प्रिंगर, आईएसएसएन: 0971-5894; आईएफ: 2.391)
- 'फ्लाइ ऐश-संशोधित मिट्टी के तहत कैस्टर (रिकिनस कम्युनिस एल.) में धातु सहिष्णुता और विषहरण की शारीरिक प्रतिक्रिया' शीर्षक शोध पत्र। हेलियॉन, 6: ई04567। (सह-लेखक: एल. मंडल, जे. बारिक, बी. पाधान, एस.एस. बिसोई)https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2020.e04567 (आईएसएसएन: 2405-8440, सेल प्रेस)।
- 'स्वास्थ्य लाभ के लिए चयनित कम उपयोग किए गए जंगली याम (डायोस्कोरिया एसपीपी) की प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट क्षमता' शीर्षक शोध पत्र, जे फूड साइंस टेक्नोलॉजी, 57: 2370-2376' (2020) (सह-लेखक: बी. पाधान जेके नायक) (स्प्रिंगर; आईएसएसएन: 0975-8402; अगर:2.701)
- 'पोषण सुरक्षा और स्वास्थ्य लाभ में सुधार के लिए उपेक्षित और कम उपयोग किए गए यम की क्षमता (डायोस्कोरिया एसपीपी)' शीर्षक शोध पत्र फ्रंटियर इन फार्माकोलॉजी 11:496 (2020)। (सह-लेखक: बी. पाधान) (आईएफ: 5.810; आईएसएसएन: 16639812)।
- 'फ्लाई ऐश जमा की बहाली के लिए फ्लाई ऐश-संशोधित मिट्टी पर उगाए गए प्राकृतिक रूप से उगने वाले खरपतवार पौधों की फाइटोरेमेडिएशन क्षमता' शीर्षक शोध पत्र,इंटरनेशनल जे फाइटोरेमेडिएशन, 22:11, 1195-1203 (2020) (सह-लेखक: एल .मंडल और जे. बारिक) (टेलर्स एंड फ्रांसिस, आईएसएसएन: 1522-6514; आईएफ: 3.212)
- 'कोरापुट, ओडिशा, भारत से जंगली रतालू कंदों के रासायनिक मापदंडों में पारंपरिक प्रसंस्करण संबद्ध परिवर्तन' शीर्षक शोध पत्र। इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज 19 (2), 268-276, (2020) (सह-लेखक: एम. बिस्वास और बी. पदन) (निस्केयर; आईएसएसएन: 0972-5938; आईएफ: 0.757)।
- 'क्रोमियम के तहत जंगली चावल की वृद्धि और फाइटोरेमेडिएशन क्षमता' शीर्षक पुस्तक अध्याय (सं. एम. मधु एट अल।) आईएसबीएन: 978-93-88892-81-0। अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकें और पैरोडिकल आपूर्ति सेवा, भारत। (2021) (सह-लेखक: पी.के. बेहरा)
- पुस्तक अध्याय शीर्षक, 'जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय चुनौतियां और सतत आजीविका "जैव विविधता संरक्षण और आजीविका प्रबंधन में" (एड. एच. थाटोई और पीआर देबाटा) एस्ट्रल इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड आईएसबीएन 978-93-90435-13-5'(2021) (सह-लेखक: एस. के. पलिता)
- ओडिशा, भारत के कोरापुट जिले के परजा जनजातियों द्वारा विभिन्न रोगों के उपचार के लिए उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधे शीर्षक वाला पुस्तक अध्याय (सं. पी. एस. सिंह) आईएसबीएन: 978-93-90420-05-6। (2020) अकीनिक प्रकाशन। (सह-लेखक: पी टीकादार)
- पुस्तक अध्याय जिसका शीर्षक 'चावल की गुणवत्ता में सुधार: नई क्रांति' है। इन: रॉयचौधरी ए. (एड्स) राइस रिसर्च फॉर क्वालिटी इम्प्रूवमेंट: जीनोमिक्स एंड जेनेटिक इंजीनियरिंग। स्प्रिंगर, सिंगापुर। आईएसबीएन:978-981-15-4119-3. (2020) (सह-लेखक: एस.एस. मिश्रा, पी.के. बेहरा)

अनुसंधान परियोजना

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के लिए प्रधान अन्वेषक (पीआई), ओडिशा सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है ' सूखा तनाव सहिष्णुता के संबंध में ओडिशा के जेपोर पथ के चयनित देशी चावल की भूमि का आणविक लक्षण वर्णन ' नवंबर 2017- वर्तमान के दौरान शुरू हुआ।

व्यवसाय प्रबंधन विभाग

डॉ. प्रीतीश बेहरा

- 15-19 जून 2020 के दौरान लर्निंग रिसोर्स सेंटर, बेनेट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'अनुसंधान लेखन और प्रकाशन के लिए आवश्यक कौशल' पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- 27 मई -1 जून 2020 के दौरान, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोविड -19 महामारी चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव' पर ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।
- 22-26 जून 2020 और 29 जून -3 जुलाई 2020 के दौरान प्रबंधन अध्ययन विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'आर एंड आर स्टूडियो के साथ सांख्यिकीय विश्लेषण का परिचय' पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. सुभाष चंद्र पटनायक

- 24-28 जनवरी 2021 के दौरान केप कोमोरिन ट्रस्ट, भारत और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित थीसिस लेखन और प्रकाशन पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

प्रकाशन

- 'ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप एंड ऑर्गनाइजेशनल सिटीजनशिप बिहेवियर: द रोल ऑफ जॉब ऑटोनॉमी एंड सपोर्टिव मैनेजमेंट' शीर्षक शोध पत्र; प्रबंधन अनुसंधान समीक्षा में (स्कोपस-अनुक्रमित, डब्ल्यूओएस अनुक्रमित), 2021। डीओआई: https://doi.org/10.1108/MRR-06-2020-0371) - (सह-लेखक साहू, आर।)।
- 'सुपरवाइजर सपोर्ट, वर्क एंगेजमेंट एंड टर्नओवर इंटेंट्स: एविडेंस फ्रॉम इंडियन कॉल सेंटर्स' शीर्षक शोध पत्र; जर्नल ऑफ एशिया बिजनेस स्टडीज (स्कोपस-इंडेक्सेड, डब्ल्यूओएस इंडेक्स्ड), वॉल्यूम 14, नंबर 5, 2020, पीपी। 621-635 में। डीओआई: https://doi.org/10.1108/JABS-08-2019-0261)--(सह-लेखक पांडा, एन.)
- 'संगठनात्मक प्रदर्शन के पूर्वसूचकों के रूप में मानव संसाधन व्यवहार: एक संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग दृष्टिकोण' शीर्षक शोध पत्र; वैश्विक व्यापार समीक्षा में (स्कोपस-अनुक्रमित, WoS अनुक्रमित), वॉल्यूम। 21, नंबर 4, 2020, पीपी 1087-1112। (डीओआई: https://dosi.org/10.1177/0972150918779286)--(सह-लेखक साहू, आर)

श्री यादव देवी प्रसाद बेहरा

- 1-14 जुलाई, 2020 के दौरान 'उन्नत अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण' पर दो सप्ताह के ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम में भाग लिया, एएसबीएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर।
- 19 जुलाई 2020 को जेवीए एडुटेक। आरसेंटीमेंट एनालिसिस पर ऑनलाइन ऑन ट्रेनिंग का उपयोग करके टेक्स्ट माइनिंग और-हैंड्स : वर्कशॉप में भाग लिया।
- 14-16 जुलाई, 2020 के दौरान आईबीएम एसपीएसएस एएमओएस के माध्यम से संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग की खोज पर ऑनलाइन कार्यशाला।
- 24-30 अगस्त 2020 के दौरान प्रबंधन विभाग, करपगम उच्च शिक्षा अकादमी, कोयंबटूर द्वारा आयोजित 'प्रबंधन में समकालीन रुझान' पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- *6 नवंबर 2020 को यूक्रेन के विज्ञान तथा शिक्षा मंत्रालय एवं मेनिसकी नैशनल विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित आधुनिक वैश्विक चुनौतियों में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा विनियमन के उपकरणों* पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इफेक्ट ऑफ कॉग्निशन ऑन इन्वेस्टर्स एटिट्यूड टुवर्ड्स रिस्कए स्टडी फॉर मार्के :टिंग ऑफ फाइनेंशियल प्रोडक्ट्सविथ स्पेशल रेफरेंस टू सिप एंड म्यूचुअल फंड-' शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

- 'द कंपाउंडिंग इफेक्ट ऑफ इन्वेस्टर्स' कॉग्निशन एंड रिस्क एब्जॉर्प्शन पोटेंशियल ऑन द लेवल ऑफ इंटरेस्ट इन इनवेस्टमेंट इन डोमेस्टिक कैपिटल मार्केट' शीर्षक शोध पत्र; जर्नल ऑफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट (वेब ऑफ साइंस) (आईएसएसएन-1911-8074), खंड 14, संख्या 95, 2021, पीपी 1-19। (सह-लेखक नंदा, एस.एस., साहू, एस.के., साहू, टी.आर.)
- 'जोखिम-अवशोषण: निवेश में रुचि की डिग्री तक पहुंचने के लिए अनुभूति की शक्ति बढ़ाने पर एक अध्ययन' शीर्षक वाला शोध पत्र; उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में (स्कोप्स अनुक्रमित) (आईएसएसएन -2005-4238), वॉल्यूम। 29, नंबर 6, 2020, पीपी 61-76। (सह-लेखक साहू, एस.के., साहू, टी.आर.)
- 'अवधारणात्मक पूर्वाग्रह: स्टॉक मार्केट निवेश में विविध व्यवहार के लिए एक प्रमुख चालक' शीर्षक शोध पत्र; टेस्ट इंजीनियरिंग और प्रबंधन में (स्कोपस अनुक्रमित) आईएसएसएन 0193-4120, वॉल्यूम। 83, नंबर 6, 2020, पीपी 13888-13899 (सह-लेखक नंदा, एस.एस., साहू, एस.के., साहू, टी.आर.)
- 'कोविद परिदृश्य में बैंकिंग के डिजिटलीकरण की आवश्यकता: ग्रामीण दक्षिण ओडिशा में भुगतान बैंक और मोबाइल वॉलेट की उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि पर एक अध्ययन' शीर्षक शोध पत्र; संबोधि जर्नल (यूजीसी केयर) (आईएसएसएन-2249-6661), वॉल्यूम। 43, नंबर 2, 2020, पीपी 262-270। (सह-लेखक मिश्रा, एस., शर्मा, एस.)
- 'द कंपाउंडिंग इफेक्ट ऑफ सेल्फ-इफेक्टी एंड वर्क-रिलेटेड चैलेंजेज ऑन द टर्नओवर इंटेंट: ए स्टडी ऑन प्राइवेट बैंकर ऑफ साउथ ओडिशा' शीर्षक शोध पत्र; संबोधि जर्नल (यूजीसी केयर) (आईएसएसएन-2249-6661), वॉल्यूम- 43, नंबर 2, 2020, पीपी;117-125। (सह-लेखक शर्मा, एस।, तुरुक, एस.एस., मिश्रा, एस।)
- 'उपभोक्ताओं की वित्तीय उत्पादों के प्रति 'उपभोक्ताओं की विभेदक धारणा: सोशल मीडिया द्वारा खरीद निर्णय की कुंजी-चालक' शीर्षक वाला शोध पत्र; अभिज्ञान-क्वेस्ट फॉर एक्सीलेंस (आईएसएसएन 0970-2385), वॉल्यूम: 38, नंबर 2, 2020, पीपी 11-23। (सह-लेखक साहू, एस.के., साहू, टी.आर.)

सांख्यिकी विभाग

डॉ महेश कुमार पांडा

- 24-28 फरवरी 2021 के दौरान आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (आईसीएआर-एनएआरएम), हैदराबाद में,एसएससीए (ऑनलाइन) के 23वें वार्षिक सम्मेलन में 'सांख्यिकीय सिद्धांत और अनुप्रयोगों में दूरदर्शी नवाचार (विस्टा -2021)' पर 'डे ला गार्ज़ा घटना के संदर्भ में क्यूबिक और क्वार्टिक रिग्रेशन मॉडल में सटीक डिजाइन का एक अध्ययन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सांख्यिकीय संघ (एएसए) और केरल सांख्यिकी संघ (केएसए) 16-19 दिसंबर 2020 के दौरान अमेरिकन के सहयोग से केरल विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित इक्कीसवीं सदी-2020 (आईसीएसटीसी - 2020) के लिए सांख्यिकी पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मिश्रण प्रयोगों के साथ विहित बहुपद मॉडल के लिए आर-इष्टतम डिजाइन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 15 दिसंबर 2020 को दिल्ली पब्लिक स्कूल, दामनजोड़ी की अटल टिंकरिंग लैब के उद्घाटन समारोह में बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर भाषण दिया।
- 7 - 10 सितंबर 2020 के दौरान इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स (आईएसपीएस) और सांख्यिकी पूर्व छात्र, सांख्यिकी विभाग, एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति।
- 12-25 अगस्त 2020 के दौरान टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'डेटा विश्लेषण के लिए मात्रात्मक तरीके' पर दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया।
- 10-14 अगस्त 2020 के दौरान गणित और सांख्यिकी विभाग, बेसिक साइंसेज स्कूल, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित 'स्टोकेस्टिक मॉडलिंग, ऑप्टिमाइजेशन एंड सॉफ्ट कंप्यूटिंग' पर पांच दिवसीय ई-कार्यशाला में भाग लिया।
- 03 - 08 अगस्त 2020 के दौरान गणित विभाग, विज्ञान संस्थान और लर्निंग एंड सस्टेनेबिलिटी सेंटर, गीताम (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित 'गणित और सांख्यिकी में हालिया प्रगति' पर एक सप्ताह के ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 18-20 जुलाई, 2020 के दौरान पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ (भारत) में स्कूल ऑफ स्टडीज इन स्टैटिस्टिक्स द्वारा आयोजित 'पायथन, आर एंड एसपीएसएस का उपयोग कर सांख्यिकीय कम्प्यूटेशनल तकनीकों पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में भाग लिया।
- 08-14 जून, 2020 के दौरान टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'अनुसंधान के लिए मुक्त स्रोत उपकरण' पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया।
- 18 मई - 03 जून, 2020 के दौरान टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ऑनलाइन कक्षाओं के प्रबंधन और सह-निर्माण एमओओसीएस: 2.0' पर दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया।
- महर्षि दयानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, परेल, मुंबई द्वारा 10 - 17 मई, 2020 के दौरान आयोजित 'ई-सामग्री विकास (शैक्षिक ऑडियो - वीडियो उत्पादन)' पर 8 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।
- थाईलैंड सांख्यिकीविद नामक एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के एक शोध लेख की समीक्षा की।
- भारतीय अनुकूलन के निर्माण के लिए विश्व स्तर पर लोकप्रिय विली पुस्तक 'स्टेटिस्टिक्स: अनलॉकिंग द पावर ऑफ डेटा, 3e बाय आर. एच. लॉक, पी.एफ. लॉक, के.एल. मॉर्गन, ई.एफ. लॉक, डी.एफ. लॉक' की समीक्षा की।
- सांख्यिकी, कंप्यूटर और अनुप्रयोग सोसायटी, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य बने।
- 17 से 26 जून, 2020 के दौरान एक विज़िटिंग फैकल्टी के रूप में मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (उत्कृष्टता केंद्र), एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, कटक का दौरा किया।
- इस अवधि के दौरान निर्देशित एक एम.फिल. निबंध (पुरस्कृत) और आठ एमएससी के निबंध (पुरस्कृत)।

जर्नल प्रकाशन

- 'ऑन मोमेंट्स ऑफ ऑर्डर स्टैटिस्टिक्स एंड सम एस्पेक्ट्स ऑफ रोबस्टनेस इश्यूज ऑफ लिंडली डिस्ट्रीब्यूशन इन द प्रेजेंस ऑफ मल्टीपल आउटलेर्स' शीर्षक शोध पत्र, सांख्यिकी और अनुप्रयोग, 18(1): 127-140 (2020)। (आईएसएसएन: 2454 - 7395 (ऑनलाइन))।
- शोध पत्र, जिसका शीर्षक है 'सूचना तुल्यता के साथ सरल रेखीय प्रतिगमन मॉडल के लिए सटीक डिजाइन और लोयोनर आदेश प्रभुत्व गुण', कृषि और सांख्यिकीय विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 16 सप्ला (1): 1011-1016 (2020)। (आईएसएसएन: 0973-1903)।

केंद्रीय पुस्तकालय के कर्मचारियों की शैक्षणिक गतिविधियां

डॉ. विजयानंद प्रधान, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (वरिष्ठ वेतनमान)

- सितंबर 2020 में बेरहामपुर विश्वविद्यालय, बरहामपुर से पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पीएच. डी की उपाधि मिली।
- 16 सप्ताह स्वयं-अर्पण - एमएचआरडी सरकार द्वारा आयोजित शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम में भाग लिया। भारत के 'पुस्तकालय और सूचना सेवाओं में उभरते रुझान और प्रौद्योगिकी' विषय पर और 2020 में बी ग्रेड प्राप्त किया।
- 24-28 अगस्त 2021 के दौरान दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (ए डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), आगरा द्वारा आयोजित एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी से 'शैक्षणिक संस्थानों में अनुसंधान सहायता सेवाओं' पर एक सप्ताह का प्रारंभिक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 2020 में 'पोस्ट कोविड शिक्षा परिदृश्य: क्या लाइब्रेरी वेदर द स्टॉर्म या विल्ट अवे?' पर कुलपति के कॉन्क्लेव (ऑनलाइन) में भाग लिया।

प्रकाशन (पत्रिकाएं)

- शोध पत्र शीर्षक 'ओपन एक्सेस सोशल साइंस जर्नल्स इंडेक्स्ड इन डीओएजे: ए क्रिटिकल एनालिसिस, इन लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस (ई-जर्नल), 2021। पीपी। 5740. (आईएसएसएन: 1522-0222) https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/5740। (सह-लेखक ए. प्रधान और के. अगादी)।
- 'शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) देशों के एक ओपन एक्सेस इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी के माध्यम से शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ावा देना: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन' शीर्षक शोध पत्र। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास (ई-जर्नल)। 5064. (आईएसएसएन: 1522-0222) https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/5064, 2021। (सह-लेखक नायक, एस.; पटेल, ए.; पटेल, ए.के.)।
- 2015-2020 के दौरान स्कोपस डेटाबेस में प्रतिबिंबित वीएसएस यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (वीएसएसयूटी) की अनुसंधान उत्पादकता का एक साइंटोमेट्रिक्स अध्ययन शीर्षक वाला शोध पत्र। लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस (ई-जर्नल) 2021, 4943। (आईएसएसएन: 1522-0222)https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/494। (सह-लेखक बी.एन. प्रधान, एस.साहू)
- 2008-2019 के दौरान राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर के अनुसंधान उत्पादकता और सहयोग पैटर्न शीर्षक से शोध पत्र: पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास (ई-जर्नल) 2021 में एक साइंटोमेट्रिक्स अध्ययन। 4850। (आईएसएसएन: 1522-0222) https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/4850। (सह-लेखक एस. साहू, पी.के.पति और एस.पांडे)।
- लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस(2020), (ई-जर्नल), 4444 में 'ए साइंटोमेट्रिक असेसमेंट ऑफ द रिसर्च आउटपुट ऑफ द संबलपुर यूनिवर्सिटी ड्यूरिंग 1990-2019' शीर्षक शोध पत्र। (आईएसएसएन: 1522-0222) https://digitalcommons .unl.edu/libphilprac/4444। (सह-लेखक गिरीश कुमार, के. सिंह, आर. कुरी और एम. सिंह)।
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला का अनुसंधान प्रदर्शन शीर्षक वाला शोध पत्र: एक साइंटोमेट्रिक विश्लेषण। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास (ई-जर्नल), 4397 (2020)। (आईएसएसएन: 1522-0222) https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/4397। (सह-लेखक आर. कुरी, गिरीश कुमार और पी.के.पति)।

श्री। रुद्र नारायण, व्यावसायिक सहायक

- लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस (ई-जर्नल) में '2011-2020 के दौरान लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस पर ओपन एक्सेस लिटरेचर का विकास: ए साइंटोमेट्रिक्स एनालिसिस' (2021) शीर्षक से प्रकाशित शोध पत्र। 5641.; (सह लेखक पी.के.पति और एस. साहू)।

अनुसंधान गतिविधियाँ

निम्नलिखित एम.फिल और पीएच.डी. सत्र 2020-21 के दौरान शोधार्थियों द्वारा शोध प्रबंध प्रस्तुत किए गए हैं।

एम.फिल.				
क्रमांक	विषय	नाम	विषय	सम्मानित रेफरी। संख्या और तिथि
01	जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण	कपिलेश्वर मलिक	भारत के तटीय ओडिशा के चयनित आर्द्रभूमियों में नमक मार्श घास *पोर्टेरेसिया कोरक्टाटा* में कार्बन भंडारण	सीयूओ/परीक्षा/एम.फिल /2020/117 और 26.08.2020
02		प्रियांजोली रॉय	कोरापुट, दक्षिणी ओडिशा, भारत के पुंटियस जीन्स की पांच चयनित मछलियों की मॉर्फोटैक्सोनॉमी	सीयूओ/परीक्षा/एमफिल /2020/169 और 20.10.2020
03	अर्थशास्त्र	अर्चना बारिकी	ओडिशा के बरगढ़ जिले में खरीद और किसान की आय की प्रभावशीलता पर धान खरीद स्वचालन प्रणाली का प्रभाव	सीयूओ/परीक्षा/एमफिल/2021/30 और 03.02.2021
04	शिक्षा	प्रज्ञा परिमिता सामंतराय	उड़ीसा के उच्च शिक्षा संस्थानों में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) का कार्यान्वयन	सीयूओ/परीक्षा/एमफिल/2021/14 और 21.01.2021
05	सांख्यिकी	खोकन कुमार प्रमाणिक	प्रक्रिया की मजबूती के संदर्भ में प्रयोगों के विश्लेषण में मजबूत पैरामीटर डिजाइन की भूमिका: एक समीक्षा	सीयूओ/परीक्षा/एमफिल/2021/03 और 05.01.2021
पीएच.डी.				
01	जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण	राकेश पॉल	रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का उपयोग कर जलवायु परिवर्तन के संबंध में कोरापुट जिला, ओडिशा का वन आवरण गतिकी अध्ययन	सीयूओ/परीक्षा/पीएचडी/2021/32 और 08.02.2021
02	उड़िया	रिंकी पधानी	उड़िया उपन्यासरे पश्च पट्टदुस्यंतारा बरनात्मका शैली: प्रयोग ओ प्रतिफलाना (1980-2017)	सीयूओ/परीक्षा/पीएचडी/2020/95 और 09.07.2020
03		सावित्री मोहराणा	उड़िया नाटककारे नारी संप्रुक्ति: भित्ती ओ भूमिका	सीयूओ/परीक्षा/पीएचडी/2020/96 और 13.07.2020
04		कुना सुना	उड़िया उपन्यासरे कुहुका बस्ताबतारा प्रतिफलाना: रूपा ओ रूपंतराना (1980-2015)	सीयूओ/परीक्षा/पीएचडी/2021/15 और 24.01.2021
05	समाज शास्त्र	स्निग्धा संदर्शनी	समकालीन भारत में जनजातीय महिलाओं में लैंगिक असमानता: कोरापुट जिले में परजा जनजाति का एक अध्ययन	सीयूओ/परीक्षा/पीएचडी/2021/41 और 12.02.2021

छात्र – खाका

छात्र नामांकन

शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए दाखिल विद्यार्थियों का वर्गवार विवरण

क्रमांक	विभाग	सामान्य			अ.जा.			अ.ज.जा.			अ.पि.व.			अ .क.व.			कुल विद्यार्थि	कुल आसन	रिक्त	वक्तव्य
		पु.	म	तिलि	पु.	म.	तिलि	पु.	म.	तिलि	पु.	म.	तिलि	पु.	म	तिलि				
1	अंग्रेजी में स्नातक	3	6		5	1		0	0		9	6		0	2		32	44	12	
2	ओड़िआ में स्नातक	3	9		5	1		1	1		10	7		1	0		38	44	6	03- महिला सामान्य पीडब्ल्यूडी
3	समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर	7	9		1	2		2	1		6	2		0	1		31	44	13	
4	पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर	3	14		0	1		2	0		2	3		2	0		27	44	17	01- पुरुष सामान्य पीडब्ल्यूडी
5	मानव विज्ञान में स्नातकोत्तर	4	7		3	1		3	2		7	3		1	0		31	44	13	
6	अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर	5	8		2	3		2	1		5	4		2	0		32	44	12	
7	जैवविविधता में स्नातकोत्तर	2	9		2	1		0	2		2	6		0	1		25	44	19	1 – महिला सामान्य पीडब्ल्यूडी
8	गणित में स्नातकोत्तर (05 वर्षीय एकीकृत)	2	5		1	0		0	1		3	2		1	0		15	29	14	
9	बी। एड.	2	11		6	4		2	3		14	12		7	1		62	63	1	पीडब्ल्यूडी: 1- पुरुष- ईडब्ल्यूएस 1- पुरुष – ओबीसी 1- महिला –सामान्य
10	हिन्दी मे स्नातकोत्तर	0	4		1	1		0	1		2	5		0	0		14	25	11	
11	संस्कृत में एमा ए.	1	2		0	4		0	0		1	9		1	1		19	25	6	
12	सांख्यिकी में स्नातकोत्तर	4	2		1	0		1	2		2	3		1	2		18	25	7	
13	एमबीए	11	2		4	0		4	0		9	5		0	1		36	44	8	
14	बीसीए	9	0		1	0		2	0		2	0		2	0		16	44	28	
15	पत्रकारिता एवं जनसंचारित में एम. फिल.	0	0		0	1		0	0		0	0		0	0		1	2	1	
16	ओड़िआ में एम.फिल	0	0		0	1		0	0		1	0		0	0		2	2	0	
17	समाजशास्त्र में एम. फिल	0	1		0	0		0	0		0	0		0	0		1	1	0	
18	पत्रकारिता एवं जनसंचार में एम. फिल	1															1	1	0	विदेशी छात्र
19	जैव विविधता में एम. फिल	1	0		0	1		0	0		0	0		0	0		2	5	3	
20	अर्थशास्त्र में एम. फिल	1	0		0	0		0	0		0	0		0	0		1	1	0	
21	शिक्षा में एम.फिल	0	0		0	0		0	0		0	0		0	0		0	1	1	
22	सांख्यिकी में एम. फिल	0	0		0	0		0	0		1	0		0	0		1	1	0	
23	ओडिआ में पीएच.डी	1	0		0	0		0	0		2	0		0	0		3	3	0	
24	पत्रकारिता में पीएच.डी	1	0		0	0		0	0		1	0		0	0		2	2	0	
25	मानव विज्ञान में पीएच.डी	1	1		0	0		0	0		0	0		0	0		2	2	0	
26	जैव विविधता में पीएच. डी	0	1		0	0		0	0		1	0		1	0		3	3	0	
27	अर्थशास्त्र में पीएच.डी	0	1		0	0		0	0		0	0		0	0		1	1	0	
28	शिक्षा में पीएच.डी	0	0		0	0		0	0		1	0		0	0		1	1	0	
29	सांख्यिकी में पीएच.डी	0	0		0	0		0	0		0	0		0	0		0	1	1	
उप कुल संख्या		62	92		32	22		19	14		81	67		19	9		417	590	173	
कुल योग		154			54			33			148			28						

शैक्षणिक स्तर 2019-20 के लिए दाखिल विद्यार्थियों का वर्गवार विवरण

क्रम	विभाग	सामान्य			अ.जा.			अ.ज.जा.			अ.पि.व.			अ.क.व.			कुल विद्यार्थी	कुल आसान	रिक्त	वक्तव्य
		पु	म	तिलि	पु	म	तिलि	पु	म	तिलि	पु	म	तिलि	पु	म	तिल				
1	अंग्रेजी में स्नातकोत्तर	2	2		3	3		3	3		6	7					29	30	1	
2	ओड़िया में स्नातकोत्तर	0	1		3	3		5	0		9	9		0	1		31	30		1-MALE-ST-PWD
3	समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर	8	1		5	3		1	1		3	2		0	1		25	30	5	
4	पत्रकारिता एवं जनसंचार स्नातकोत्तर	3	4		2	0		2	0		4	2					17	30	13	
5	मानव विज्ञान में स्नातकोत्तर	1	11		1	3		2	1		8	0		1	2		30	30	0	
6	अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर	0	7		3	2		3	2		6	8		1	0		32	30		
7	जैवविविधता में स्नातकोत्तर	3	3		0	5		1	2		3	7					24	30	6	1-MALE-GEN-PWD
8	गणित में स्नातकोत्तर (5 वर्षीय एकीकृत)	1	2		2	0		0	1		6	7					19	20	1	
9	शिक्षा में स्नातक	8	7		6	4		2	2		8	13					50	50	0	2-MALE-GEN-PWD
10	हिन्दी में स्नातकोत्तर	1	4		0	1		0	0		0	1		1	0		8	16	8	
11	संस्कृत में स्नातकोत्तर	1	2		1	2		0	0		0	6					12	16	4	
12	सांख्यिकी में स्नातकोत्तर	4	3		0	0		0	1		5	2					15	16	1	
13	एमबीए	8	4		3	3		1	2		4	5		0	1		31	30		
14	बीसीए	7	4		1	4		0	1		5	1					23	30	7	
15	मानव विज्ञान में एम.फिल.				1	0					1	0					2	2	0	
16	समाजशास्त्र में एम.फिल.							1	0								1	1	0	
17	पत्रकारिता एवं जनसंचार में एम.फिल.	0	1														1	1	0	
18	जैवविविधता मे एम.फिल.	1	1														2	5	3	
19	अर्थशास्त्र में एम.फिल.										0	1					1	1	0	
20	शिक्षा में एम.फिल.										0	1					1	1	0	
21	सांख्यिकी में एम.फिल.	1	0														1	1	0	
22	मानव विज्ञान में पीएच.डी.				1	0					1	0					2	2	0	
23	जैवविविधता में पीएच.डी	0	2		2	0					1	0					5	5	0	
24	अर्थशास्त्र में पीएच.डी										1	1					2	2	0	
25	शिक्षा में पीएच.डी	0	1								1	0					2	2	0	
26	सांख्यिकी में पीएच.डी	1	0								1	0					2	3	1	
	उप कुल	50	60		34	33		21	16		73	73		3	5		368	414	46	
	कुल योग	110			67			37			146			8			368			

राष्ट्रीय फैलोशिप पुरस्कार: 2019-20

क्रमांक नहीं।	नाम	शैक्षणिक सत्र	कार्यक्रम	विभाग	फैलोशिप का नाम
01	लक्ष्मीप्रिया पत्र	2013-14	पीएच.डी.	डीओएलएल	यूजीसी-नेट जेआरएफ
02	राकेश पॉल	2014-15	पीएच.डी.	डीबीसीएनआर	राजीव गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप
03	ऐनी लतीफ़	2016-17	एम.फिल.	डीबीसीएनआर	यूजीसी-मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप
04	सुप्रिया सुरचिता	2017-18	पीएच.डी.	डीबीसीएनआर	डीएसटी इंस्पायर फेलोशिप
05	दमयंती बेहरा	2017-18	पीएच.डी.	डीओएलएल	यूजीसी- नेट जेआरएफ
06	संतोष जेना	2018-19	पीएच.डी.	डीईडीएन	ओबीसी छात्रों के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप
07	करिश्मा राणा	2019-20	पीएच.डी.	डीईडीएन	ओबीसी छात्रों के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप
08	निरंजन माझी	2019-20	एम.फिल.	डी एस	अनुसूचित जनजाति के छात्रों के उच्च अध्ययन के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप

परीक्षा विश्लेषण 2020-21

विश्वविद्यालय से प्राप्त यूजी/पीजी डिग्री की विषयवार संख्या

क्रमांक नहीं।	कार्यक्रम	कुल दिखाई दिया	कुल उत्तीर्ण	पास प्रतिशत
1	उड़िया में एमए	25	25	100
2	अंग्रेजी में एमए	23	22	95.7
3	एमएससी मानवविज्ञान में	14	14	100
4	समाजशास्त्र में एमए	30	30	100
5	जे और एमसी . में एमए	09	09	100
6	एमएससी (एकीकृत गणित) 10 सेमेस्टर में।	13	13	100
7	अर्थशास्त्र में एमए	23	23	100
8	एमएससी जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में	25	25	100
9	शिक्षा (बी.एड.)	44	44	100
10	हिंदी में एमए	13	13	100
1 1	संस्कृत में एमए	09	09	100
12	एमएससी सांख्यिकी में	08	08	100
13	बीसीए	25	25	100
14	एमबीए	28	28	100

2020 में आयोजित अंतिम परीक्षा से विभागवार टॉपर सूची

क्रमांक नहीं।	छात्र का नाम	नामांकन संख्या	कार्यक्रम
01	ज्योतिरादित्य पटनायक	18/02/डीए/03	एमएससी मानवविज्ञान में
02	सुभाषश्री पात्रा	18/05/डीबीसीएनआर/02	एमएससी जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में
03	ऋतुरानी प्रधान	18/06/डीबीएम/10	व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर
04	शशिकांत कर्ण	17/04/डीसीएस/24	कंप्यूटर आवेदन के स्नातक
05	आदित्य नारायण दासी	18/02/डीई/02	अर्थशास्त्र में एमए
06	लक्ष्मीप्रिया स्वैन	18/03/डीईडीएन/26	शिक्षा में स्नातक
07	प्रज्वल शुभम ब्रह्मचारी	18/01/डेल/03	अंग्रेजी में एमए
08	आलोक बिस्वाल	18/01/डीएच/05	हिंदी में एमए
09	मेघा नायक	18/03/डीजेएमसी/10	पत्रकारिता और जन संचार में एमए
10	शांतनु कुमार दाश	15/04/डीएम/22	5 वर्षीय एकीकृत एमएससी। गणित में
11	विद्याधर माली	18/01/गुड़िया/09	ओडिया में एमए
12	पूजा नायक	18/01/डीएसकेटी/01	संस्कृत में एमए
13	जमुना मोंत्रि	18/02/डीएस/09	समाजशास्त्र में एमए
14	स्वयं सिद्ध मिश्रा	18/07/डीएसएटीएटी/05	एमएससी सांख्यिकी में

एम.फिल की विषयवार संख्या। और पीएच.डी. विश्वविद्यालय से प्रदान की गई उपाधि

क्रमांक	विषय	अनुसंधान स्तर					
		पीएच.डी.			एम.फिल.		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
01	उड़िया	02	02	04	शून्य	शून्य	शून्य
02	समाज शास्त्र	शून्य	01	01	शून्य	शून्य	शून्य
03	जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	01	शून्य	01	01	01	02
04	अर्थशास्त्र	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	01	01
05	शिक्षा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	01	01
06	सांख्यिकी	शून्य	शून्य	शून्य	01	शून्य	01

संरचनात्मक सुविधाएं

केंद्रीय पुस्तकालय

पुस्तकालय संग्रह एक नजर में

केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए सूचना सहायता प्रदान करने वाली केंद्रीय सुविधाओं में से एक है। पुस्तकालय वर्ष 2009 में स्थापित किया गया था और वर्तमान में विश्वविद्यालय के दो परिसरों (एक लांडीगुडा परिसर में और दूसरा सुनबेड़ा परिसर में) से काम कर रहा है। ओपन सोर्स इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर कोहा की मदद से लाइब्रेरी को ऑटोमेटेड किया जा रहा है।

प्रिंट संग्रह			ई-संसाधन संग्रह		
क्रमांक	संग्रह का नाम	संग्रह की संख्या	क्रमांक	संग्रह के नाम	संग्रह की संख्या
1.	पाठ्य पुस्तकें	39400	1.	सीडी/डीवीडी	240
			2.	ई-पुस्तकें (स्प्रिंगर नेचर, बिब्लियोटेक्स इंडिया, वर्ल्ड टेक्नोलॉजीज)	1064
2.	बॉउन्ड अंक	900	3.	ई-डेटाबेस (सदस्यता) (एमराल्ड, ईपीडब्ल्यू, ईपीडब्ल्यूआरएफ आईटीएस, इंडियास्टेट जेएसटीओआर, प्रोजेक्ट एमयूएसई, और टेलर एंड फ्रांसिस)	07
				ई-संसाधन (ई-शोध सिंधु के माध्यम से) (आईएसआईडी डाटाबेस, वर्ल्ड ई-बुक लाइब्रेरी और साउथ एशिया आर्काइव)	03
3.	थीसिस और निबंध	128	5.	शुद्ध शुद्धि पहुंच (ई-शोध सिंधु के माध्यम से)	मूल (पहले अरकुंड साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर)
4.	सामाचार पत्र	14	6	टर्निटिन-आईथेंटिकेट पीडीएस	वार्षिक सदस्यता

केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं:

केंद्रीय पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं को निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं:

- साइबर लाइब्रेरी: फ्री और ओपन-एक्सेस डिजिटल संसाधनों को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय पुस्तकालय एक समर्पित वेब पोर्टल साइबर लाइब्रेरी की सुविधा प्रदान करता है जिसमें ई-बुक्स, ई-जर्नल, वीडियो लेक्चर, सब्जेक्ट गेटवे, डेटाबेस आदि जैसे उपयोगी ई-संसाधनों की विभिन्न सूचियां शामिल हैं।
- विषय प्लस: केंद्रीय पुस्तकालय में हमारे विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग के लिए एक समर्पित मंच है, जहां कोई भी विभागीय जानकारी को संक्षेप में प्राप्त कर सकता है।
- इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और निबंध (ईटीडी): केंद्रीय पुस्तकालय अपने सभी सम्मानित इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंधों को ईटीडी नामक एक भंडार में होस्ट कर रहा है।
- ई-संसाधनों की रिमोट एक्सेस सुविधा: केंद्रीय पुस्तकालय इंफेड सुविधा के माध्यम से सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को रिमोट एक्सेस सुविधा भी प्रदान करता है जिसे 24X7 किसी भी समय कहीं भी एक्सेस किया जा सकता है।
- इंस्टीट्यूशनल डिजिटल रिपोजिटरी (आईडीआर): हमारे विश्वविद्यालय के बौद्धिक उत्पादन का एक भंडार डीस्पेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बनाया गया है।
- समर्पित और अद्यतन पुस्तकालय वेबसाइट: पुस्तकालय ने उपयोगकर्ता को नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए अपनी वेबसाइट विकसित की है।
- ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग: सेंट्रल लाइब्रेरी ने अपना वेब-ओपीएसी विकसित किया है जो इंटरनेट पर उपलब्ध है।
- स्वचालित परिसंचरण: सभी लेनदेन (चेक इन और चेक आउट) बार कोडिंग सुविधा के माध्यम से किए जा रहे हैं।
- दस्तावेज़ वितरण सेवाएँ: हमारे पुस्तकालय में जो संसाधन उपलब्ध नहीं हैं, वे हमारे उपयोगकर्ताओं को उनके ई-मेल के माध्यम से मांग पर प्रदान किए जा रहे हैं।

- आरक्षित संग्रह: केंद्रीय पुस्तकालय ने केवल पुस्तकालय के अंदर उपयोग के लिए एक आरक्षित संग्रह बनाया है और इन दस्तावेजों को परिचालित नहीं किया जा सकता है।
- सीसीटीवी कैमरा: पुस्तकालय ने अपने संसाधनों की उचित निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाया है।
- उपयोगकर्ता अभिविन्यास कार्यक्रम: पुस्तकालय ने अपने संसाधनों के उचित उपयोग के लिए अपने उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया है।
- पुस्तक समीक्षा सेवा: पाचन सूचना सेवा का एक तरीका जिसके माध्यम से हाल ही में जारी की गई पुस्तकों के बारे में जानकारी पैक रूप में उपयोगकर्ताओं को तुरंत सूचित की जा सकती है। इसमें विभिन्न ई-समाचार पत्रों की जानकारी शामिल है जो साप्ताहिक आधार पर प्रकाशित होते हैं।
- नए आगमन: सभी नई जोड़ी गई पुस्तकों को नए आगमन अनुभाग में प्रदर्शित करने के लिए अलग-अलग रैक में रखा गया है और साथ ही इन वेबसाइटों **http://library.cuo.ac.in/ebooks** और **http://opac.cuo.ac.in/cgi-bin/koha/opac-search.pl?limit=mc-itype:EBK** पर ऑनलाइन भी देखा जा सकता है।
- टॉकिंग लाइब्रेरी: सेंट्रल लाइब्रेरी के विकलांग उपयोगकर्ताओं के लिए, एक समर्पित टॉकिंग लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध है।
- समर्पित ओपेक, ई-संसाधन क्षेत्र और इंटरनेट टर्मिनल: ओपेक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग), सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों के साथ-साथ अन्य इंटरनेट से संबंधित सेवाओं तक पहुंचने के लिए उपयोगकर्ताओं को पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर प्रदान किए जाते हैं।
- सीयूओ का आईआरआइएनएस : सीयूओ के उपयोगकर्ता समुदाय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों की बेहतर दृश्यता के लिए केंद्रीय पुस्तकालय भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क सिस्टम (आईआरआइएनएस) की सुविधा भी प्रदान करता है जिसमें **https://cuo.irins.org/** पर पहुँचा जा सकता है।
- कोविड -19 पुस्तकालय संसाधन: केंद्रीय पुस्तकालय ने एक आकर्षक ओपन-एक्सेस कोविड -19 लाइब्रेरी रिसोर्स वेब पोर्टल भी बनाया है जिसमें विभिन्न वेबसाइटों जैसे ओपन एक्सेस ई-बुक्स / ई-जर्नल्स, ई- से मुफ्त / ओपन एक्सेस उपयोगी ई-संसाधन शामिल हैं। डेटाबेस, कोर्सवेयर, भारत सरकार की पहल, कोविड -19 संसाधन आदि वेबसाइट वर्तमान में **http://library.cuo.ac.in:**8081/**covid-19-library-resources/** के साथ-साथ सेंट्रल लाइब्रेरी जीथब रिपॉजिटरी में लाइव है https://library-cuo.github.io/COVID-19-Library-Resources/ इस वेबसाइट पर।

साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर (पीडीएस): केंद्रीय पुस्तकालय नई पीएच.डी थीसिस और शोध प्रबंध की जांच के लिए इनफ्लिबनेट द्वारा प्रदान किया गया एंटी-प्लेगरिज्म सॉफ्टवेयर ऑरिजिनल (पहले उरकुंड) प्रदान करता है। इसके अलावा, सीयूओ के शोध उत्पादन को बढ़ाने के लिए केंद्रीय पुस्तकालय ने वाणिज्यिक-आधारित साहित्यिक चोरी-रोधी सॉफ़्टवेयर टर्निटिन-आई थेंटिकेट को भी सब्सक्राइब किया है जो विश्वविद्यालयों/संस्थानों के बीच लोकप्रिय है और संभावित साहित्यिक चोरी के लिए अपने मूल कार्यों की जांच करने के लिए शोधकर्ताओं के लिए एक प्रमुख उपकरण है।

सदस्यता शक्ति: वर्तमान में विश्वविद्यालय पुस्तकालय अपने दो परिसरों से कार्य कर रहा है और दोनों परिसरों में पुस्तकालय में **800** सदस्य हैं जिनमें छात्र, संकाय, शोध छात्र और गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल हैं। इन-हाउस सदस्यों के अलावा, पुस्तकालय हमारे विश्वविद्यालय के निकट अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के विद्वानों और आगंतुकों की जरूरतों को भी पूरा करता है।

काम करने के घंटे: अपने संसाधनों तक अधिकतम पहुंच प्रदान करने के लिए, केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय के सभी कार्य दिवसों में **09:00** बजे से **21:00** बजे तक खुला रहता है। सुनबेड़ा परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय भी शनिवार और रविवार को सुबह **10** बजे से दोपहर **1** बजे तक खुला रहता है।

पुस्तकालय सलाहकार समिति: पुस्तकालय सीधे पुस्तकालय सलाहकार समिति की देखरेख में कार्य करता है जो विश्वविद्यालय के अध्यादेश संख्या **37** के तहत गठित की गई है। पुस्तकालय समिति संकायों, छात्रों और पुस्तकालय के बीच एक बफर के रूप में कार्य करती है, जो पुस्तकालय को नियम, विनियम बनाने और केंद्रीय पुस्तकालय के सुचारू संचालन के लिए सलाह देने में भी मार्गदर्शन करती है। पुस्तकालय सलाहकार समिति के लिए निम्नलिखित सदस्यों को मनोनीत किया जाता है:

क्रमांक	संग्रह का नाम	क्रमांक	संग्रह का नाम
1	प्रो. (डॉ.) शरत कुमार पलिता, कुलपति प्रभारी और अध्यक्ष	5	श. संजीत कुमार दास, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी , अंग्रेजी भाषा और साहित्य विभाग (डीईएलएल)
2	डॉ. आसित कुमार दास, कुलसचिव	6	डॉ. ज्योतिष्क दत्ता, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी , गणित विभाग (डीएम)
3	श. के. कोसला राव, वित्त अधिकारी प्रभारी	7	श. प्रशांत कुमार बेहरा, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी , अर्थशास्त्र विभाग (डीई)
4	डॉ. रामेंद्र कुमार पाढ़ी , सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी , शिक्षा विभाग (डीईडीएन)	8	प्रो. शरत कुमार पलिता, प्रोफेसर प्रभारी, केंद्रीय पुस्तकालय, संयोजक

आवश्यकता पड़ने पर डॉ. बिजयानंद प्रधान, सहायक। अध्यक्ष के अनुमोदन से पुस्तकालयाध्यक्ष और प्रधान/प्रमुख (प्रभारी) को सहयोजित किया जाएगा।

पुस्तकालय कर्मचारी

1. प्रो. शरत कुमार पलिता, प्रोफेसर प्रभारी (पीआईसी), केंद्रीय पुस्तकालय, **2.** डॉ. बिजयानंद प्रधान, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (सीनियर स्केल) और ओएसडी, शिक्षण भर्ती, **3.** श. रुद्र नारायण, पेशेवर सहायक, **4.** श. अनुज के सिंह, सलाहकार (आईटी/सीएस), **5.** श. मुकुंद खिला, पुस्तकालय सहायक

6. केंद्रीय पुस्तकालय ने ऑनलाइन परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से **04** पुस्तकालय प्रशिक्षु-सह-सहायक की भी भर्ती की है।

सीयूओ ने पारंपरिक कक्षाओं को अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाओं में परिवर्तित किया

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रत्येक 14 विभागों की कक्षा में डिजिटल इंटरएक्टिव डिस्प्ले, विजुअल प्रेजेंटर्स, इलेक्ट्रॉनिक लेक्चर आदि स्थापित करके पारंपरिक और पारंपरिक कक्षाओं को अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाओं में बदल दिया। प्रो. आई. रामब्रह्मम, कुलपति ने कहा "सीयूओ द्वारा की गई यह पहल विश्वविद्यालय में शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता में काफी सुधार करेगी और समग्र शैक्षिक अनुभव के लिए एक आधुनिक शिक्षाशास्त्र को सामने रखेगी। शिक्षक और छात्र अपने सीमित समय का उपयोग छात्रों को हर एक अवधारणा को इमर्सिव और आकर्षक तरीकों से समझने और सीखने के लिए कर सकते हैं।" उन्होंने बताया कि इस टर्न-की और उपयोगकर्ता के अनुकूल समाधान का मुख्य फोकस आवश्यक कौशल सेटों को बढ़ाने के लिए शिक्षकों को उन्नत तकनीकी संसाधनों से लैस करना है जो 21 वीं सदी की आवश्यक अनिवार्य आवश्यकताएं थीं - संचार, सहयोग, रचनात्मकता, महत्वपूर्ण सोच, और समस्या समाधान। हम वास्तव में मानते हैं कि इस वैश्विक प्रतिस्पर्धी मंच में छात्रों के 360-डिग्री विकास के लिए इन कौशल सेटों को बढ़ाना और उनमें महारत हासिल करना बहुत आवश्यक है।

शिक्षकों को स्मार्ट क्लासरूम चलाने के लिए परिचित और अच्छी तरह से वाकिफ कराने के लिए, तकनीकी लोगों के साथ 16-17 दिसंबर 2020 को कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अब परिसर में ऑनलाइन और आमने-सामने कक्षाएं दोनों संभव हैं।

स्मार्ट क्लासरूम सॉल्यूशन की मुख्य विशेषताएं

- आकर्षक और स्मार्ट परिव्यय वाला समाधान, आपके प्रस्तुतीकरण में अतिरिक्त आकर्षण जोड़ता है
- यह एक इमर्सिव और आरामदायक सीखने का माहौल बनाने के लिए पारंपरिक और आधुनिक शैक्षणिक अनुप्रयोगों के मिश्रण के साथ एक समकालीन और व्यापक समाधान है।
- इंटरएक्टिव डिस्प्ले सहयोग और उत्पादकता के मामले में सामान्य बातचीत के माहौल को एक उच्च स्तर पर बदल देता है।
- इंटरएक्टिव डिस्प्ले में इनबिल्ट इंटेरेक्टिव सॉफ्टवेयर है जो लाइव एनोटेट करने, लिखने, संपादित करने, सहेजने, मिटाने, हाइलाइट करने, रंग, आकार, प्रिंट, ईमेल, रिकॉर्ड, ब्रश चुनने आदि के लिए कई सुविधाएँ प्रदान करता है।
- शिक्षक कक्षाओं के संचालन के दौरान सूचना और मल्टीमीडिया सामग्री जैसे प्रस्तुतीकरण, पीडीएफ, दस्तावेज, वीडियो और छवियों को संप्रेषित कर सकते हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक व्याख्यान निर्बाध व्याख्यान वितरण के लिए एकल प्रस्तुति उपकरण के रूप में काम करते हैं जो प्रस्तुतकर्ता और दर्शकों के बीच दोतरफा बातचीत को और भी प्रभावशाली बनाता है।
- इलेक्ट्रॉनिक व्याख्यान एकल प्रस्तुति मंच में रचनात्मक उपकरणों को एकीकृत करके संचार, सहयोग और उत्पादकता को सुव्यवस्थित करता है।
- दृश्य प्रस्तुतकर्ता किसी दस्तावेज़ या वस्तु को दर्शकों के लिए बड़े स्क्रीन पर प्रदर्शित करने में बहुत मदद करता है।

कंप्युटर केंद्र

विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में सभी विभागों को लैन और इंटरनेट की सुविधा प्रदान करने के लिए दो सर्वर रूम हैं। दोनों परिसरों में वायर्ड और वायरलेस लैन सुविधा है। बीएसएनएल द्वारा मुख्य परिसर में 1 जीबीपीएस का राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किया गया है। कैंपस वाईफाई परियोजना एनआईसीएसआई की मदद से शुरू की गई थी। ऑप्टिकल-फाइबर केबल (ओएफसी) लाइब्रेरी ब्लॉक से लेकर बॉयज हॉस्टल, गर्ल्स हॉस्टल, एकेडमिक ब्लॉक और गेस्ट हाउस तक फैली हुई है। एमएचआरडी के निर्देश पर मेसर्स रेलटेल को एक्टिव कंपोनेंट इंस्टालेशन का काम सौंपा गया। मेसर्स रेलटेल ने एक्टिव कंपोनेंट इंस्टालेशन कार्य निष्पादित किया। अब दोनों परिसरों में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध है। इंटरनेट का उपयोग करने के लिए प्रत्येक उपयोगकर्ता को व्यक्तिगत आईडी और पासवर्ड दिया जाता है। हर यूजर इस आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल दो डिवाइस यानी मोबाइल और लैपटॉप दोनों पर कर सकते है।

दोनों सर्वर रूम निम्नलिखित बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित हैं			दोनों परिसरों में तीन सौ चौदह टर्मिनलों का स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क और निम्नलिखित विवरण के साथ नौ कंप्युटर प्रयोगशालाएं चल रही हैं	
क्रमाक	सर्वर रूम का स्थान	स्थापित एच/डब्ल्यू और एस/डब्ल्यू	क्रमांक	स्थान
1	लैंडिगुडा कैंपस (इंटरनेट कनेक्टिविटी 20 एमबीपीएस)	1 प्रबंधित स्विच 24 पोर्ट 2 राउटर डीएल2600 • एक डब्ल्यूडीएस सर्वर • एक प्रॉक्सी सर्वर • ईपीएबीएक्स सिस्टम- चालीस लाइन • प्रिंटर - दो • दो ऑनलाइन यूपीएस (5 और 6 केवीए)	1	डीबीसीएनआर विभागीय प्रयोगशाला
			2	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागीय प्रयोगशाला
			3	सामान्य कंप्यूटर लैब
			4	गणित विभागीय प्रयोगशाला
2	मुख्य परिसर, सुनाबेड़ा (1 जीबीपीएस के एनकेएन कनेक्शन के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी)	• दो प्रबंधित सिस्को स्विच एसजी300 28 पोर्ट • जुनिपर राउटर M10 i • एक प्रॉक्सी सर्वर • तीन ऑनलाइन यूपीएस (10 केवीए-1, 5 केवीए-2)	5	कंप्यूटर विज्ञान विभागीय प्रयोगशाला
			6	शिक्षा विभागीय प्रयोगशाला
			7	सांख्यिकी विभागीय

अवसंरचनात्मक विकास

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ढांचागत विकास एक सतत प्रक्रिया है। अब तक, परिसर को क्रियाशील बनाने के लिए निम्नलिखित अवसंरचनात्मक विकास हुए हैं:

- ओडिशा सरकार ने 430.37 एकड़ जमीन विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय को निःशुल्क आवंटित की है
- राज्य सरकार द्वारा आवंटित लगभग 430.37 एकड़ भूमि में 9.3 किमी लंबाई की चारदीवारी का निर्माण किया गया है।
- सड़कों और भवनों के लिए संशोधित वास्तुशिल्प डिजाइन के साथ परिसर का मास्टर प्लान पूरा कर लिया गया है।
- सीयूओ गेस्ट हाउस (जी+3) 2957 वर्ग मीटर के प्लिंथ क्षेत्र के साथ,लिफ्ट के प्रावधान के साथ 32 सुइट और 08 वीआईपी सुइट्स का निर्माण किया गया है। गेस्ट हाउस को मार्च 2019 से कार्यात्मक बना दिया गया है।
- ब्वायज हॉस्टल (जी+3) और गर्ल्स हॉस्टल (जी+3), प्रत्येक 7,735 वर्ग मीटर (प्लिंथ क्षेत्र) में 238 कमरे हैं, 105 वर्ग फुट के। प्रत्येक का निर्माण किया गया है और 2016 के शैक्षणिक सत्र से कार्यात्मक बनाया गया है।
- दो अस्थाई शैक्षणिक ब्लॉक, प्रत्येक 1,700 वर्ग मीटर प्लिंथ क्षेत्र और प्रत्येक ब्लॉक में 16 कमरों को क्रियाशील बनाया गया है।
- 2014 से 775 वर्ग मीटर प्लिंथ क्षेत्र वाले एक पुस्तकालय ब्लॉक का निर्माण और संचालन किया गया है।

इंटरनेट सुविधा

- इंटरनेट सुविधाएं प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने बीएसएनएल के माध्यम से समर्पित 1-जीबी कनेक्शन का लाभ उठाया है। पूरे परिसर में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराने का काम पूरा कर लिया गया है। यह सुविधा पूरे परिसर में फैली हुई है।
- पुस्तकालय भवन में स्थित दो कंप्यूटर प्रयोगशालाओं में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार किया गया है।
- एक जियो टावर खड़ा कर दिया गया है। जियो सेवा छात्रों और कर्मचारियों के लिए बढ़ा दी गई है।

- परिसर में बीएसएनएल टावर खड़ा कर दिया गया है। इसका संचालन होना बाकी है।

नव निर्माण

निम्नलिखित नवनिर्माण पूरे हो चूके है :

- 22 प्रोफेसरों के आवास के लिए वर्कस्टेशन का निम्नलिखित निर्माण प्रगति पर है:
- सीयूओ में सीपीवीडब्ल्यूडी के माध्यम से 6800 वर्गमीटर के प्लिन्थ क्षेत्र (जी+3) स्थायी शैक्षणिक परिसर का निर्माण 30.59. रुपये पर इंच के लागत पर प्रगति पर ही। प्रत्येक तल्ले में 4 कक्षा के लिए कमरे/प्रयोगशालाएं होंगी।

- 93 सहायक प्रोफेसर और प्रोफेसर तथा विभिन्न सहायक कर्मचारियों के लिए स्थायी परिसर में 7956 वर्गमीटर के प्लिन्थ क्षेत्र में स्टाफ क्वाटर का निर्माण किया जा रहा है। 25.70 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सीपीडब्ल्यूडी के माध्यम से आवासीय क्वाटरों का निर्माण किया जा रहा है।
- 74.90 लाख रुपये की अनुमानित लागत से 836 वर्गमीटर के प्लिन्थ क्षेत्र के साथ ई लर्निंग केंद्र का निर्माण प्रगति पर है।

- सुनावेडा परिसर में खेल के मैदान का विकास (खेल के मैदान के साथ आरआर चिनाई नाली) का निर्माण विकास पर है।
- पिछले गेट से गेस्ट हाउस की ओर आंतरिक बिटूमीनस सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

छात्रावास

लड़कों के छात्रावास ने अपने मुख्य परिसर में 10 जुलाई 2016 से काम करना शुरू कर दिया था। इसी तरह, लड़कियों के छात्रावास ने 03 सितंबर 2016 से अपने मुख्य परिसर में काम करना शुरू कर दिया था। विश्वविद्यालय के सभी इच्छुक छात्रों / विद्वानों को छात्रावास आवास प्रदान किया गया है।

सीयूओ के दोनों छात्रावास विविध क्षेत्रीय, भाषाई और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले पुरुष और महिला छात्रों के एक विस्तृत क्रॉस सेक्शन के आवास के महत्वपूर्ण कार्य को आराम से पूरा करते हैं। छात्रों को अत्याधुनिक रहने की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं जिनमें उत्कृष्ट फर्नीचर, मेस सुविधाएं, बिजली की विफलता के मामले में जनरेटर, 24 घंटे एम्बुलेंस सुविधा के साथ-साथ टेबल टेनिस , बैडमिंटन और आउटडोर गेम जैसे इनडोर के लिए सुविधाएं शामिल हैं। छात्रावास लोकतांत्रिक स्थान प्रदान करते हैं जहां छात्र विविधता और अंतर के साथ जीने की कला सीखते हैं। छात्रों ,लड़कियों और लड़कों के लिए व्यायामशाला जैसी अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास किया जाता है।

मुख्य वार्डन:	डॉ कपिला खेमुंडु
वार्डन, लड़कों का छात्रावास:	श. संजीत कुमार दास
वार्डन, लड़कियों का छात्रावास :	डॉ मिनाती

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पहल : सीयूओ का पर्यवेक्षण

सीयूओ ने गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक संघर्ष में शहीद हुए 20 सैनिकों को श्रद्धांजलि दी

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 17 जून 2020 को गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में अपने प्राणों की आहुति देने वाले 20 सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रो. आई. रामब्रह्मम, कुलपति, प्रो. असित कुमार दास, रजिस्ट्रार, प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद, विजिटिंग प्रोफेसर, वरिष्ठ प्रशासकों, संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने मातृभूमि की संप्रभुता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। सम्मान स्वरूप सीयूओ के मुख्य परिसर में एक मिनट का मौन रखा गया। सभी शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सीयूओ परिसर में शाम को मोमबत्तियों के साथ कोविद 19 मानदंडों का पालन करते हुए एक विशेष सभा का आयोजन किया गया।

योग के छठे अन्तर्राष्ट्रीय दिवस का अवलोकन

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 21 जून 2020 को अपने गेस्ट हाउस में 6वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शानदार तरीके से मनाया। प्रो. आई. रामब्रह्मम, माननीय कुलपति, सीयूओ ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय समुदाय को अपनी शुभकामनाएं दीं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस -2020। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से स्वस्थ और समृद्ध जीवन के लिए योग को अपने दैनिक दिनचर्या के अभिन्न अंग के रूप में शामिल करने की अपील की। रामकृष्ण मिशन, कोरापुट के संस्थापक डॉ. अमूल्य रंजन महापात्र ने 'घर पर योग और परिवार के साथ योग' पर एक विशेष व्याख्यान दिया। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विचार की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि योग को जीवन के एक तरीके के रूप में अपनाया जाना चाहिए, खासकर इस कोविड - समय के दौरान। डॉ. महापात्र ने योग की प्रमुख विशेषताओं और अभ्यासों का प्रदर्शन किया।

श्री दुस्मंत परिदा और श्री राजीव कुमार साहू, आर्ट ऑफ लिविंग, कोरापुट से जुड़े उत्साही योग विशेषज्ञ, संसाधन व्यक्तियों के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए और सामान्य योग प्रोटोकॉल के दिशानिर्देशों के अनुसार विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन किया। उन्होंने कुछ सरल 'आसनों' का प्रदर्शन किया जैसे कुछ सरल भ्रामरी प्राणायाम, डायना, सीताली प्राणायाम, कपाल भाती, नाड़ीशोधन, शबासन, पवन मुक्तासन, अर्ध हलासन, उत्तान पादासन, सेतु बंधासन, सलभासन, भुजंगासन, मकरासन, बक्रासन, उत्ताना मंडुकासन, उष्ट्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, बजरासन, भद्रासन, अर्ध चक्रासन, ताड़ासन और शरीर की विभिन्न गति जैसे घुटने की गति, कंधे की गति और उनसे जुड़े विभिन्न लाभ। उन्होंने सूर्य नमस्कार का भी प्रदर्शन किया। सभी भाग लेने वाले शिक्षकों, छात्रों और प्रशासकों ने योग के विभिन्न घटकों को सीखना शुरू कर दिया है। पूरे सत्र को विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज के माध्यम से लाइव किया गया ताकि जो शिक्षक और छात्र इस अवसर पर शामिल नहीं हो सके, वे भी योग प्रदर्शन से लाभान्वित हों।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर वेबिनार: उच्च शिक्षा मे उत्कृष्टता पर परिप्रेक्ष्य

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने 10 अगस्त 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता पर परिप्रेक्ष्य पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

प्रो. भूषण पटवर्धन, उपाध्यक्ष, यूजीसी, नई दिल्ली ने वेबिनार की अध्यक्षता की और एक विचारोत्तेजक भाषण दिया और शिक्षा के हमारे गौरवशाली इतिहास और ज्ञान के भविष्य के विचार पर प्रकाश डाला ताकि खुद को मोनो-सांस्कृतिक प्रभुत्व से मुक्त किया जा सके।

प्रो. धीरज कुमार बोरा, कुलपति, असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम एक विशिष्ट वक्ता के रूप में।

सीयूओ के कुलपति प्रो. आई रामब्रह्मम ने उद्घाटन किया और कहा, "पहली बार राष्ट्रीय नीति निर्माताओं ने शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति को एक ऐसे दृष्टिकोण से देखा जो भारतीय संदर्भ के लिए उपयुक्त है और हमारे भविष्य की जरूरतें के लिए तैयार कर रहा है"।

वेबिनार में प्रो. अक्षय कुमार राउत और प्रो. पी दुर्गाप्रसाद ने भी विचार रखें। इसका संचालन प्रो. एस. के. पलिता, डीन, एसबीसीएनआर द्वारा किया गया।

सीयूओ ने पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के देहांत पर शोक जताया

01 सितंबर 2020 को, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दशकों तक राष्ट्र की सेवा करने वाले भारत के बड़े राजनेता, पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न श्री प्रणब मुखर्जी की असामयिक मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। सम्मान के प्रतीक के रूप में, दो मिनट

का मौन रखा गया और राष्ट्रीय विश्वविद्यालय परिसर में आधा झुका झंडा फहराया गया।

प्रो. आई. रामब्रह्मम, कुलपति; प्रो. असित कुमार दास, रजिस्ट्रार; प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद, अतिथि प्रोफेसर; वरिष्ठ प्रशासकों और शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर समारोह

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 26 सितंबर से 2 अक्टूबर 2020 तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनाने के लिए गांधीजी के जीवन और विचारों पर केंद्रित एक फिल्म प्रदर्शनी, निबंध प्रतियोगिता और एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

'गांधीजी के जीवन और विचार' पर पांच सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्रों का ऑनलाइन प्रदर्शन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने फिल्में देखीं, सीखा और प्रतिबिंबित किया।

आत्मानिर्भर भारत के लिए गांधीवादी विचार के सामरिक महत्व पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 2 अक्टूबर 2020 को शाम 4.30 बजे आयोजित किया गया था। लॉर्ड भीखू छोटालाल पारेख, द हाउस ऑफ लॉर्ड्स, यूनाइटेड किंगडम के सदस्य और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के एक राजनीतिक वैज्ञानिक, मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता थे। अध्यक्षता ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति ने की। भविष्यवादी और लेखक श्री चारु दत्ता पाणिग्रही ने चर्चा का संचालन किया। वेबिनार का संचालन प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद और डॉ. रामेंद्र कुमार पाढ़ी ने किया।

समानता और न्याय सुनिश्चित करने के सात दशकों के भारतीय संवैधानिक गतिशीलता पर वेबिनार

ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारतीय संवैधानिक गतिशीलता पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया, समानता और न्याय सुनिश्चित करने के सात दशक, संवैधानिक दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, जिसका समापन 26 नवंबर 2020 को हुआ। प्रख्यात संवैधानिक और कानूनी विशेषज्ञ न्यायमूर्ति अनंग कुमार पटनायक, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश प्रो. आर. वेंकट राव, पूर्व कुलपति, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बैंगलोर अपनी गहन अंतर्दृष्टि साझा करने वाले पैनलिस्ट थे। प्रो. आई. रामब्रह्मम, कुलपति, सीयूओ ने कार्यक्रम का उद्घाटन और अध्यक्षता की। श्री बिस्वजीत भोई, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र और डॉ. फगुनाथ भोई, पीआरओ द्वारा समन्वित।

'राष्ट्रीय एकता दिवस' समारोह

31 अक्टूबर 2020 को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों द्वारा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के प्रोफेसर आई. रामब्रह्मम ने कहा कि सामान्य रूप से सुरक्षा पुलिसकर्मियों, सेना और अन्य अर्धसैनिक बलों के माध्यम से राष्ट्रीय सीमाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह विशेष रूप से शिक्षण संस्थान ,उच्च शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और अखंडता की अवधारणा को व्यापक बनाती है। उन्होंने छात्रों को राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकता के लिए जागरूक नागरिक बनने की सलाह दी।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह , 2020 (27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2020)

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सतर्क भारत, समृद्ध भारत पर शपथ, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्वच्छता और वेबिनार का आयोजन किया। 27 अक्टूबर 2020 को विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ ने शपथ ली। इसका संचालन कुलसचिव प्रो. असित कुमार दास ने किया।

परिसर में साफ-सफाई व स्वच्छता के कार्य किया गया। 30.10.2020 को आयोजित 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2 नवंबर 2020 को 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। प्रो अक्षय कुमार राउत, आईआईएस, विजिटिंग प्रोफेसर और पूर्व महानिदेशक, स्वच्छ भारत मिशन, भारत निर्वाचन आयोग, पीआईबी और दूर दर्शन समाचार श्री. प्रसन्ना कुमार दास, आईआरएस, पूर्व सदस्य, सीबीडीटी और विशेष सचिव, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने वेबिनार पर व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने कार्यक्रम का उद्घाटन और अध्यक्षता की और समृद्धि के लिए समृद्ध सतर्कता की आवश्यकता पर विचार किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति दिवस समारोह

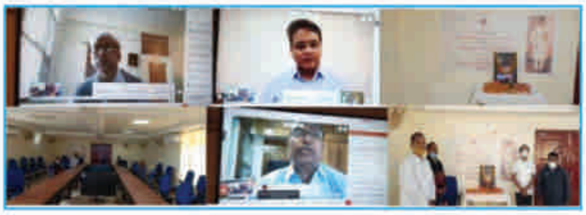

स्वतंत्रता सेनानी और स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस -2020 के उत्सव और पालन के हिस्से के रूप में, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने 11 नवंबर, 2020 को गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर एक वेबिनार का आयोजन किया। 'उच्च शिक्षा: अभ्यास और बेंचमार्किंग मानक' प्रो. बनबिहारी मिश्रा, शिक्षा के पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर, मिज़ोरम विश्वविद्यालय और प्रो. अरविंद कुमार झा, डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने उपरोक्त विषय पर पैनल स्पीकर के रूप में विचार रखे। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने वेबिनार का उद्घाटन किया और अपनी शुभकामनाएं दीं।

संविधान दिवस समारोह

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार 26 नवंबर 2020 को अपने परिसर में संविधान दिवस (संविधान दिवस) मनाने के लिए राष्ट्रव्यापी उत्सव में शामिल हुआ। विश्वविद्यालय के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी सम्मेलन हॉल में एकत्रित हुए और डीडी न्यूज द्वारा लाइव प्रसारण पर भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद के नेतृत्व में भारतीय संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा।

सबसे पहले प्रो. आई. रामब्रह्मम, कुलपति ने भारत के संविधान की प्रस्तावना की कुछ महत्वपूर्ण विशेषताओं पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में से एक है। कोविड-19 महामारी के कारण यह कार्यक्रम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध था। छात्रों ने ऑनलाइन प्रस्तावना के पठन में भाग लिया।

टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ के साथ प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद, विजिटिंग प्रोफेसर ऑफ सोशियोलॉजी, के. कोसला राव, फाइनेंस ऑफिसर, डॉ. रामेंद्र कुमार पारही, डीएसडब्ल्यू आई/सी, डॉ. कपिला खेमुंडू, एचओडी सोशियोलॉजी, श्री संजीत कुमार दास एवं डॉ. फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। संविधान दिवस समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध कराया गया।

इसके अलावा, वर्चुअल मोड के माध्यम से भारत के संविधान पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 79 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

संवैधानिक दिवस समारोह के एक भाग के रूप में 'भारतीय संवैधानिक गतिशीलता: समानता और न्याय सुनिश्चित करने के सात दशक' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का समापन 16 अक्टूबर 2020 को हुआ। प्रख्यात संवैधानिक और कानूनी विशेषज्ञ न्यायमूर्ति अनंग कुमार पटनायक, पूर्व न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय भारत और प्रो. आर. वेंकट राव, पूर्व कुलपति, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बैंगलोर पैनलिस्ट थे और उन्होंने वेबिनार में अपनी गहन अंतर्दृष्टि साझा की।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

एक भारत श्रेष्ठ भारत शिक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है जहां युग्मित राज्य और युग्मित संस्थान ईबीएसबी दिशानिर्देशों के अनुसार दोनों राज्यों के सांस्कृतिक पहलुओं पर कार्यक्रम आयोजित करते हैं। ओडिशा को महाराष्ट्र के साथ जोड़ा गया है और ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय को महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के साथ जोड़ा गया है। सीयूओ 2017 से इबीएसबी कार्यक्रम का संचालन कर रहा है और छात्र विनिमय कार्यक्रम सहित कई इबीएसबी द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

शोक संदेश

विश्वविद्यालय परिवार ,स्वर्गीय डॉ मधुसूदन महापात्र (01 अक्तूबर 2015 - 01 जनवरी 2021) द्वारा छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को प्रदान की गई सेवा के लिए आभारी है।

ईबिएसबी के तहत गतिविधियां

संसद सदस्य, पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह से बातचित

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 29 जनवरी 2021 को एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत 'ओडिसी में ओडिशा के दार्शनिक आयामों' पर एक ऑनलाइन वार्ता का आयोजन किया। पद्म विभूषण डॉ सोनल मानसिंह, संसद सदस्य (राज्य सभा) और संस्थापक-अध्यक्ष, शास्त्रीय केंद्र नृत्य, नई दिल्ली ने भाषण दिया।

ईबीएसबी क्लब

ईबीएसबी क्लब का गठन सीयूओ में यूजीसी के निर्देशों के अनुसार इच्छुक छात्रों के साथ इसके सदस्यों के रूप में किया गया है। हर महीने तीसरे शनिवार को सीओयू द्वारा ईबीएसबी दिवस और ईबीएसबी क्लब दिवस के रूप में नामित किया जाता है। छात्रों को ईबीएसबी के तहत विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और निबंध प्रतियोगिता

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के एक प्रमुख कार्यक्रम, एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत अपने छात्रों और शोधार्थियों के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और निबंध प्रतियोगिता आयोजित की। पंजीकरण प्रक्रिया 22 फरवरी 2021 को शुरू हुई और 24 फरवरी 2021 को ऑनलाइन कार्यक्रमों के पूरा होने के साथ संपन्न हुई। इस आयोजन का विषय ओडिशा और महाराष्ट्र की संस्कृति और व्यंजन था। विषय ईबीएसबी के दर्शन पर आधारित था जिसमे कि युग्मित राज्यों की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाना है। वर्तमान में, ओडिशा को महाराष्ट्र के साथ जोड़ा गया है।

कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर आई रामब्रह्मम, कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो केबी दास, उप कुलपति, सीयूओ, डॉ एके दास, रजिस्ट्रार, प्रोफेसर एसके पलिता, डीन, एसबीसीएनआर, प्रोफेसर पी दुर्गा प्रसाद, के मार्गदर्शन में किया गया। प्रोफेसर ए के राउत, प्रोफेसर के सी प्रधान, प्रोफेसर ई राजा राव, प्रख्यात अतिथि प्रोफेसर और डॉ सौरव गुप्ता, नोडल अधिकारी, ईबीएसबी और सहायक प्रोफेसर, जे एंड एमसी विभाग द्वारा समन्वयित।

ओडिशा-महाराष्ट्र की यात्रा पर वेबिनार: सांस्कृतिक-आध्यात्मिक एकात्मिकता

ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 19 मार्च 2021 को ओडिशा-महाराष्ट्र की यात्रा: सांस्कृतिक-आध्यात्मिक एकात्मिकता के विषय पर महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया, जिसमें प्रोफेसर आई रामब्रह्मम, कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय शामिल हुए,रिसोर्स पर्सन के रूप में भाषण दिया।

सार्थक एडुविजन नेशनल एक्सपो और सम्मेलन 2021 में भागीदारी

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 15-17 मार्च 2021 को नोरोन्हा प्रशासनिक और प्रबंधन संस्थान, भोपाल में आयोजित सार्थक शिक्षा राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन में सफलतापूर्वक भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा मध्य प्रदेश सरकार , यूजीसी, एआईसीटीई और रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन, अन्य के सहयोग से किया गया था। तीन दिवसीय कार्यक्रम में यूजीसी के अध्यक्ष प्रो सिंह, अध्यक्ष, एआईसीटीई डॉ अनिल सहाराबुद्धे, सचिव, एनसीईआरटी, मेजर हर्ष कुमार के. कुलपति, इग्नू डॉ नागेश्वर राव, नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस और कैलाश सत्यार्थी सहित जैसे अन्य क्षेत्र के दिग्गजों द्वारा शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर गोलमेज चर्चा की गई।

सीयूओ के प्रयास, विशेष रूप से हाल के दिनों में प्रोफेसर आई रामब्रह्मम, कुलपति के गतिशील नेतृत्व में, जैसे कि भरोसा की शुरुआत, कोविद -19 के दौरान संकट में छात्रों के संज्ञानात्मक भावनात्मक पुनर्वास के लिए संकाय परामर्शदाताओं द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर, होम शुरू करने वाला पहला विश्वविद्यालय कोविड-19 के दौरान खुली किताब पर आधारित परीक्षा, एग्जीक्यूटिव एमबीए जैसे नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत, एकेडमिक ब्लॉक, सेंट्रल लाइब्रेरी और स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण और गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस के माध्यम से अत्याधुनिक शैक्षणिक उपकरणों की खरीद की लगभग 3 करोड़ रुपये की आगंतुकों ने सराहना की।

इस कार्यक्रम में भारत भर के लगभग 100 संस्थानों ने भाग लिया। सीयूओ के प्रतिनिधित्व का नेतृत्व डॉ सौरव गुप्ता, समन्वयक और सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग और शिवराम पात्रा, सह-समन्वयक और अनुभाग अधिकारी, वीसी प्रो आई रामब्रह्मम और प्रो पी दुर्गा प्रसाद की सलाह के तहत किया गया था।

विश्वविद्यालय के कार्यक्रम

प्रो. आई. रामब्रह्मम ,कुलपति, सीयूओ ने भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की 129 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

प्रोफेसर आई रामब्रह्मम, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के कुलपति ने बाबासाहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर, एक भारतीय विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ, दार्शनिक, मानवविज्ञानी, इतिहासकार और अर्थशास्त्री को 14 अप्रैल 2020 को उनकी 129वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जो भारत के संविधान के प्रमुख वास्तुकार थे। । कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति में एचएएल सुनबेड़ा के पास एनएसी चौक पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों में प्रो. असित कुमार दास, रजिस्ट्रार, प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद, विजिटिंग प्रोफेसर, प्रो. हेमराज मीणा, विजिटिंग प्रोफेसर, श्री. के. कोसल राव, वित्त अधिकारी आई/सी., श्री. के वी उमामहेश्वर राव, संयुक्त रजिस्ट्रार; डॉ. कपिला खेमुंडू, विभागाध्यक्ष आई/सी, समाजशास्त्र; श्री प्रशांत कुमार बेहरा, प्रमुख आई/सी. अर्थशास्त्र; श्री बिस्वजीत भोई, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र और डॉ. फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी और क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता श्री प्रभाकर हंतल ने भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह के सभी प्रतिभागियों ने कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन किया है।

"कोविड-19 और उसके बाद" पर ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान श्रृंखला की शुरुआत

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के समाजशास्त्र विभाग ने 15 अप्रैल 2020 को 'कोविड-19 और उसके बाद' ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है। श्री चारुदत्त पाणिग्रही, अध्यक्ष, एकीकृत विकास और अनुसंधान फोरम (एफआइडीआर), हरियाणा ने उद्घाटन व्याख्यान दिया। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 और लॉकडाउन को देखते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग समाजशास्त्र विभाग ने इस अभिनव शैक्षणिक पहल के माध्यम से पहला कदम उठाया है और विश्वविद्यालय प्रशासन के निर्देशानुसार वर्चुअल स्पेस में अकादमिक मामलों को जारी रखें।

डॉ. कपिला खेमुंडु, प्रमुख आई/सी, समाजशास्त्र विभाग ने व्याख्यान में गणमान्य व्यक्तियों, वक्ता और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस श्रृंखला का उद्घाटन प्रो. आई. रामब्रह्मम, माननीय कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट द्वारा किया गया है। अपने संबोधन में, प्रो. रामब्रह्मम ने उल्लेख किया कि यह ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान श्रृंखला एक अभिनव मंच है जहां हम वर्चुअल स्पेस में अपनी शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया को जारी रख सकते हैं। श्रृंखला के विषय को संबोधित करते हुए, प्रो. रामब्रह्मम ने COVID-19 महामारी पर प्रकाश डाला है और विश्वविद्यालय शिक्षा सहित कई संबंधित चुनौतियों पर जोर दिया है। उन्होंने COVID-19 से संबंधित अनुसंधान और सामुदायिक आजीविका, प्रवासन, मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका पर इसके प्रभावों के लिए अपना जुनून भी व्यक्त किया है।

महामारी और महिला विकास पर वेबिनार

13 मई 2020 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'महामारी और महिला विकास' पर वेबिनार का आयोजन किया गया। सुश्री शालू जिंदल , जेएसपीएल फाउंडेशन के अध्यक्ष ने लेखक तथा भविषयद्रष्टा श्री चारुदत्त पाणिग्रही से वार्ता की। प्रो. आई. रामब्रहम्म,कुलपति,सीयूओ ने वेबिनार का सुभारम्भ किया। यह वेबिनार डॉ. कपिला खेमुंडु,प्रभारी विभागाध्यक्ष,समाजशास्त्र विभाग द्वारा संचालित किया गया।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने ओड़िशा विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए संज्ञानात्मक,भावात्मक पुनर्वास सेवाओं पर सीयूओ हेल्पलाइन भरोसा लॉन्च किया

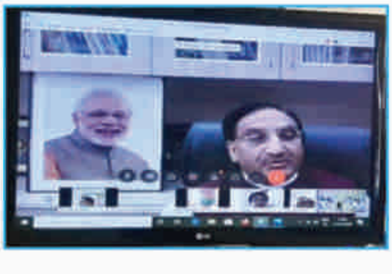

कोविड-19 महामारी के संकट के समय में फंसे छात्र समुदाय को राहत देने के ऐतिहासिक और पहले प्रयास में, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भरोसा का वर्चुअल लॉन्चिंग समारोह का आयोजन और इसके हेल्पलाइन नंबर 08046801010 का प्रारंभ किया। डॉ रमेश पोखरियाल निशंक, यूनियन एचआरडी मंत्री ने हेल्पलाइन का शुभारंभ किया जिसका उद्देश्य ओडिशा के सभी विश्वविद्यालय के छात्रों को संज्ञानात्मक भावनात्मक पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना है। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में डॉ अरुण कुमार साहू, संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा, एमएचआरडी माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार, श्री अमित खरे, सचिव, उच्च शिक्षा, एमएचआरडी, श्री सास्वत मिश्रा, आयुक्त सह सचिव, ओडिशा सरकार, श्री चंद्रशेखर शामिल थे।कार्यक्रम का संचालन ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आई रामब्रह्मम ने किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीयूओ ने मनाया जैव विविधता समारोह

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम के तत्वावधान में 05 जून 2020 को अपने परिसर, सुनाबेड़ा में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जैव विविधता का जश्न मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में विभिन्न किस्मों के पौधे कैंपस में लगाए गए हैं।श्री शेफीन अहमद के., आईपीएस, पुलिस उपमहानिरीक्षक, ओडिशा के दक्षिण पश्चिमी क्षेत्र मुख्य अतिथि थे। श्री मधुसूदन मिश्रा, जिला कलेक्टर और मजिस्ट्रेट, कोरापुट; Er. देबाशीष देब, कार्यकारी निदेशक, हिंदुस्तान

एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, सुनबेड़ा; श्रीमती विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला लक्ष्मी रामब्रह्मम उपस्थित थीं। उन्होंने जैव विविधता का जश्न मनाने के लिए विश्वविद्यालय समुदाय को बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई रामब्रह्मम ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों को कार्यक्रम स्थल पर पौधे लगाने के लिए आमंत्रित किया।

उच्च शिक्षा में महिलाओं के अवसर और चुनौतियाँ पर वेबिनार

भारतीय उच्च शिक्षा में महिलाओं: चुनौतियां और अवसर 17 जून 2020 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट और महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार द्वारा संयुक्त रूप से एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजित किया गया। डॉ (श्रीमती) पंकज मित्तल महासचिव, एसोसिएशन ने इस अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालयों, नई दिल्ली के मुख्य अध्यक्ष के रूप में संबोधित किया। प्रो. शशिकला वंजारी, माननीय कुलपति, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई, प्रो. सुनैना सिंह, माननीय कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय, नालंदा और प्रो. आई रामब्रह्मम, माननीय कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विशेष अतिथि के रूप में बात की।संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. संजीव कुमार शर्मा, माननीय कुलपति, एमजीसीयूबी ने की। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर और एचओडी प्रभारी जैव विविधता विभाग और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण और आईसीसी के पीठासीन अधिकारी ने वेबिनार का समन्वय किया।

'मैं शिक्षा को कैसे बदलूं?' पर आईक्यूएसी वेबिनार

16.06.2020 को सीयूओ के आईक्यूएसी सेल ने 'मैं शिक्षा को कैसे बदलूं?' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। प्रो. एम. के. श्रीधर, निदेशक, शिक्षा और सामाजिक अध्ययन केंद्र, बैंगलोर मुख्य वक्ता थे और प्रो. आई. रामब्रह्मम ने वेबिनार का उद्घाटन और अध्यक्षता की। इसका संचालन प्रो. एस.के. पलिता, निदेशक, आईक्यूएसी।

'ओडिया साहित्य और आप' पर वेबिनार

नियमित वार्ता श्रृंखला के क्रम में, उड़िया भाषा और साहित्य विभाग, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ आलोक बराल के मार्गदर्शन में, 'ओडिया साहित्य और आप' पर एक अनूठी चर्चा का आयोजन किया जहां श्री देवदास छोत्रे, प्रख्यात लेखक, प्रशासक और प्रसिद्ध ओडिया संस्कृति परिवर्तन निर्माता **19** जून **2020** को लेखक और भविष्यद्रष्टा श्री चारुदत्त पाणिग्रही के साथ बातचीत की। कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने वेबिनार का उद्घाटन किया और कहा कि विश्वविद्यालय समाज के लिए और हमारे लिए मौजूद है। समाज के प्रति विशेष जिम्मेदारी होनी चाहिए। ओड़िया साहित्य के प्रख्यात आलोचक प्रो. कृष्ण चंद्र प्रधान ने सत्र की शोभा बढ़ाई।

कोविड-19 के दौरान लोक सेवा प्रसारक की भूमिका पर वेबिनार

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा 20 जून 2020 को कोविड-19 के दौरान लोक सेवा प्रसारक की भूमिका पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। दूरदर्शन समाचार के महानिदेशक श्री मयंक अग्रवाल, मुख्य अध्यक्ष ने कहा कि कोविड-19 के दौरान सार्वजनिक प्रसारण इंफोडेमिक के युग में तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करने में सेवाओं की एक बड़ी भूमिका है।

प्रो. आई. रामब्रह्मम, कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और विश्वव्यापी कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए मीडिया संगठनों को सार्वजनिक प्रसारण में सबसे आगे आने की आवश्यकता पर बल दिया। सत्र की अध्यक्षता स्वच्छ भारत मिशन के पूर्व महानिदेशक प्रो अक्षय राउत और वर्तमान में सीयूओ में विजिटिंग प्रोफेसर ने की। पैनल के वक्ता श्री एस.के. मालवीय, एडीजी, प्रेस सूचना ब्यूरो, ओडिशा क्षेत्र, श्री जी. कोंडाला राव, समाचार प्रमुख, ऑल इंडिया रेडियो विजयवाड़ा, श्री अशोक प्रधान, ब्यूरो चीफ, टाइम्स ऑफ इंडिया, ओडिशा यूनिट ने कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी प्रमुख डॉ. प्रदोष कुमार रथ ने किया।

उद्योग-अकादमिया इंटरफेस: सीयूओ और एचएएल, सुनाबेड़ा ने समझौता ज्ञापन के विस्तार पर हस्ताक्षर किए

आपसी शैक्षणिक और संस्थागत संबंधों को बढ़ावा देने और आगे बढ़ाने के लिए उड़ीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ), कोरापुट और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), सुनाबेड़ा के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) को और दो साल के लिए बढ़ा दिया गया है। प्रो. आई. रामब्रह्मम, कुलपति, सीयूओ और श्री देबाशीष देब, कार्यकारी निदेशक, एचएएल ने 26 जून 2020 को सीयूओ और एचएएल के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन के विस्तार पर हस्ताक्षर किए। प्रारंभ में, समझौता ज्ञापन पर तीन साल के लिए हस्ताक्षर किए गए थे,जो 28 मई 2020 को समाप्त हुई।

एमओयू के उद्देश्यों में शामिल हैं: सीयूओ और एचएएल के बीच आपसी शैक्षणिक और संस्थागत संबंधों को बढ़ावा देना और आगे बढ़ाना, सीयूओ और एचएएल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए सलाह देना और अकादमिक बातचीत करना और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों के संबंध में आवश्यक सहायता प्रदान करना।

कोविड-19 के बीच व्यापार और भारत की विदेश नीति पर वेबिनार

कोविद -19 के बीच व्यापार और भारत की विदेश नीति पर एक वेबिनार 4 जुलाई 2020 को एफआईडीआर इंडिया तथा ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया था। डॉ मदन मोहन सेठी, आईएफएस, वियतनाम के महावाणिज्य , मुख्य वक्ता थे पैनलिस्ट के रूप में फोरम फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एंड रिसर्च, हरियाणा के अध्यक्ष श्री चारुदत्त पाणिग्रही उपस्थित थे। प्रो. आई रामब्रह्मम, माननीय कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वेबिनार का उद्घाटन किया और उनका विचार था कि विदेश व्यापार और व्यापार नीति की हमारी अपनी

रणनीतियों की समीक्षा करना अनिवार्य है। ऐसी स्थिति में एक व्यावहारिक समाधान खोजना आसान काम नहीं है, लेकिन संभव है,इसके लिए बहु-विषयक इनपुट से इनपुट और दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। इसका संचालन डॉ. मिनाती साहू, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग,द्वारा किया गया।

श्री सप्तगिरी शंकर उलाका, संसद सदस्य, कोरापुट का सीयूओ का दौरा

9 जुलाई 2020 को कोरापुट लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के माननीय सांसद सप्तगिरी शंकर उलका ने पूर्व विधायक निमाई सरकार, और अन्य गण्यमान व्यक्ति जैसे रामचंद्र कदम, मनोज आचार्य, रूपक तुरुक, भगवान मुदुली, जगदीश खोसला,प्रेम कुमार नाग सहित समुदाय के नेताओं की एक टीम के साथ ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय का पहला दौरा किया। सीयूओ के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने माननीय सांसद का स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा किए गए विकासात्मक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. असित कुमार दास, रजिस्ट्रार, प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद, विजिटिंग प्रोफेसर, प्रोफेसर बी.बी. मिश्रा, अकादमिक सलाहकार और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उनके दौरे के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम किया गया। माननीय सांसद एवं कुलपति ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे। पौधरोपण कार्यक्रम के बाद सीयूओ और कोरापुट के विकास पर चर्चा हुई। माननीय कुलपति ने सांसद को सीयूओ पाठ्यक्रम, बुनियादी ढांचे और जनशक्ति के बारे में अवगत कराया।

उन्होंने सीयूओ को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि यह कुछ वर्षों में उत्कृष्त संस्थान बन जाएगा।

'कोविड 19 ग्लोबल लॉक डाउन और पर्यावरण संरक्षण' पर वेबिनार

जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण विभाग द्वारा 20 जुलाई 2020 को कोविड-19 ग्लोबल लॉक डाउन - पर्यावरण संरक्षण पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

प्रो. एम.एन.वी. प्रसाद, प्रख्यात वैज्ञानिक और एमेरिटस प्रोफेसर, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने उपरोक्त विषय पर एक व्याख्यान दिया। वेबिनार का संचालन प्रो. एस.के. पलिता, डीन आई/सी, एसबीसीएनआर।

'सार्वजनिक नीति, प्रबंधन और कौशल विकास: सामाजिक परिवर्तन के लिए एक त्रय'पर वेबिनार

27 जुलाई 2020 को सीयूओ के छात्रों के लिए ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा एक ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आई.रामब्रह्मम मुख्य संरक्षक थे और प्रोफेसर पी.दुर्गाप्रसाद, विजिटिंग प्रोफेसर, सीयूओ और डॉ. प्रदीप कुमार परिदा, एसोसिएट प्रोफेसर, आरजीआईपीटी, रायबरेली, यूपी विश्वविद्यालय,मुख्य वक्ता थे इनके अलावे विशेष व्यक्ता के रूप में प्रोफेसर शरत कुमार पलिता, डीन और अन्य विशेषज्ञ उपस्थित थे। वेबिनार का समन्वयन श्री प्रशांत कुमार बेहरा, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, द्वारा किया गया था।

'जैव विविधता-पर्यावरण-स्वास्थ्य' पर वेबिनार

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण विभाग ने, 30 जुलाई 2020 को 'जैव विविधता-पर्यावरण-स्वास्थ्य' पर एक राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने कहा- प्राकृतिक संसाधन प्रकृति का उपहार हैं और वे अब प्रचुर मात्रा में नहीं हैं। प्रो. मधुमिता दास, कुलपति एफ.एम. विश्वविद्यालय, बालासोर ने अपने व्याख्यान में जैव विविधता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर प्रकाश डाला।

डॉ. अमूल्य कुमार पांडा, निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली ने अपने व्याख्यान में कहा - ओडिशा एक समृद्ध राज्य है जहां गरीब लोग रहते हैं। ओडिशा की जैव विविधता समृद्ध है, जंगलों के मशरूम के कुछ उदाहरणों का हवाला दिया जो कैंसर विरोधी दवाओं के स्रोत हैं, किआ फूल (पांडनस प्रजाति) दुनिया के सबसे महंगे इत्र का स्रोत है।

हैदराबाद के प्रख्यात पर्यावरणविद् प्रो. के. पुरोशोथोम रेड्डी ने दुनिया में पर्यावरण आंदोलन और सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों और हाल के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप के बारे में चर्चा की। राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार में ओडिशा और देश के अन्य हिस्सों के संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों, छात्रों और शिक्षाविदों ने भाग लिया। प्रो. एस.के. पालिता, प्रोफेसर और संगोष्ठी के प्रमुख, संयोजक ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम का समन्वय किया।

74 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2020 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने परिसर सुनाबेड़ा, कोरापुट में कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करते हुए 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। प्रो. आई रामब्रह्मम, कुलपति, सीयूओ ने इस अवसर पर तिरंगा फहराया और कहा, "भारत का दुनिया में एक अनूठा स्थान होना चाहिए, उसे अपने गौरवशाली अतीत को वापस लाना होगा लेकिन उसका एकाआधिपत्य नहीं होना चाहिए। कोविड-19 महामारी ने बड़े पैमाने पर न केवल लोगों के जीवन को प्रभावित किया बल्कि राष्ट्र के विकास को भी प्रभावित

किया। उच्च शिक्षा प्रणाली को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा द्वारा लोगों को जागरूक करके और भारत को आत्मनिर्भर बनाकर इन मुद्दों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।"

'शैक्षिक समुदायों के लिए खुले शैक्षिक संसाधन और अनुसंधान विज़ुअलाइज़ेशन टूल' पर वेबिनार

17 अगस्त 2020 को गूगल मीट के माध्यम से सेंट्रल लाइब्रेरी, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सुनबेड़ा द्वारा अकादमिक समुदायों के लिए 'ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज एंड रिसर्च विज़ुअलाइज़ेशन टूल्स' पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। डॉ. संदीप कुमार पाठक, लाइब्रेरियन, आईआईएसईआर-भोपाल ने वेबिनार के मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने वेबिनार का उद्घाटन किया और शिक्षा और अनुसंधान में मुक्त शिक्षा संसाधन (ओईआर) और अनुसंधान विज़ुअलाइज़ेशन टूल के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने वेबिनार की सफलतापूर्वक मेजबानी के लिए केंद्रीय पुस्तकालय को बधाई दी। इसका संचालन श्री बिजयानंद प्रधान, सहायक लाइब्रेरियन द्वारा किया गया।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय का 12वां स्थापना दिवस समारोह

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपना 12 वां स्थापना दिवस 29 अगस्त 2020 को वर्चुअल मोड में मनाया। इस अवसर पर भारत के राष्ट्रपति और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलाध्यक्ष, महामहिम श्री राम नाथ कोविन्द ने विश्वविद्यालय बिरादरी को बधाई दी। अपने संदेश में उन्होंने छात्रों और युवाओं के विकास और विकास के लिए मूल्य आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। महामहिम, प्रोफेसर गणेशी लाल, ओडिशा के माननीय राज्यपाल ने वीडियो संदेश के माध्यम से भारतीय पारंपरिक शिक्षा के महत्व के बारे में बात की और आशा व्यक्त की कि राष्ट्र नई शिक्षा नीति के तहत पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करेगा। उन्होंने 'सनराइज टेक्नोलॉजी' संस्कृति को महत्व दिया जिसका अर्थ है भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना।

अपने संदेश में ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने विश्वविद्यालय बिरादरी को बधाई दी और उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने में विश्वविद्यालय को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कोविड-19 की स्थिति के दौरान विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

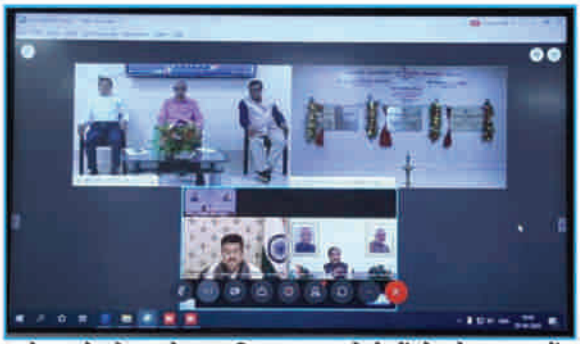

इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' और केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस एवं इस्पात मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा तीन स्थायी भवनों की आधारशिला रखी गई। अपने संबोधन में डॉ. पोखरियाल ने इस अवसर पर आगे बढ़ने और कुछ ही वर्षों में भारत के प्रमुख विश्वविद्यालयों में से एक बनने के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने 'भरोसा' कार्यक्रम शुरू करके कोविड-19 अवधि के दौरान ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रयासों की भी प्रशंसा की, जिसने परामर्श के माध्यम से महामारी के आघात पर काबू पाने में बहुत से छात्रों की मदद की। उन्होंने गृह आधारित मुक्त पुस्तक परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रशंसा की। उन्होंने भारत के पुराने गौरव को याद किया जब दूसरे देशों से लोग भारत में अध्ययन के लिए आ रहे थे। अब नई शिक्षा नीति के माध्यम से उस प्रकार की शिक्षा प्राप्त करने का समय आ गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से अनुसंधान और विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

अपने संबोधन में, माननीय मंत्री, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, इस्पात, भारत सरकार श्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का विश्लेषण किया जो समाज के उत्थान में सहायक हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय दक्षिणी ओडिशा का प्रमुख संस्थान होने के कारण इलाके में शिक्षा के विकास में संतोषजनक काम कर रहा है। हालांकि, उन्होंने महान ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय से अधिक सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। इसमें नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के तहत मेंटरशिप प्रोग्राम, एकेडेमिया-इंडस्ट्री लिंकेज, आदिवासी और मानवशास्त्रीय अध्ययनों में अनुसंधान और इलाके के प्रमुख उद्योगों जैसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) और नाल्को के साथ परामर्श सेवा शामिल है। राज्य का एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते उन्होंने विश्वविद्यालय को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने छात्रों से 'आत्मनिर्भर भारत' के मशाल वाहक बनने का आग्रह किया।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम, जिन्होंने पहले विश्वविद्यालय का झंडा फहराया था, ने विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में स्थापना दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और भविष्य की योजनाओं का भी वर्णन किया। उन्होंने नए पाठ्यक्रम विशेष रूप से विज्ञान कार्यक्रम शुरू करने पर ध्यान केंद्रित किया जो निश्चित रूप से छात्रों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ाएगा।

स्थापना दिवस व्याख्यान डॉ. संजीव सान्याल, प्रधान आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार द्वारा दिया गया। उन्होंने भारत में समृद्ध शैक्षिक अवसरों पर बात की और छात्रों के लिए व्यावहारिक जीवन शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया ताकि वे किताबी दुनिया से बाहर आकर वास्तविक दुनिया को जान सकें। उन्होंने छात्रों से नई बदलती दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को शिक्षित करने का आग्रह किया। शिक्षा के हर क्षेत्र में नई विधियों और नई सीखों की खोज की जानी चाहिए ताकि शिक्षा समग्र हो सके। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति इस दिशा में काफी मददगार साबित होगी।

उच्च शिक्षा मंत्री, ओडिशा, श्री अरुण कुमार साहू और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ गिरिधर गोमांगो ने भी अपने संदेशों में विश्वविद्यालय को बधाई दी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. डी.पी. सिंह ने अपने वीडियो संदेश में गृह आधारित ओपन बुक परीक्षा आयोजित करके महामारी की स्थिति में एक कदम आगे बढ़ने के लिए विश्वविद्यालय की प्रशंसा की। उन्होंने नए लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में विश्वविद्यालय के विकास में हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. पी.वी. कृष्णा भट्ट ने विश्वविद्यालय को बधाई दी और कहा कि संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की एकता और प्रयास से विश्वविद्यालय को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

12वें स्थापना दिवस पर स्मारिका का प्रकाशन

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 12वें स्थापना दिवस को चिह्नित करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक स्मारिका का प्रकाशन किया गया। इसमें भारत के महामहिम राष्ट्रपति और विश्वविद्यालय के आगंतुक श्री राम नाथ कोविंद जी के संदेश हैं; श्री नवीन पटनायक जी, ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री; श्री रमेश पोखरियाल निशंक जी, माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार, श्री धर्मेंद्र प्रधान जी, माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, इस्पात, भारत सरकार; और डॉ. अरुण कुमार साहू, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, ओडिशा; श्री सप्तगिरी उलाका, माननीय संसद सदस्य, कोरापुट; श्री असित कुमार त्रिपाठी आईएएस, मुख्य सचिव, ओडिशा; श्री चंद्रशेखर कुमार आईएएस, अतिरिक्त-सचिव, शिक्षा मंत्रालय; राजदूत ललित मानसिंह; श्री मधुसूदन मिश्रा, ओएएस, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट कोरापुट के साथ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सुरभि बनर्जी, प्रो. मो. मियां, प्रो. सच्चिदानंद मोहंती; प्रो. ए.पी. पाढ़ी, सदस्य कार्यकारी परिषद (यूजीसी नामित) और श्री गदाधर परिदा, आईएएस, कोरापुट के पूर्व कलेक्टर। स्मारिका में संकाय सदस्यों और कर्मचारियों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के आलेख प्रकाशित किए गए।

12वें स्थापना दिवस के अवसर पर पौधरोपण

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में 12 पौधे रोपे गए।

कोविड-19 के खिलाफ शपथ ग्रहण

कोविड-19 के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया के संबंध में सचिव एमआईबी और एमई के दिनांक 7 अक्टूबर 2020 के पत्र संख्या DODy.No.57/Secy/I&B/2020 के तहत पत्र के संदर्भ में: 'कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार' और "कोविड-19 पर जन आंदोलन अभियान", का 08.10.2020 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुभारंभ तथा विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस के सामने 09.10.2020 को शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'खुद को और दूसरों को कोरोना वायरस से बचाना' पर वेबिनार

'जन आंदोलन अभियान और जन जागरूकता अभियान' के एक भाग के रूप में, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने 14 अक्टूबर 2020 को सुनाबेड़ा के अपने परिसर में अपने आप को और दूसरों को कोरोना वायरस से बचाने पर एक वेबिनार का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने वेबिनार का उद्घाटन और अध्यक्षता की। उन्होंने सभी विश्वविद्यालय समुदाय से कोविड-19 प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देशों का अक्षरश: पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "हमें मास्क पहनना चाहिए, नियमित अंतराल पर हाथ धोना चाहिए और सामाजिक दूरी बनाए रखना चाहिए, 'दो गज की दूरी' और इकट्ठा होने से बचना चाहिए"। डॉ. सुसेन कुमार पात्रो, शहरी स्वास्थ्य केंद्र, सुनाबेड़ा के चिकित्सा अधिकारी, संसाधन व्यक्ति थे जिन्होंने छात्रों, कर्मचारियों को कोविड-19 के खिलाफ निवारक उपायों के बारे में जागरूक करने के लिए इस विषय पर बात की थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. फागुनाथ भोई, पीआरओ ने किया।

72वां गणतंत्र दिवस का पालन

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने अपने सुनाबेड़ा परिसर । उन्होंने कहा, "विश्वविद्यालय एक पिछड़े क्षेत्र में स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य शैक्षिक रूप से कम विकसित जिलों में लोगों तक गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचना है। जिनका स्नातक नामांकन अनुपात राष्ट्रीय औसत से कम है उन तक यह गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा पहुँच कर देश की शिक्षा को बढ़ाया जा सकता है में 72वां गणतंत्र दिवस शानदार तरीके से मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो-कुलपति प्रो. क्षितिज भूषण दास ने तिरंगा फहराया और विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों की भव्य सभा को संबोधित किया । उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'सशक्त भारत' के उद्देश्यों की प्रशंसा की। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को स्वामी विवेकानंद के अक्सर उद्धृत नारे के बारे में याद दिलाया "जागो, उठो, और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।" प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और उस आंतरिक प्रतिभा को महसूस करना चाहिए जिससे वे संपन्न हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित व्यक्ति समाज सुधार में उत्प्रेरक हो सकता है और बाद में राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने विश्वविद्यालय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा 'हम वर्चुअल मूड में 72 वें गणतंत्र दिवस की सुबह को देखने के लिए भाग्यशाली है। यह हमें हमारे स्वतंत्रता संग्राम और महान स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है कि महान स्वतंत्रता सेनानियों ने देश के लिए बलिदान देकर पूर्ण स्वराज दिया। यह उनके संघर्ष के कारण है की आज हम एक लोकतान्त्रिक देश में रह रहे हैं। जहां प्रत्येक नागरिक को समानता का अधिकार,स्वतंत्रता का अधिकार,शोषण के खिलाफ अधिकार,शैक्षिक-सांस्कृतिक और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार,संवैधानिक उपचार का अधिकार अन्य स्वतत्रताओं के साथ प्राप्त है। यह हमारे संविधान की शक्ति है।'

प्रो. रामब्रहम्म ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय की कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियों और घटनाओं की ओर इशारा किया जैसे गृह आधारित खुली किताब परीक्षा का सफल समापन,सियूसीईटी के माध्यम से छात्रों का प्रवेश,भरोसा का शुभारंभ,आधुनिक प्रशासनिक भवन का निर्माण,इको फ्रेंडली स्टाफ

हाउज़िंग,शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती और हाल ही में कोविड-19 के दौरान कार्यकारी एमबीए प्रोग्राम की शुरुआत।उन्होंने कहा कोरापुट में एससी और एसटी युवाओं के सशक्तिकरण के लिए कौशल विकास और उद्यमिता पर एक बड़ा सक्रिय शोध प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा।''

उन्होंने घोषणा की कि 'विश्वविद्यालय 01 फ़रवरी से शोध छात्रों के लिए और 1 अप्रैल से अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए चरणबद्ध तरीके से कोविड19 के प्रोटोकॉल और दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करेगा।'

सीयूओ ने कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम शुभारंभ किया

इस शैक्षणिक सत्र से 20 जनवरी 2021 को ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ), कोरापुट में वर्चुअल मोड द्वारा कार्यकारी अधिकारियों के लिए बहुप्रतीक्षित कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम का शुभराम किया गया। सीओयू अपने अस्तित्व के 12वें वर्ष से , ओडिशा के इस क्षेत्र में अकादमिक उत्कृष्टता का मुख्य स्रोत रहा है। यह इस क्षेत्र के आसपास के लोगों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अभिनव कार्यक्रम जोड़ रहा है। यह कार्यक्रम कार्यकारी अधिकारियों के प्रबंधकीय कौशल को बढ़ाएगा जो कार्यकारी अधिकारियों की अपेक्षाओं को पूरा करने के अलावा राष्ट्रीय उत्पादकता में वृद्धि में योगदान देगा। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित प्रबंधन विशेषज्ञ और आईआईएम संबलपुर के निदेशक प्रोफेसर महादेव जायसवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने इस कार्यकारी एमबीए प्रोग्राम में शामिल होने वाले कामकाजी पेशेवरों को बधाई दी और कहा कि "कार्यकारी कार्यक्रम सहयोग, प्रयोग और नवाचार के एकीकरण के साथ सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं में महारत हासिल करने का अवसर प्रदान करता है जो समय की आवश्यकता है।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कोरापुट के नए जिला कलेक्टर और मजिस्ट्रेट का स्वागत किया

प्रोफेसर आई रामब्रह्मम, कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ) ने कोरापुट कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, श्री मोहम्मद अब्दाल अख्तर, आईएएस को शुभकामनाएं दीं। सीयूओ अधिकारी प्रो. असित कुमार दास, प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद, विजिटिंग प्रोफेसर और डॉ. फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी ने 10 फरवरी 2021 को कलेक्ट्रेट में शिष्टाचार भेंट की और गर्मजोशी से पुष्पांजलि अर्पित की। प्रो. दास ने कोरापुट जिले के विकास के उनके महत्वपूर्ण कार्य में सफलता की कामना की। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय की विकासात्मक गतिविधियों और विश्वविद्यालय के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने विश्वविद्यालय को शैक्षणिक एवं विकासात्मक गतिविधियों में सहयोग का आश्वासन दिया।

सीयूओ टीम ने कोरापुट के निवर्तमान जिला कलेक्टर श्री मधुसूदन मिश्रा को भी विदा किया और विश्वविद्यालय को उनके अपार समर्थन के लिए धन्यवाद दिया है. विश्वविद्यालय के शैक्षिक और विकासात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए, श्री मिश्रा ने अतिरिक्त सचिव,ओड़िशा सरकार के रूप में अपनी नई भूमिका में विश्वविद्यालय को अपना समर्थन देने का आश्वासन दिया।

सीयूओ में विश्व सामाजिक न्याय दिवस समारोह

सामाजिक न्याय के लिए मंच, ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूओ), कोरापुट ने यूथ फॉर इनक्लूसिव एंड सस्टेनेबल सोसाइटी, हैदराबाद विश्वविद्यालय के सहयोग से 20 फरवरी 2021 को सुबह 5 बजे 'विश्व सामाजिक न्याय दिवस' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य ध्यान 2021 के लिए विश्व सामाजिक न्याय दिवस की थीम 'डिजिटल अर्थव्यवस्था में सामाजिक न्याय के लिए आह्वान' और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना था। एक प्रख्यात राजनीतिक वैज्ञानिक, सार्वजनिक नीति के उभरते हुए विद्वान और सामाजिक न्याय के चैंपियन प्रो. ई. वेंकटेश, प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने मुख्य अध्यक्ष के रूप में उपरोक्त विषय पर व्याख्यान दिया। ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्षीय भाषण दिया। वेबिनार का उद्घाटन प्रो. पी. दुर्गाप्रसाद, समाजशास्त्र विभाग, सीयूओ में विजिटिंग प्रोफेसर द्वारा किया गया।

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की गतिविधियां

- डॉ. काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण विभाग ने 10.06.2020 को डॉ. मिनाती साहू से पीठासीन अधिकारी, आईसीसी के रूप में पदभार ग्रहण किया।
- लिंग अध्ययन के लिए केंद्र खोलने का प्रस्ताव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को 15 जून 2020 को प्रस्तुत किया गया था।
- ऑनलाइन मोड में लिंग अध्ययन और महिला अधिकारिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने का प्रस्ताव 20 अगस्त 2020 को भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ को प्रस्तुत किया गया था।

'भारतीय उच्च शिक्षा में महिलाएं: चुनौतियाँ और अवसर" पर आयोजित किए गए वेबिनार

'भारतीय उच्च शिक्षा में महिलाएं: चुनौतियाँ और अवसर" पर एक वेबिनार 17 जून 2020 को महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। प्रो. राजीव कुमार, डीन, सामाजिक विज्ञान स्कूल एमजीसीयू की ओर से तथा डॉ. काकोली बनर्जी, पीठासीन अधिकारी, आईसीसी, सीयूओ की ओर से समन्वय किया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. विश्वेश, सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, मानविकी और भाषा स्कूल, एमजीसीयू द्वारा वैदिक मंगलाचरण के साथ हुई। प्रो. शाहना मजूमदार, पीठासीन अधिकारी, आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ, एमजीसीयू द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। शोध पत्र प्रस्तुतकर्ताओं के विषय पर संक्षिप्त और संकलित रिपोर्ट डॉ. काकोली बनर्जी, पीठासीन अधिकारी, आंतरिक शिकायत समिति, सीयूओ द्वारा प्रस्तुत की गई।

डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल, महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भारत और भारतीय विश्वविद्यालयों में महिलाओं की वास्तविक दुनिया के परिदृश्य पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में केवल 2% महिलाएं हैं। दुर्भाग्य से, राष्ट्रीय राजधानी और देश के अन्य हिस्सों में हाल ही में परेशान करने वाली घटनाओं ने यूजीसी को मौजूदा व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए प्रेरित किया है जो वर्तमान में उच्च शिक्षा के सभी संस्थानों के परिसरों में लड़कियों, और विशेष रूप से महिलाओं, और सामान्य रूप से पूरे युवाओं की।स्वतंत्रता, और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौजूद हैं।

विशेष अतिथि प्रो. आई. रामब्रह्मम, माननीय कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में महिला छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों और बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने पर चर्चा की। उन्होंने उच्च शिक्षा में बहुत कम महिलाओं की संख्या पर एक टिप्पणी भी जोड़ा।

प्रो. शशिकला वंजारी, कुलपति, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई विशिष्ट अतिथि थीं। अपने संबोधन में डॉ. वंजारी ने पेशे के हर क्षेत्र में महिलाओं का एक सांख्यिकीय दृष्टिकोण दिया। एक अन्य विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनैना सिंह, कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय ने अपने संबोधन में कहा कि विशेष रूप से पिछली शताब्दी के दौरान लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, प्रगति धीमी रही है और दुनिया भर में असमानताएं बनी हुई हैं; विश्व स्तर पर केवल एक तिहाई शोधकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं के साथ और अक्सर लिंग आधारित भेदभाव और समान अवसरों की कमी का सामना करना पड़ता है। सीखने में हमारे लोकतांत्रिक चरित्र को बनाए रखने के लिए समाज में उनके योगदान के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाना चाहिए।

कोविड-19 के समय में भारतीय महिला नेतृत्व

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यानी 08 मार्च 2020 को मनाने के लिए 'कोविद -19 समय में भारतीय महिला नेतृत्व' पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. काकोली बनर्जी, पीठासीन अधिकारी, आईसीसी, सीयूओ द्वारा किया गया था। दो प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों ने वेबिनार को सुशोभित किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो. सबिता आचार्य, कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय ने वेबिनार और विश्वविद्यालय को शुभकामनाएं दीं।

प्रो. (डॉ.) सुश्री सुरभि बनर्जी, पूर्व कुलपति और संस्थापक, सीयूओ ने 'रिफ्लेक्शन ऑन चैलेंजेस फॉर वूमेनिन इंस्टीट्यूशन-बिल्डिंग' पर विचार रखें। उन्होंने कहा कि देश में महिलाओं की स्थिति को अभी कई मील दूर जाना है और वह अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए तैयार है। उन्होंने मलाला यूसुफजई जैसी महिला नेताओं और हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई बेटी बचाओ बेटी पढाओ जैसे विकास कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया।

प्रो. सुश्री मीना हरिहरन, संस्थापक निदेशक, स्वास्थ्य मनोविज्ञान केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय और सदस्य, कार्यकारी परिषद, सीयूओ ने 'आत्मनिर्भर भारत के संदर्भ में महिलाओं की भूमिका' विषय पर विचार-विमर्श किया। महामारी की अवधि पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उन्होंने पीपीई और सजावटी मास्क बनाने में महिलाओं (आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं) के योगदान का उदाहरण दिया, उत्तर प्रदेश की आदिवासी महिलाएं महुआ से सैनिटाइज़र बनाती हैं, छत्तीसगढ़ की महिलाएं नीम के पेड़ का पालन-पोषण करती हैं और प्रवासी मजदूरों के लिए 'रोटी बैंक"को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने छात्रों के भावनात्मक संज्ञानात्मक पुनर्वास और कल्याण के लिए परामर्श हेल्पलाइन शुरू करने में सीयूओ के प्रयासों की सराहना की।

सीयूओ ने 'कार्यस्थल में लैंगिक मुख्यधारा: सतर्कता और पहल' पर वेबिनार का आयोजन किया

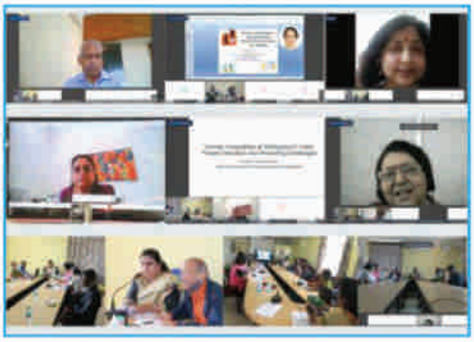

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने 12 फरवरी 2021 को "कार्यस्थल में जेंडर मेनस्ट्रीमिंग: विजिलेंस एंड इनिशिएटिव्स" शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया। प्रोफेसर नीलिमा श्रीवास्तव, निदेशक, स्कूल ऑफ जेंडर एंड डेवलपमेंट स्टडीज, इग्नू ने मुख्य भाषण, सुश्री नम्रता चड्ढा, अध्यक्ष, महिला अधिकार अभियान, प्रोफेसर शीला सूर्यनारायणन, प्रमुख, महिला अध्ययन केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय और डॉ सरोजिनी सारंगी, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, सरोजिनी अस्पताल, कटक ने इस अवसर परअपने वक्तव्य रखें। सीयूओ के कुलपति प्रो. आई. रामब्रह्मम ने उद्घाटन भाषण दिया। डॉ काकोली बनर्जी, सहायक प्रोफेसर, डीबीसीएनआर और पीठासीन अधिकारी, आईसीसी ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और आईसीसी और लिंग अध्ययन के दायरे और महत्व के बारे में बताया।

Mr. K.V. Uma Maheswara Rao
JOINT REGISTRAR, CUO
Relieved from CUO on 26.10.2021

श्री के.वी. उमा महेश्वर राव 7 जुलाई 2011 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उप कुलसचिव के रूप में शामिल हुए। उन्हें संयुक्त रूप से पदोन्नत किया गया। 1 जनवरी 2017 को रजिस्ट्रार। उन्होंने स्थापना, प्रशासन, खरीद और इंजीनियरिंग कार्यों जैसे कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों को संभाला। सीयूओ में शामिल होने से पहले, उन्होंने एनआईटीएआर और यूजीसी सहित शिक्षण संस्थानों में काम किया। उन्हें रजिस्ट्रार, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश के रूप में चुना गया था और उन्हें 26 अक्टूबर 2020 को विश्वविद्यालय से मुक्त कर दिया गया था ।

नई नियुक्तियाँ

प्रो क्षिति भूषण दास
उप कुलपति

एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, प्रो क्षिति भूषण दास ने 18 जनवरी 2021 को सीयूओ स्थायी परिसर, सुनाबेड़ा में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उप -कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस पर प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए सीयूओ की कार्यकारी परिषद ने प्रो. दास को विश्वविद्यालय का उप कुलपति नियुक्त किया। प्रो. आई रामब्रह्मम, कुलपति ने प्रो. दास को अपनी शुभकामनाएं दीं।

प्रो. दास के पास बहुत विशाल और प्रभावशाली अकादमिक और साथ ही प्रशासनिक अनुभव है। सीयूओ में शामिल होने से पहले वे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उप कुलपति थे। उन्हें वाणिज्य और प्रबंधन, उत्कल विश्वविद्यालय और एसओए विश्वविद्यालय के डीन और प्रोफेसर के रूप में लगभग **38** वर्षों का शिक्षण अनुभव है। अपने करियर के दौरान उन्होंने निदेशक, कॉलेज देव परिषद, रजिस्ट्रार, डीन, विभागाध्यक्ष, उत्कल विश्वविद्यालय में कार्यक्रम समन्वयक जैसे विभिन्न पदों पर कार्य किया।

प्रो. दास ने वाणिज्य में पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टोरेट(डी.लिट), की डिग्री उत्कल विश्वविद्यालय से पूरी की। उनकी 5 पुस्तकें हैं- जिनमें "वित्तपोषण कमजोर वर्ग- 1998 में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका", "ग्रामीण विकास के लिए वित्तीय सेवाएं- 2006", "व्यावसायिक अध्ययन भाग I- 2008" और "व्यावसायिक अध्ययन भाग II- 2008", " मौलिक सिद्धांत- 2009" और "वित्तीय समावेशन के माध्यम से समावेशी विकास- 2012"। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में उच्च स्तर के मूल्यवान शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्होंने 20 से अधिक विद्वानों का पर्यवेक्षण भी किया है और कई शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

वे नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग और राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, अरुणाचल प्रदेश के विजिटर्स नॉमिनी थे। उन्हें इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय और एचएनबी विश्वविद्यालय, उत्तराखंड की अकादमिक लेखा परीक्षा आयोजित करने के लिए यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था; शासकीय बोर्ड के सदस्य, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली; पीयर टीम, राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) के सदस्य (समन्वयक); सदस्य, उच्च शिक्षा परिषद, मध्य प्रदेश सरकार ; सदस्य, विशेष कार्य समूह, (योजना आयोग), छत्तीसगढ़; सदस्य, विशेषज्ञ समिति, कौशल और तकनीकी शिक्षा विभाग,ओड़िशा सरकार। एआईसीटीई नामित,शासकीय बोर्ड,बीपीयूटी का सदस्य। प्रो. दास ने मॉरीशस विश्वविद्यालय सहित भारत और विदेशों में कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में व्याख्यान दिया; जापान आर्थिक नीति संघ (वित्त और प्रबंधन के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के लिए केंद्र, टोक्यो); त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल; पैनल सदस्य - बीईएसआई, एंटिबीज, फ्रांस और हल विश्वविद्यालय, यू.के।

श्री के. कोसला राव
वित्त अधिकारी

श्री के. कोसला राव 18 जनवरी 2021 को वित्त अधिकारी के रूप में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शामिल हुए। पद पर आने से पहले वे सीयूओ के संयुक्त रजिस्ट्रार थे और वे विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी के अतिरिक्त प्रभार में भी थे। 2012 में उप-अधिष्ठाता के रूप में नियुक्त हुए थे।उन्होंने सीएसआईआर भोपाल से अपना करियर शुरू किया। उन्हें प्रशासन, अकादमिक और वित्त में व्यापक अनुभव है।

डॉ. राम शंकर
परीक्षा नियंत्रक

जानकार प्रशासक डॉ. राम शंकर ने 16 फरवरी 2021 को परीक्षा के नए नियंत्रक के रूप में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पद भार संभाला। उन्हें पूरे भारत में विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक पदों पर सेवा करने का व्यापक अनुभव है। सीयूओ में शामिल होने से पहले,वे केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), दिल्ली में संयुक्त सचिव थे। उन्होंने यूजीसी-नेट यूनिट और सीटीईटी यूनिट में भी अपनी सेवा दी है।इन्होंने बीएचयू से शिक्षा में परास्नातक तथा प्रबंधन में पीएच.डी एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर किया है। इन्होंने ने पीडीपीएम आईआईआईटी, जबलपुर में भी काम किया है। वे सदस्य के रूप में यूजीसी, एनसीईआरटी, एमओई आदि की विभिन्न समितियों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों / सम्मेलनों / संगोष्ठी आदि में भाग लिया है।

प्रो कामेश्वर राव
अतिथि प्राध्यापक, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण

आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम में पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर के रूप में डॉ कामेश्वर राव कोटमराजू (65) ने शिक्षण और सलाहकार के रूप में बड़े दायित्व का वहन किया है, 2017 में राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्तकर्ता भी रहे हैं। उनकी शिक्षण सेवाओं की मान्यता में,आंध्र विश्वविद्यालय में उनके नाम पर सर्वश्रेष्ठ छात्र का वार्षिक पुरस्कार स्थापित किया गया है। प्रो. राव को 10 से अधिक विश्वविद्यालयों के अकादमिक बोर्डों के विशेषज्ञ के रूप में भी जाना जाता है।

प्रो. राव ने जैव विविधता, पारिस्थितिकी और पर्यावरण के क्षेत्र में अपनी छात्रवृत्ति स्थापित की है और 45 से अधिक शोध पत्रों, 14 पुस्तकें एवं 15 से अधिक अनुसंधान एवं विकास व परामर्श परियोजनाओं में योगदान दिया है। उन्होंने शोध डिग्री के लिए 45 विद्वानों का मार्गदर्शन किया। उनकी अत्यधिक प्रभावशाली छात्रवृत्ति को स्वीकारा गया और उन्हें एमओईएफ और सीसी (भारत सरकार), एपी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,विश्व बैंक समिति,कोलेरू पर एक उच्च-शक्ति समिति (भारत सरकार द्वारा नामित) जैसे कई वैधानिक और अन्य सरकारी समितियों में सेवा के लिए नियुक्त किया गया। वर्तमान में, प्रो. राव आंध्र प्रदेश राज्य के लिए पर्यावरणीय कार्य योजना का मसौदा तैयार करने वाली समिति के सदस्य हैं। वे सेंटर फॉर पीपुल्स फॉरेस्ट्री, हैदराबाद के लिए प्रबंधन न्यास भी हैं, जो पूर्वी घाट राज्य ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में फैला हुआ है।

प्रो. सरोज पाणिग्रही
प्रोफेसर, गणित विभाग

प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रो. सरोज पाणिग्रही हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) से प्रतिनियुक्ति पर 28 अगस्त 2020 को गणित के प्रोफेसर के रूप में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए और ... फरवरी, 2021 तक बने रहे। उन्हें विश्वविद्यालय के भर्ती अनुभाग में प्रोफेसर-प्रभारी के रूप में भी नियुक्त किया गया था।प्रो. पाणिग्रही, स्कूल ऑफ मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, हैदराबाद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। उन्हें शिक्षण और प्रशासन में व्यापक अनुभव है। उनके शोध लेख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं में अच्छी संख्या में प्रकाशित हुई है। उन्होंने डिफरेंशियल इक्वेशन, फंक्शनल डिफरेंशियल इक्वेशन और टाइम स्केल पर डायनेमिक इक्वेशन में अपने शोध के लिए हैदराबाद विश्वविद्यालय के XVII दीक्षांत समारोह में चांसलर का पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रो. पी. एस. अवधानी
विजिटिंग प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस

एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रो. पी. एस. अवधानी ने 16 मार्च 2021 को कंप्यूटर विज्ञान विभाग में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए। प्रो. अवधानी ने अपने शिक्षण करियर की शुरुआत कंप्यूटर विज्ञान और सिस्टम इंजीनियरिंग विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम में एक संकाय के रूप में की और बाद में 1987 में रीडर और 1998 में प्रोफेसर बने। उन्होंने 25 पीएचडी को निर्देशित किया और 100 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए।उन्हें आंध्र विश्वविद्यालय से सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार और विशिष्ट शिक्षाविद पुरस्कार तथा आंध्र प्रदेश राज्य से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार मिला। उन्हें टेक्सनेक्स्ट इंडिया द्वारा विशिष्ट प्रधानाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने भारत,संयुक्त राज्य अमेरिका, ईरान, तुर्की और मलेशिया देशों में आमंत्रित वार्ता की। वे 2020 में आंध्र विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त होने से पहले निदेशक, आईआईआईटी, अगरतला के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे। वे कई पेशेवर निकायों के सदस्य हैं, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के फेलो, कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया के फेलो, भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन के आजीवन सदस्य हैं और अन्य कई। कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया, विशाखापत्तनम चैप्टर के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने 'सी फॉर किड्स' आदि कार्यक्रमों के साथ बच्चों में कंप्यूटर दक्षता को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए। वे वर्तमान में दो केंद्रीय संस्थानों, भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान,विशाखापत्तनम तथा भारतीय इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, शिबपुर, कोलकाता,के शासकीय निकाय के सदस्य हैं।

प्रो. बी.बी. मिश्रा
अकादमिक सलाहकार

प्रो. बन बिहारी मिश्रा ने 6 जुलाई से 24 अगस्त 2020 के दौरान ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भर्ती प्रक्रिया की देख-रेख के लिए अकादमिक सलाहकार के रूप में काम किया। उन्होंने नवंबर, 1980 में उड़ीसा शिक्षा सेवा (कॉलेज शाखा) के तहत एस.सी.एस. कॉलेज, पुरी से अपनी शिक्षण करियर की शुरुआत की।इसके बाद डी.ए.वी. कॉलेज, कोरापुट और सरकारी महिला कॉलेज, जयपुर, ओडिशा में अप्रैल, 2008 तक कार्यरत रहे।उन्हें 10 अप्रैल 2008 को मिजोरम विश्वविद्यालय(एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) में शिक्षा के प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था और वहां

से 31 जनवरी, 2020 को +2, डिग्री, बी.एड, एम.एड, एमए, एम.फिल और पीएचडी स्तरों पर पढ़ाए जाने वाले 39 वर्षों से अधिक के शिक्षण अनुभव के साथ शिक्षा के वरिष्ठ प्रोफेसर के रूप में सेवानिवृत्त हुए(चरण छह)।कॉलेजों और विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष के रूप में 23 साल और स्कूल के डीन के रूप में तीन साल के लिए उन्होंने विभागों के विकास में नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने मिजोरम केंद्रीय विश्वविद्यालय में विभाग के कार्यकारी परिषद, अकादमिक परिषद के सदस्य और स्कूल बोर्ड के अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य के रूप में कार्य किया।प्रो. मिश्रा ने 21 पीएच.डी. विद्वानों और 09 एम.फिल. निबंधों का मार्गदर्शन किया है। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 37 से अधिक पत्र और शोध लेख प्रकाशित किए हैं। उन्होंने सत्रों की अध्यक्षता में कई सेमिनार कार्यशालाओं, सम्मेलनों के आयोजन में महत्वपूर्ण तकनीकी भूमिका निभाई थी तथा व्याख्यान दिए। उन्हें नैक पीयर टीम और एनसीटीई मूल्यांकन समितियों के सदस्यों के रूप में आमंत्रित किया गया था।

श्री आशीष रॉय
अकादमिक सलाहकार

एक वरिष्ठ प्रबंधन कार्यकारी श्री आशीष कुमार रॉय 30 जून 2021 को सीयूओ में अकादमिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। सीयूओ में शामिल होने से पहले वे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (नवरत्न पीएसयू) के महाप्रबंधक (मिग कॉम्प्लेक्स) थे। उन्हें प्रशासन और व्यवसाय प्रबंधन में 35 वर्षों का अनुभव है। उन्होंने बीएससी इंजीनियरिंग(मकैनिकल) आरईसी (राउरकेला) से, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) मद्रास से एयरो प्रोडक्शन में पोस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम, एग्जीक्यूटिव पीजीडीएम (मार्केटिंग / एचआर) (गोल्ड मेडलिस्ट) जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर,से उतिर्ण किया। उनके समन्वय में, ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय में कामकाजी पेशेवर के लिए पहला कार्यकारी एमबीए प्रोग्राम शुरू किया गया है।

डॉ सौमेंद्र कुमार मोहंती
अकादमिक सलाहकार

डॉ. सौमेंद्र कुमार मोहंती ने 21 जुलाई, 2020 को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अकादमिक सलाहकार के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। डॉ. मोहंती ने अपनी पीएच.डी. राजनीति विज्ञान में लोक सेवा वितरण प्रणाली और ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में हैदराबाद विश्वविद्यालय से प्राप्त की । उन्होंने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शामिल होने से पहले उत्कल विश्वविद्यालय, राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय और हैदराबाद विश्वविद्यालय में काम किया है।

डॉ. गुज्जू उमामहेश्वर राव
अकादमिक सलाहकार

डॉ. गुज्जू उमामहेश्वर राव 21 जुलाई, 2020 को एक अकादमिक सलाहकार के रूप में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शामिल हुए। डॉ. उमामहेश्वर राव ने एम. फिल और राजनीति विज्ञान में पीएच.डी हैदराबाद विश्वविद्यालय से पूरा कर लिया है।पीएचडी के लिए, उन्होंने 'भारतीय उच्च शिक्षा का शासन, वित्त पोषण और गुणवत्ता: सार्वजनिक और गैर-सार्वजनिक संस्थानों का एक अध्ययन' शीर्षक से थीसिस पर काम किया। उन्होंने ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शामिल होने से पहले टीआईएसएस (हैदराबाद) और एपी रेजिडेंशियल डिग्री कॉलेज मे अतिथि प्रवक्ता के रूप में काम किया है।

श्री. अरुण कुमार त्रिपाठी
अकादमिक सलाहकार

श्री अरुण कुमार त्रिपाठी 26 जून 2020 को एक अकादमिक सलाहकार के रूप में ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए हैं। श्री त्रिपाठी पेशे से एक शिक्षाविद हैं और स्वयं साहित्यकार हैं। उन्होंने बरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा से एमए (अर्थशास्त्र), इग्नू, नई दिल्ली से एमए (लोक प्रशासन), ओडिशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा से एमए (समाजशास्त्र) और बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा से जनजातीय अध्ययन में एम.फिल प्राप्त किया। उनके अनुसंधान के क्षेत्र में आदिवासी संस्कृति, विशेष रूप से उनके मेले और त्योहार, आदिवासी अर्थव्यवस्था और विकास शामिल हैं। उन्हें कॉलेज स्तर पर पांच साल का शिक्षण अनुभव है। श्री त्रिपाठी के कई शोध आधारित आलेख प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में प्रकाशित हुए हैं।

सुश्री मधुस्मिता दास
अकादमिक सलाहकार

सुश्री मधुस्मिता दास 29 जून 2020 को एक अकादमिक सलाहकार के रूप में विश्वविद्यालय में शामिल हुईं। विश्वविद्यालय में शामिल होने से पहले वह सरस्वती विद्या मंदिर, दार्मोजोड़ी में एक शिक्षक के रूप में कार्यरत थीं। उन्होंने उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर और रामादेवी महिला विश्वविद्यालय से एम.फिल पूरा किया।

श्री शीतप्रज्ञान पाणिग्रही
संपदा अधिकारी

श्री शीतप्रज्ञान पाणिग्रही 22 अक्टूबर 2020 को संपदा अधिकारी के रूप में शामिल हुए। सीयूओ में शामिल होने से पहले, वे एस एंड एम प्रभारी, विकास विकल्प, तारा (ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ के प्रभारी) थे। वे पहले राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों जैसे राज्य सरकारी संगठनों, जिला प्रशासन और नगर पालिका से जुड़े रहे हैं।

पुरस्कार और उपलब्धियां

डॉ. ज्योतिष्का दत्ता
विभागाध्यक्ष प्रभारी, गणित विभाग और कंप्यूटर विज्ञान विभाग

डॉ. ज्योतिस्का दत्ता, विभागाध्यक्ष आई/सी, गणित विभाग और कंप्यूटर विज्ञान विभाग,ने अपनी पीएच.डी.की डिग्री गणित और कम्प्यूटिंग में जून 2020 में प्राप्त किया। उन्होंने अपनी पीएच.डी. प्रो. आर. के. उपाध्याय, आईआईटी धनबाद के मार्गदर्शन में 'इको-एपिडेमियोलॉजिकल सिस्टम्स विद डिले एंड डिफ्यूजन: ए मॉडलिंग स्टडी' विषय पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद से प्राप्त किया।

डॉ. बिजयानंद प्रधान
सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष

डॉ बी एन प्रधान, सहायक लाइब्रेरियन,ने अपनी पीएच.डी. की डिग्री सितंबर 2020 में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में प्राप्त किया। उन्होंने अपनी पीएच.डी. बेरहामपुर विश्वविद्यालय से 'ओडिशा में अनुसंधान गतिविधियाँ:स्कोपस में प्रतिबिंबित प्रकाशित साहित्य पर आधारित विश्लेषण', डॉ आर के महापात्रो, कॉलेज ऑफ लाइब्रेरी एण्ड इनफार्मेशन साइंस एसएमआईटी, बरहामपुर के निर्देशन में पूरा किया।

डॉ सोनी पाढ़ी
व्याख्याता, पत्रकारिता और जन संचार विभाग

डॉ. सोनी परी, व्याख्याता, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग,ने अपनी पीएच.डी.की डिग्री नवंबर 2020 को जे एंड एमसी में प्राप्त किया। उन्होंने प्रोफेसर जे. शेषगिरी राव के मार्गदर्शन में, 'जागरूकता पैदा करने के लिए संचार: ओडिशा में जनजातियों के बीच विकास कार्यक्रमों के उपयोग का एक प्रभावी आकलन' विषय पर बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा से अपना शोध पूरा किया।

वैधानिक तथा गैर वैधानिक समितियाँ

कार्यकारी परिषद

क्रमांक	नाम व पता	पद
1	कुलपति उड़ीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	अध्यक्ष
2	सचिव शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार 127 क,शास्त्री भवन,नई दिल्ली-110001	सदस्य
3	प्रो आदित्य प्रसाद पाधी (यूजीसी) पूर्व कुलपति, बरहामपुर विश्वविद्यालय	इसी नामित
4	सरकार का प्रधान सचिव उच्च शिक्षा विभाग,ओड़िशा सरकार,ओड़िशा सचिवालय	सदस्य
5	प्रो. मीना हरिहरन प्रमुख, स्वास्थ्य मनोविज्ञान केंद्र हैदराबाद विश्वविद्यालय	सदस्य
6	प्रो. संघमित्रा बंद्योपाध्याय प्रोफेसर (एचएजी), मशीन इंटेलिजेंस यूनिट भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता	सदस्य
7	प्रो. मंजुला राणा प्रोफेसर और प्रमुख, हिंदी विभाग, एचएनबी, गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड	सदस्य
8	प्रो. राम गोविंदरंजन अंतर्राष्ट्रीय केंद्र सैद्धांतिक विज्ञान,बेंगलुरू	सदस्य
9	प्रो.शरत कुमार पलिता डीन, स्कूल ऑफ बायोडायवर्सिटी एंड कंजर्वेशन ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज,ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
10	डॉ. प्रदोष कुमार रथ पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
11	डॉ. असित कुमार दास कुल सचिव	पदेन सदस्य सचिव

शैक्षिक समिति

क्रमांक	सभी सदस्यों के नाम पद और पता	पद
1	कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2	उप कुलपति	पदेन सदस्य- रिक्त
3	स्कूल ऑफ स्टडीस	डीन प्रो. शरत कुमार पलीता(एसबीसीएनआर)
4	शिक्षण विभाग/केंद्र (केंद्रों) के प्रमुख	पदेन सदस्य
5	10 प्रोफेसरों (अध्ययन के स्कूलों के डीन और विभाग/केंद्रों के प्रमुखों को छोड़कर)वरिष्टता और रोटैशन के आधार पर	रिक्त
6	एक एसोसिएट प्रोफेसर जो शिक्षण विभाग के प्रमुख नहीं हैं वरिष्टता के आधार पर रोटैशन के द्वारा	रिक्त
7	एक सहायक प्रोफेसर को वरिष्ठता रोटेशन के आधार पर कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा	श्री प्रशांत कुमार बेहरा, अर्थशास्त्र विभाग
8	ग्रंथपाल	ग्रंथपाल अतिरिक्त प्रभार
9	बाहरी सदस्य के रूप में पांच व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं, शैक्षिक प्रगति और विकास में उनके विशेष ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सहयोजित किए जाएंगे	1. डॉ. के. सुधा राव, पूर्व कुलपति, कर्नाटक मुक्त विश्वविद्यालय , मैसूर 2. डॉ. राम कुमार मिश्रा, निदेशक, सार्वजनिक उद्यम संस्थान, हैदराबाद 3. डॉ. वसंती श्रीनिवासन, प्रोफेसर और प्रमुख, राजनीति विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद 4. डॉ. अनिल कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, अंग्रेजी विभाग, आर.बी.एस. कॉलेज, आगरा। 5. डॉ. डी.वी.एस. बालसुब्रमण्यम, लोक प्रशासन में व्याख्याता, आरआरडीएस राजकीय कॉलेज, भीमावरम
10	डीन,छात्र कल्याण	पदेन सदस्य
11	परीक्षा नियंत्रक	पदेन सदस्य
12	प्रो. असित कुमार दास रजिस्ट्रार, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	पदेन सचिव

वित्त समिति

क्रमांक	एसी सदस्यों के नाम व पता	पद
01	कुलपति ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ,कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
02	उप कुलपति	रिक्त
03	कोर्ट के द्वारा नामित	रिक्त
04	प्रो. ए. पी. पाधी पूर्व कुलपति, बरहामपुर विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद में यूजीसी नामांकित व्यक्ति	सदस्य
05	प्रो. एस.एन. मिश्रा निदेशक, नेतृत्व के स्कूल, केआईआईटी, भुवनेश्वर	सदस्य
06	प्रो. मंजुला राणा हिन्दी विभागाध्यक्ष, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय,श्रीनगर उत्तराखंड	सदस्य
07	जेएस एंड एफए, एमएचआरडी या वित्त ब्यूरो / एमएचआरडी से उनके नामित व्यक्ति	सदस्य
08	जेएस (सीयू एंड एल), एमएचआरडी या उनके नामिती	सदस्य
09	जेएस (सीयू), यूजीसी या यूजीसी नॉमिनी	सदस्य
10	वित्त अधिकारी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	पदेन सचिव

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

क्रमांक	पद	एसी सदस्यों के नाम व पता
1.	अध्यक्ष	प्रो. आई रामयब्रह्मम, कुलपति,सीयूओ,कोरापुट
2.	निदेशक	पो. शरत कुमार पलीता, डीन,स्कूल ऑफ बीसीएनआर
3.	प्रशासनिक अधिकारी	1. कुलसचिव 2. प्रो. के. सी. राऊत,डीन (शैक्षिक) 3. प्रो. बी. पी. रथ,ओएसडी (दाखिला/परीक्षा/छात्र विषयक)
4.	विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य	1. सौरभ गुप्ता,सहायक प्राध्यापक,सूचना एवं जनसंचार विभाग 2. डॉ. बी के श्रीनिवास ,सहायक प्राध्यापक,मानव विज्ञान 3. डॉ.मिनती साहू,सहायक प्राध्यापक,अर्थशास्त्र 4. डॉ. महेश कुमार पांडा,सहायक प्राध्यापक,सांख्यिकी 5. डॉ. रामेंद्र कुमार पढ़ी,सहायक प्राध्यापक,शिक्षा
5.	प्रबंधन के लिए सदस्य	1. प्रो. एस. पी. अधिकारी, कार्यकारी समिति सदस्य
6.	स्थानीय समाज से नामांकित व्यक्ति	1. पी सी मोहापात्र ,निदेशक,कोट्स,कोरापुट 2. श्री प्रभाकर अभिकारी,सचिव,प्रगति,कोरापुट
7.	नियोक्ता/उद्योगपति/हितधारकों से नामित सदस्य	1. डॉ. राजीव साहू प्रबंधक(एच आर),नालको,दमनजोड़ी,कोरापुट 2. श्री तुषार रंजन बहरा,डीजीएम(एच आर),हाल,कोरापुट

भवन-निर्माण समिति

क्रमांक	नाम और पता	पद
1	प्रो.आई. रामब्रह्मम कुलपति, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	अध्यक्ष
2	प्रो. श्रीजीत मिश्रा निदेशक, नवकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, भुवनेश्वर। (पूर्व सदस्य, योजना बोर्ड)	सदस्य
3	श्री सुधाकर पटनायक प्रभारी अधिकारी, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (उपयोगकर्ता विभाग के प्रतिनिधि)	सदस्य
4	प्रो. अक्षय राउत विजिटिंग प्रोफेसर, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (नामांकित)	सदस्य
5	डॉ कपिला खेमुंडू सहायक प्रोफेसर, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (नामित)	सदस्य
6	श्री के. कोसल राव वित्त कार्यालय (आई/सी), ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
7	प्रो. डॉ.दुलु पटनायक प्राचार्य राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय,भवानिपटना,कालाहांडी, (पड़ोसी जिले के इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य)	सदस्य
8	इंजीनियर. टी सिद्धार्थ रेड्डी डीजी, एमईएस, रक्षा मंत्रालय, सरकार। भारत की	सदस्य
9	इंजीनियर. बनबीर दास आईडीएसई (सेवानिवृत्त), पूर्व डीजी. एमईएस. रक्षा मंत्रालय. भारत सरकार	सदस्य
10	बीरेंद्र पांडे कार्यकारी अभियंता (वैद्युतिक)सीपीडब्ल्यूडी	सदस्य
11	जलधर स्वाइं अधीक्षक अभियंता, पीएच अभियंतिकी विभाग ,ओड़िशा सरकार,भवानिपटना,कालाहांडी	सदस्य
12	इंजीनियर. पद्मलोचन स्वैन, असिस्ट. इंजीनियर, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (विश्वविद्यालय अभियंता)	सदस्य
13	श्री बिस्वरंजन नायक मुख्य वास्तुकार, सरकार। ओडिशा, भुवनेश्वर। (वरिष्ठ वास्तुकार)	सदस्य
14	श्रीमती सबिता साहू सीनियर आर्किटेक्ट, सीपीडब्ल्यूडी।	सदस्य
15	श्री संजीव कुमार मोहंता उप निदेशक (बागवानी), कोरापुट (भूनिर्माण विशेषज्ञ)	सदस्य
16	डॉ. असित कुमार दास रजिस्ट्रार, ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य सचिव

एक दृष्टि में कैंपस

श्री दैतारई बिसोई के सौजन्य से

सीयूओ समाचारपत्रों में

नवभारत भुवनेश्वर

कार्यक्रम : ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 12वां स्थापना दिवस आयोजित

युवाओं के विकास के लिए गुणात्मक शिक्षा

पारंपरिक शिक्षा के महत्व पर राज्यपाल ने रखे अपने विचार

କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଯୋଗ ଦିବସ

କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ବୃକ୍ଷ ରୋପଣ କଲେ ସାଂସଦ

CUO reaches out to stressed students with 'Bharosa'

SUDARSAN MAHARANA
@Bhubaneswar

AMID Covid-19 lockdown, academicians in Central University of Odisha (CUO), Koraput have gone beyond their call of duty reaching out to students and people in distress across the State to provide mental support they need to sail through these trying times.

The university, which has launched 'Bharosa' helpline service with a toll-free number 08046801010 for this purpose, has already addressed around 800 distress calls in less than three weeks. Eight faculties along with seven psychologists from Bhubaneswar and University of Hyderabad have volunteered to assist ...rsons seeking ... through ... said CUO Vice-Chancellor Prof I Ramabrahmam.

He said nearly one third of the received calls are from migrant workers, their children and people in distress. The number of such calls has gradually reduced over the time because of proactive measures taken by the Government, he added.

The university through its helpline is providing mental support to students worried over their exams, results and career.

P Durgaprasad, one of the visiting professors, said as the online teaching activities are in progress, the faculties through this helpline are also addressing the problems of students while adapting to the system of hybrid learning.

"We have been trained to listen to their problems carefully and respond with empathy. In the course of conversation, we discuss about the possibilities and look for ways in which they can cope with the situation," said Prof Sourav Gupta.

University Dean of Students' Welfare Prof Ramendra Kumar Parhi said CUO has collaborated with Association of Health Psychologist (AHP) and the Support for Emotional Rehabilitation of Virus Victims (SERV) for effective implementation of the helpline.

> The helpline is also getting calls from labourers, migrant workers and other persons in distress. In this crisis time, we cannot ignore such calls. We answer them and try our best to help them by reaching out to the service stations and administration
>
> Prof I Ramabrahmam, CUO Vice-Chancellor

NEW INDIAN EXPRESS Sat, May 2020 https://epaper.newindianexpress.com/c/521509

ଭିସିରେ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଦିବସ

ମୂଲ୍ୟବୋଧ ଭିତ୍ତିକ ଶିକ୍ଷାକୁ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିଆଯାଉ: ରାଷ୍ଟ୍ରପତି

the pioneer

Preamble read, quiz held by CUO, K'put

While holding Constitution Day

PNS ■ KORAPUT

The Central University of Odisha (CUO), Koraput joined a nation-wide celebration to observe the Samvidhan Divas (Constitution Day) on Thursday. Teaching and non-teaching staff of the university read the Preamble of Indian Constitution led by President of India Ram Nath Kovind on a live telecast by DD News.

At the very outset, VC Prof I Ramabrahmam highlighted some of the important features of the Preamble and said the Constitution of India is one of the best in the world.

Due to the Covid19 pandemic, the programme was also available both online and offline. Students participated in the reading of the Preamble online. Visiting Professor of Sociology Prof P Durgaprasad, Finance Officer K Kosal Rao, DSW Dr Ramendra Kumar Parhi, HoD Sociology Dr Kapila Khemundu, Sanjeet Kumar Das and Public Relations Officer Dr Phagunath Bhoi were present. Live telecast of the Constitution Day (Samvidhan Divas) function was made available in the university campus. Besides, a quiz competition on the Constitution was also organised through virtual mode in which 79 students participated.

A national webinar on 'Indian Constitutional Dynamics: Seven Decades of Ensuring Equality and Justice' had been held earlier to commemorate the event.